मंगलवार

09 जुलाई 2024

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

बाढ़ से बचाव के लिए सभी डीएम रखें अपनी पूरी तैयारी : मुख्यमंत्री नीतीश 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

हेमंत सरकार ने सदन में हासिल किया विश्वासमत, पक्ष में 45 तो विपक्ष में 0 वोट पड़े

- विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर साधा निशाना
- भाषण के दौरान बीजेपी विधायकों ने जमकर किया हंगामा
- हेमंत बोले- न इनके पास सोच है और न ही एजेंडा, इनका षड्यंत्र नहीं चलने वाला

एजेंसी/रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विधानसभा में विश्वासमत हासिल कर लिया। विश्वासमत प्रस्ताव के पक्ष में 45 वोट पड़े, वहीं विपक्ष में शून्य वोट पड़े। बीजेपी विधायक वोटिंग के दौरान विधानसभा से वॉकआउट कर गए। वोटिंग से पहले विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। हेमंत सोरेन के भाषण के दौरान बीजेपी विधायकों ने जमकर हंगामा किया। हेमंत सोरेन ने कहा, न इनके पास सोच है और न ही एजेंडा है। इनके पास पर केंद्रीय एजेंसियां हैं। जितने विधायक हैं, उसके आधे भी आ जाएं वापस तो बड़ी बात होगी। लोकसभा चुनाव में चेहरा दिखा दिया है, अब बचा है राज्यों का चुनाव। महागठबंधन के साथ मिलकर लड़ा जायेगा और इनको उसमें भी आईना दिखाएंगे। इनका षड्यंत्र नहीं चलने वाला है। सोरेन ने कहा, मैं यहां वैधानिक प्रक्रिया के द्वारा आया हूं। विपक्ष फिर मुझे इस भूमिका में देखकर कैसा लग रहा है, वो उसके आचरण में दिख रहा है। ये केवल राजनीतिक रोटियां सेकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं चंपई सोरेन का धन्यवाद करूंगा, जिन्होंने निर्भीक होकर सरकार चलाया, सरकार को बचाया। ये लोग (बीजेपी) खरीद-फरोख्त कर रहे थे। हेमंत सोरेन ने अपने करीबी चंपई सोरेन के पद से हटने के एक दिन बाद, चार जुलाई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का पेश किया था दावा

कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से 28 जून को जमानत मिली थी। इसके बाद वो जेल से बाहर आए। हेमंत सोरेन को ईडी ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उन्होंने ईडी की हिरासत में ही सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद चंपई सोरेन सीएम बने। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 76 विधायक हैं। हेमंत सोरेन ने तीन जुलाई को सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद सत्तारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने राज्यपाल को 44 विधायकों की समर्थन लिस्ट सौंपी।

हेमंत सरकार के 11 नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की दिलाई गई शपथ

झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने के बाद अब हेमंत सोरेन के 11 नए मंत्रियों को राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आग्रह पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं कांग्रेस कोटे से बादल पत्रलेख की जगह नए मंत्रिमंडल में दीपिका पांडेय सिंह ने मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं पूर्व आलमगीर आलम की जगह कांग्रेस की ओर से इरफान अंसारी को मौका दिया गया। वहीं जेएमएम कोटे से बैद्यनाथ राम को भी मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। जबकि जेएमएम-कांग्रेस और आरजेडी कोटे से अन्य सभी पुराने मंत्रियों को फिर से मौका मिला। लेकिन चंपाई सोरेन के कैबिनेट में शामिल होने से हेमंत सोरेन के छोटे भाई और पूर्व मंत्री बसंत सोरेन का नाम कट गया।

मणिपुर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष ने हिंसा पीड़ितों से मुलाकात कर की अपील

पीएम मोदी मणिपुर आएं, लोगों से बात कर यहां शांति लाएं: राहुल

- बोले राहुल गांधी- मुझे यह देखकर निराशा हुई कि स्थिति अभी भी वैसी नहीं है, जैसी होनी चाहिए

एजेंसी/इंफाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को मणिपुर दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की। वे मणिपुर के लोगों से मिलने राहत शिविर भी पहुंचे। शाम को उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि मैं तीसरी बार यहां आया हूं। मैंने सोचा था कि ग्राउंड पर काफी सुधार होगा, लेकिन मुझे यह देखकर निराशा हुई कि स्थिति अभी भी वैसी नहीं है, जैसी होनी चाहिए। मैंने शिविरों का दौरा किया और वहां लोगों से उनका दर्द सुना। मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि मणिपुर को जरूरत है कि पीएम यहां आएं और यहां जो हो रहा है उसे समझें और जनता की आवाज सुनें। यहां के लोग और पूरा देश चाहता है कि वह यहां आएं।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं जो भी कर सकता हूं, करने के लिए तैयार हूं। कांग्रेस पार्टी यहां शांति वापस लाने के लिए जो भी कर सकती है, करने के लिए तैयार है। हमने राज्यपाल से बातचीत की और हमने राज्यपाल से कहा कि हम हर संभव तरीके से मदद करना चाहेंगे, हमने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की और कहा कि हम यहां हुई प्रगति से खुश नहीं हैं। मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता, यह मेरा इरादा नहीं है।

दिया भरोसा... जब भी आप चाहें मैं यहां आ सकता हूं

राहुल गांधी ने कहा, मैं समझता हूं कि पूरा मणिपुर दर्द में है, उसे जल्द से जल्द इस पीड़ा से बाहर निकलने की जरूरत है। मैं सभी से शांति के बारे में सोचने, भाईचारे के बारे में सोचने की अपील करता हूं। हिंसा और नफरत से कोई समाधान नहीं निकलने वाला है। इसलिए अगर हम शांति के बारे में सोचना शुरू कर सकते हैं, तो यह मणिपुर के लिए एक बहुत बड़ा कदम होगा। कहा कि कांग्रेस पार्टी और मैं उपलब्ध हैं, जब भी आप चाहें मैं यहां आ सकता हूं। मुझे यहां आकर खुशी होगी और मैं आपकी बातें सुनकर खुश हूं और आपकी मदद करने की कोशिश करूंगा। भारत सरकार और हर कोई जो खुद को देशभक्त मानता है, उसे आगे आना चाहिए और यहां के लोगों को गले लगाना चाहिए। मणिपुर के लोगों से बात करें और मणिपुर में शांति लाएं।

मणिपुर भारतीय संघ के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है

राहुल ने कहा कि मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री यहां आएं, मणिपुर के लोगों की बात सुनें और मणिपुर में क्या हो रहा है, इसे समझने की कोशिश करें। आखिरकार, मणिपुर भारतीय संघ का एक गौरवशाली राज्य है। भले ही कोई त्रासदी न हुई हो, प्रधानमंत्री को मणिपुर आना चाहिए था। मैं प्रधानमंत्री से अपील करता हूं कि वे 1-2 दिन का समय निकालें और मणिपुर के लोगों की बात सुनें। इससे मणिपुर के लोगों को सुकून मिलेगा। उन्होंने कहा मैं यहां एक स्पष्ट संदेश देने आया हूं, मैं ऐसे सवालों का जवाब देने में दिलचस्पी नहीं रखता जो मुद्दे को भटकाने के लिए बनाए गए हैं। मैंने अपना बयान दे दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर भारतीय संघ के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है।

ममता सरकार को सुप्रीम झटका, जारी रहेगी सीबीआई जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से ममता बनर्जी सरकार को झटका लगा है। सरकार ने अदालत से मांग की थी कि कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया जाए जिसमें संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच का निर्देश दिया गया था। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- राज्य सरकार किसी को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है? इसके बाद कोर्ट ने ममता सरकार की अर्जी को खारिज कर दिया।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपने फैसले में संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण-जमीन हथियाने और राशन घोटाले से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई को करने के लिए कहा था। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीबीआई संदेशखली के दबंग शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपों की जांच जारी रखेगी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने ममता बनर्जी सरकार से यह भी जानना चाहा कि राज्य एक व्यक्ति को बचाने में क्यों दिलचस्पी रख रहा है? शाहजहां शेख को फरवरी में बंगाल पुलिस के साथ के बाद सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के एक दिन बाद टीएमसी ने भी शेख को सस्पेंड कर दिया था। अप्रैल में कलकत्ता हाईकोर्ट ने शाहजहां और उसके सहयोगियों के खिलाफ 42 मामलों में सीबीआई जांच का आदेश दिया था। जिसमें राशन घोटाले के आरोप भी शामिल थे।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

अगर परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है तो री-एग्जाम के दे सकते हैं आदेश: सीजेआई

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से बुधवार तक नीट-यूजी पेपर लीक मामले में एफआईआर की जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। मामले की सुनवाई गुरुवार को फिर होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र से सभी सवालों के जवाब देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन सवालों के जवाब के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करने समेत उससे जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कई सवाल उठाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा कि अगर लीक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ है? ये भी देखना होगा की पेपर लिक किस तरह से हुआ है। लॉकर से पेपर कब निकाले गए? परीक्षा किस समय हुई? अगर परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है तो दुबारा परीक्षा के आदेश दे सकते हैं।

सीजेआई ने पूछा कितने एफआईआर दर्ज हुए हैं? एनटीए की तरफ से कहा गया की एक पटना में हुआ है। बाकी याचिकाकर्ता 6 एफआइआर का जिक्र रहे हैं। बाकी जानकारी अगर अदालत चाहे तो हम कल दे सकते है? कोर्ट ने कहा, हम जानना चाहते हैं कि लीक का तरीका क्या है? ये कहां तक फैला है, क्योंकि हम 24 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं। इसमें छात्रों का केंद्र तक आने जाने का खर्च आदि भी शामिल है। एक बात तो साफ है कि पेपर लीक हुआ। इसमें कोई संदेह नहीं है कि परीक्षा की पवित्रता से समझौता किया गया है। लीक की सीमा क्या है? लीक की प्रकृति क्या है, यह हमें पता लगाना होगा। हमें दोबारा परीक्षा का आदेश देते समय सावधान रहना होगा, क्योंकि हम 24 लाख छात्रों के करियर से जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और एनटीए की तरफ से गलत करने वाले और लाभार्थियों पर क्या कार्रवाई की गई है? एनटीए ने कहा कि बिहार मामले में जानकारी ले कर अदालत को बताएंगे।

महिलाओं को पीरियड लीव देने की मांग से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को पीरियड लीव देने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। यह याचिका केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पीरियड लीव देने के लिए नीति बनाने के लिए निर्देश देने के लिए दायर की गई थी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस संबंध में एक मॉडल नीति तय करने के लिए सभी हितधारकों और राज्यों के साथ बातचीत करने को कहा है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पीरियड लीव को लेकर कहा कि यह छुट्टी महिलाओं को वर्कफोर्स का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसे में इस लीव को जरूरी बनाने से महिलाएं वर्कफोर्स से दूर हो जाएंगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकारों को इस पर नीति बनाने की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला सरकार की नीति का पहलू है जिस पर कोर्ट को गौर नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह याचिकाकर्ता को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में सचिव और एएसजी ऐश्वर्या भाटी के सामने अपनी बात रखने की छूट देते हैं। कोर्ट ने सचिव से निवेदन करते हुए कहा कि वह सभी पक्षों से बात करके फैसला लेकर तय करें कि क्या इस मामले में एक आदर्श नीति बनाई जा सकती है।

गया में छापेमारी... भारी मात्रा में नकली दवा बरामद, मचा हड़कंप

केटी न्यूज/गया

गया के फतेह बहादुर शिवाला रोड स्थित जिले की सबसे बड़ी दवा मंडी में नकली प्रोडक्ट के कारोबार की रोकथाम के लिए सक्रिय ब्रांड प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड पटना की कंपनी ने मयंक फार्मा, न्यु सुरभि एजेंसी फार्मा, एमपुल फार्मा हाउस में छापामारी की। इस दौरान नामी गिरामी दवा कंपनी एलकेएम, सिप्ला, हिमालया ब्रांड के दवा पैन - 40 टेबलेट कैमोरल फोर्ट, डिटॉल एंटीसेप्टिक, लीव - 52 कीटों सीप शैम्पू और टेल्मा - 40 व अन्य भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की है। ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी के एमडी सैयद मुस्तफा हुसैन ने बताया कि पहले से सूचना मिल रही थी कि गया के दवा मंडी के कुछ दवा एजेंसी में नकली दवा का कारोबार चल रही है। इसी सूचना के आधार पर असिस्टेंट ड्रग इंस्पेक्टर विजय कुमार के सहयोग से छापामारी कर भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की गई है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में घात लगाए आतंकियों ने किया सेना के वाहन पर हमला, चार जवान शहीद

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों ने एक बार फिर से दस्तक दी है। जिले में ठीक 27 दिनों बाद आतंकियों ने एक और घटना की है। आतंकियों ने सेना के वाहन पर घात लगाकर हमला किया। इसमें सेना के चार जवान शहीद हो गए। हमले के बाद सेना ने इलाके को घेर कर रखा गया है। अतिरिक्त जवानों को मौके पर लगाया गया है। ताकि आतंकियों को भागने का मौका ना लग सके। इससे पहले 11 जून को कठुआ जिले के हीरानगर के सोहल गांव में आतंकी घटना हुई थी। इसमें दो आतंकियों को मार गिराया गया था। जबकि सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हो गया था।

जानकारी के अनुसार, जिला कठुआ के पहाड़ी इलाके कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास हमला हुआ है। सैन्य वाहन पर आतंकियों ने हमला किया। हमला उस समय किया गया जब सेना की टीम इलाके में रूटीन गश्त कर रही थी। अचानक से वाहन पर फायरिंग की गई और ग्रेनेड फेंका गया। इससे चार जवान शहीद हो गए। उसके बाद आतंकी जंगल की तरफ भाग गए। जवानों ने मौका संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की है। इस तरह मुठभेड़ शुरू हो गई है। दोनों ओर से गोलीबारी हुई है। आतंकियों के जंगल में भागने के बाद इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है। माना जा रहा कि आतंकियों की इस इलाके में मौजूदगी है।

उत्तर प्रदेश के दलहन उत्पादन में रिकॉर्ड 36 फीसद की वृद्धि, सुधरेगी गरीबों और जमीन की सेहत

अगले 3 से 4 साल में दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा यूपी

केटी न्यूज/लखनऊ

अगले तीन चार साल में दलहन उत्पादन में उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाएगा। यह योगी सरकार का लक्ष्य है। इस बाबत उनके निर्देश पर किए गए सात साल के नतीजे शानदार रहे हैं। 2016/217 से 2023/2024 के दौरान दलहन उत्पादन में करीब 36% की वृद्धि इसका सबूत है। इस दौरान दलहन का उत्पादन 23.94 लाख मिट्रिक टन से बढ़कर 32.55 लाख मिट्रिक टन हो गया। दलहन का रकबा और प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की मदद से योगी सरकार किसानों का हर संभव मदद कर रही है।

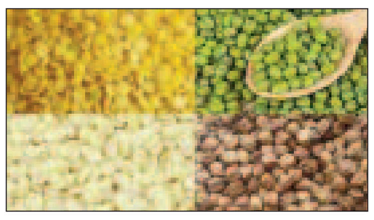

ये है सरकार की कार्ययोजना: प्रदेश में दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए अरहर, उर्द एवं मूँग की कार्य-योजना योगी सरकार द्वारा तैयार कर ली गयी। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 27200 हेक्टेयर फसल प्रदर्शन आयोजित होंगे। इसी क्रम में दलहन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 31553 कुंतल बीज वितरण एवं 27356 कुंतल प्रमाणित बीज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बीज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 14 सीड हब तैयार किए गए हैं। इनके जरिए 21000 कुंतल बीज उत्पादन किया जायेगा।

10500 किसानों में अरहर की उन्नतशील प्रजातियों के: मिनीकिट्स बांटे जाएंगे। इसी तरह पिछले साल की तरह इस साल भी दलहनी के अन्य फसलों मूंग ,उर्द आदि के भी मिनिकिट बांटे जाएंगे। दलहनी फसलों के उत्पादन के बाद बाजार में उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए सरकार ने इन सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही है। किसान इनके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित हों इनके लिए अन्य फसलों की तुलना में हर इनके एमएसपी में भी अधिक वृद्धि कर रही है।

बुंदेलखंड में विकसित होंगे आदर्श दलहन ग्राम: दलहन उत्पादन में अग्रणी बुंदेलखंड के जिलों-बाँदा, महोबा, जालौन, चित्रकूट एवं ललितपुर में आदर्श दलहन ग्राम विकसित किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता राज्य है। पर, अभी उपभोग का आधा ही उत्पादन प्रदेश में होता है। रणनीति के अनुसार तय समयावधि में प्रति हेक्टेयर उपज 14 से बढ़ाकर 16 कुंतल करने का है।

महिला समेत 12 फर्जी सीटीईटी अभ्यर्थी गिरफ्तार, 50 हजार का था सौदा

केटी न्यूज/पटना

दरभंगा में शिक्षक बहाली के लिए सीटीईटी परीक्षा के दौरान पांच परीक्षा केंद्रों से 12 फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार परीक्षार्थियों में 10 पुरूष और दो महिला परीक्षार्थी हैं। पुलिस का कहना है कि ये सभी दूसरे के बदले परीक्षा देने के लिए दरभंगा के परीक्षा केन्दों पर आए थे। जहां बायोमेट्रिक जांच के दौरान अंगूठा मिलान नहीं होने के कारण पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। जानकारी के अनुसार ये12 फर्जी अभ्यर्थी दरभंगा के अलग अलग परीक्षा केन्द्रों से धराये थे। उन परीक्षा केन्द्रों में दिल्ली मोड़ स्थित दरभंगा पब्लिक स्कूल से 2, बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित नोट्रेडम इंटरनेशनल स्कूल से एक, लहेरिया सराय थाना क्षेत्र के एम एल अकेडमी से दो सहित अन्य परीक्षा केंद्र शामिल हैं, जिन्हें गलत तरीके से परीक्षा देते गिरफ्तार किया गया है।

पचास हजार में हुई थी डीलः

गिरफ्तार किए गए फर्जी अभ्यर्थियों से जब पुलिस ने पूछताछ किया तो उनकी पहचान मधुबनी जिला के मधेपुर प्रखंड निवासी

रामप्रसाद यादव के पुत्र मनोज कुमार के रूप में की गई है। आरोपी ने बताया कि वह दरभंगा जिला के सदर थाना क्षेत्र के धोईघाट निवासी रामबाबू मंडल के पुत्र श्रवण कुमार मण्डल के बदले परीक्षा दे रहा था। उसकी श्रवण मंडल से 50 हजार रुपये में डील हुई थी। जिसका पैसा उसे परीक्षा देकर बाहर निकलने पर मिलना था। उसने बताया कि वह इस तरह से परीक्षा में पहली बार बैठा था और जांच के दौरान वह पकड़ा गया है। उसने अपने अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी दी।

बायोमैट्रिक्स से जांच करने के दौरान पकड़ा गयाः बहादुरपुर थाना क्षेत्र के भैरोपट्टी स्थित परीक्षा केंद्र नोट्रेडम इंटरनेशनल स्कूल से भी एक फर्जी अभ्यर्थी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फर्जी अभ्यर्थी औरंगाबाद जिला के दाउदनगर निवासी सोमारू प्रजापति का पुत्र मुकेश कुमार है। वह महेंद्रू पटना निवासी सोनू राजभर के बदले परीक्षा देने आया था। उक्त फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर बायोमैट्रिक्स में जांच के दौरान पकड़ा गया। उसने बताया कि उसकी बातचीत सोनू राजभर से किसी व्यक्ति के द्वारा डील हुई थी, जिसके बदले में उसे पैसे मिलने थे। आवेदक सह केंद्र अधीक्षक हेमंत कुमार के आवेदन पर आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले को लेकर एम एल एकेडमी के केन्द्राधीक्षक ने लहेरियासराय थाना में फर्जी परीक्षार्थी मनोज कुमार एवं असली परीक्षार्थी श्रवण कुमार मण्डल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

एसपी ने बताया 12 हैं आरोपी

दरभंगा, जिले के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि परीक्षा के दौरान अलग-अलग परीक्षा केंद्रों से कुल 12 फर्जी परीक्षार्थी को विभिन्न परीक्षा केंद्रों से गिरफ्तार किया गया है। अन्य की तलाश जारी है।

राजद के कार्यकाल में हुआ है ध्वस्त हो रहे पुलों का निर्माण : ऋतुराज सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने विपक्ष को दी सलाह देते हुए कहा है कि बयानबाजी के बदले करें पॉलिटिक्स फॉर परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि यह सरकार आज गिर जायेगी। कल उनकी बन जायेगी इस तरह की टिप्पणी के बदले अगर विपक्ष जनता के हितों को ध्यान रखकर पॉलिटिक्स फॉर परफॉर्मेंस की नीति के तहत काम करेंगी तो यह बिहार और बिहारवासियों के लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि आज पुल गिरने पर जिस तरह की राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है वह उचित नहीं है। सवाल यह नही है कि किसके कार्यकाल में पुल का टेंडर हुआ था या किसके कार्यकाल में पुल निर्माण हुआ था। सवाल यह जरूरी है कि पुल गिरने के लिए दोषी कौन है। विभाग के किन अफसरों के नेतृत्व में पुल का निर्माण हुआ। जिस एजेंसी को पुल निर्माण का ठेका मिला था। पुल मेंटेंस की जिम्मेवारी किनकी थी। इन पहलुओं की समीक्षा होकर दुबारा इस तरह की घटना न हो इस विषय पर गंभीर होने की जरूरत है।

सीएम नीतीश ने किया हवाई सर्वेक्षण, नदियों के बढ़ते जलस्तर का लिया जाएगा

बाढ़ से बचाव के लिए सभी डीएम रखें अपनी पूरी तैयारी : मुख्यमंत्री नीतीश

- मुख्यमंत्री ने गंडक बराज का किया निरीक्षण दिये आवश्यक निर्देश
- बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग के अधिकारी रहें तैयार

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं गोपालगंज जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। सीएम ने गंडक बराज का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। सीएम ने निरीक्षण एवं समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जल संसाधन विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहे और लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। निचले इलाकों में जहां पानी बढ़ रहा है, संभावित परिस्थितियों पर पूरी नजर रखें। डीएम सतत निगरानी करते रहें। उन्होंने कहा कि अभियंतागण पूरी तरह अलर्ट रहें और वरीय पदाधिकारी स्थल पर कैंप करते रहें। सीएम ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं, जिसका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि नाव संचालन, पॉलिथिन शीट्स, राहत सामग्री की उपलब्धता, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट्स - फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र आदि के संबंध में पूरी तैयारी रखी जाय। ताकि बाढ़ आने पर लोगों को तुरंत राहत पहुंचाया जा सके। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग के अधिकारी और डीएम पूरी तरह अलर्ट रहें। आपदा प्रबंधन विभाग सतत अनुश्रवण करते रहे कि और क्या-क्या करने की जरूरत है। ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो। बाढ़ की स्थिति में प्रभावितों को एसओपी के अनुसार पूरी सहायता उपलब्ध करायी जाय।

ढहते पुल से लेकर सब्जी की महंगाई तक डबल इंजन की सरकार फेल : तेजस्वी

पटना। बढ़ते अपराध, ढहते पुल के बाद अब तेजस्वी ने महंगाई पर डबल इंजन सरकार को घेरा, सब्जियों और खाद्य पदार्थों के दाम बताकर पूछा सवाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अलग-अलग मुद्दों को लेकर डबल इंजन सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। तेजस्वी किसी दिन बढ़ते अपराध तो किसी दिन ढहते पुलों को लेकर सरकार पर हमले बोल रहे हैं लेकिन अब तेजस्वी ने महंगाई को मुद्दा बनाते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी यादव ने सब्जियों और खाद्य सामग्रियों के आसमान छू रहीं कीमतों को बताकर सरकार से सवाल पूछा है। तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने हम आपसे एक सवाल पूछते है। कोई एक सब्जी का नाम बताए जो 45 रुपए किलो से कम हो। आलू, प्याज, टमाटर, भिंडी, हरी मिर्च, गोभी, अदरक, शिमला मिर्च, तुरई, बैंगन, लौकी, धनिया, लहसुन इत्यादि के भाव आसमान छू रहे है। सब्जियों और खाद्य पदार्थों जैसे दाल,चावल, नमक,तेल,घी इत्यादि की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी ने आम आदमी की रसोई का पूरा बजट ही बिगाड़ दिया है। लोगों की थाली से हरी सब्जी गायब हो गई है। पटना में आलू ही 45-50 किलो बिक रहा है। सरकार के कर्ता-धर्ता महंगाई पर बोलने के लिए तैयार ही नहीं है। सरकार प्रायोजित इस महंगाई से ना तो किसानों को फायदा होता है और ना ही आम आदमी को। सरकार द्वारा बिचौलियों को फायदा पहुंचाने के लिए खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की गयी है।

शिवभक्ति में लीन हुये पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व राजद सुप्रीमो के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव का एक वीडियो सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। लोग उन्हें सबसे बड़ा शिवभक्त बता रहे हैं। इससे पहले के पोस्ट में तेजप्रताप यादव ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पर देशवासियों को शुभकामना दी। कहा कि महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर आप सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बलभद्रजी, मां सुभद्राजी व महाप्रभु जगन्नाथजी का आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। अब जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें तेजप्रताप की शिव भक्ति का अनोखा अंदाज देखने को मिल रहा है। वायरल वीडियो में तेजप्रताप शिवलिंग से लिपटे हुए दिख रहे हैं और पुजारी दुग्धाभिषेक कर रहे हैं। तेजप्रताप लिखते हैं कि महादेव परम सत्य के प्रतीक हैं। महादेव को गले लगाने का मतलब सबसे गहरे और सबसे गहन पहलुओं को गले लगाना है। अराजकता के बीच शांति पाना और महादेव को ढूंढना है।

पप्पू यादव ने लालू-तेजस्वी के समक्ष किया सरेंडर, माफी मांग बीमा भारती के लिए वोट मांगने उतरे

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव में लालू और तेजस्वी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने आखिरकार हथियार डाल दिए और पूरी तरह से सरेंडर बोल दिया। पूर्णिया से लोकसभा का टिकट नहीं मिलने पर कल तक लालू-तेजस्वी को पानी पी-पीकर कोस रहे पप्पू यादव जिस बीमा भारती के लिए जनता से वोट मांग रहे हैं और इसके लिए उन्हें हाथ जोड़कर माफी तक मांगना पड़ रही है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में पूर्णिया से कांग्रेस का टिकट हासिल करने के लिए पप्पू यादव ने अपनी पूरी पार्टी को लालू के कहने पर कुर्बान कर दिया था। लालू के इशारे पर पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी को कांग्रेस में विलय कर दिया और खुद अपने बेटे के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। लेकिन, ऐन वक्त पर लालू प्रसाद ने पप्पू यादव को गच्चा दे दिया। वादा करने के बावजूद लालू ने जेडीयू छोड़कर आरजेडी में आईं बीमा भारती को पूर्णिया का टिकट दे दिया। आरजेडी चीफ की इस वादा-खिलाफी से आहत पप्पू यादव ने आखिरकार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पूर्णिया लोकसभा के चुनावी मैदान में उतरे और लालू की कैंडिडेट को हराकर जीत हासिल की। पूरे चुनाव के दौरान एक धूर विरोधी की तरह पप्पू यादव लालू और तेजस्वी के खिलाफ हमले बोलते रहे और बिहार में कांग्रेस की दुर्दशा के लिए लालू को जिम्मेवार बताया।

रूपौली से उपचुनाव की प्रत्याशी हैं बीमा

बीमा भारती के इस्तीफा देने से खाली हुई रूपौली विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में लालू प्रसाद ने फिर से बीमा भारती को ही अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार दिया है। बीते दिनों पप्पू यादव ने आरजेडी के इस फैसले पर सवाल उठाए और किसी निर्दलीय प्रत्याशी को उपचुनाव में अपना समर्थन देने के संकेत दिए। बीमा भारती को अपना समर्थन देने से पप्पू यादव ने खुलकर न तो इनकार किया और ना ही इकरार लेकिन अचानक पप्पू यादव के बोल बदल गए। आखिरकार पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने लालू-तेजस्वी के सामने हथियार डाल दिए और आरजेडी उम्मीदवार बीमा भारती के लिए रूपौली के जनता से वोट मांगने लगे। पप्पू यादव ने बीमा भारती को समर्थन देने का ऐलान किया है।

पूजा के लिए पत्नी मांग रही थी पांच सौ रुपये, पति ने दबा दिया गला

पटना। महज पांच सौ रूपए के लिए पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। यह दर्दनाक घटना बेगूसराय जिले के बखरी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 में हुई। परिजनों के बेटे जन्म होने पर महिला भगवान को साड़ी चढ़ाने के लिए पति से पैसे की मांग कर रही थी। मृतिका की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 निवासी पूजा देवी पति अमित ठाकुर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि पूजा और अमित की की शादी लगभग पांच वर्ष पूर्व हुई थी। अमित ठाकुर सैलून में काम करता है। शादी के बाद पूजा ने एक बेटी को जन्म दिया उसके दो वर्ष बाद पूजा फिर से गर्भवती हुई और इसबार हुआ। बेटे के जन्म के लिए पूजा ने भगवान से मन्नत मांगी थी। जिसे पुरा करने के लिए पति से साड़ी खरीदने के लिए पैसे मांगती तो वह बार-बार इनकार कर देता। जिसको को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद हो जाता था।

आज तक बिरहोर जनजाति के लोगों की सामाजिक दशा में सुधार नहीं हो सका

बिहार-झारखंड की सीमा पर बसे बिरहोर जनजाति का सर्वे करने पहुंची नीति आयोग की टीम, उत्थान की जगी आस

- सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं पर किया गया फोकस
- सरकार ने 15 वर्ष पहले महज एक दर्जन परिवारों को दिया था इंदिरा आवास का लाभ

केटी न्यूज/पटना

गया में बिरहोर जनजाति के लोगों में जगी उम्मीद, नीति आयोग की टीम पहुंची सर्वे करने आजादी के 77 साल के बाद भी आज तक बिहार-झारखंड की सीमा पर फतेहपुर प्रखंड के गुरपा में निवास करने वाले बिरहोर जनजाति के लोग समाज की मुख्य धारा में नहीं जुड़ सके हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार इन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कदम नहीं उठा रही है। लेकिन, जागरुकता की कमी कहें या अधिकारियों में इच्छा शक्ति की कमी। आज भी बिरहोर जनजाति के लोगों की सामाजिक दशा में सुधार नहीं हो सका है। हालांकि, सोमवार को नीति आयोग के सलाहकार सुधेन्दु जे. सिन्हा द्वारा इस टोले का दौरा किए जाने के बाद इस जनजाति से जुड़े लोगों में विकास की एक आस जगी है। सोमवार को निरीक्षण के दौरान नीति आयोग के सलाहकार सिन्हा ने बिरहोर टोला में पहुंचकर उनकी मूलभूत समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान टोले के लोगों ने उनसे सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इस टोले में बिरहोर जनजाति के 20 परिवारों के करीब 75 लोग निवास करते हैं। सरकार उनके उत्थान के लिए चाहे जो भी दावे कर ले। लेकिन, हकीकत यही है कि ये आज भी फाकाकशी की जिंदगी जीने के लिए विवश हैं। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज तक इस गांव में लोगों के लिए न तो स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध है और न ही शौचालय की। बिना दरवाजे के जर्जर आवास में रहने को मजबूर हैं लोग गांव के करीब डेढ़ दर्जन परिवारों को सरकार द्वारा करीब 15 वर्ष पहले इंदिरा आवास की सुविधा प्रदान की गई थी। लेकिन, प्रशासन द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए गए मकानों में आज तक न तो प्लास्टर हुआ है। न ही मकानों में दरवाजे और खिड़कियां ही लगाई गई हैं। बिरहोर जनजाति के विकास के लिए काफी काम करने की जरुरत : सिन्हा बिरहोर जनजाति के विकास के लिए सरकार द्वारा काफी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। पिछले दिनों यहां भी काफी कुछ किया गया है। लेकिन, अब भी इनके विकास के लिए काफी कार्य किए जाने की जरूरत है।

कवायद तेज: जिले के 11 प्रखंडों के 51 पंचायतों को बनाया जाएगा टीबी मुक्त, हुआ चयन

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम को लेकर जिले को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इस क्रम में जिला प्रशासन और जिला यक्ष्मा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम को बल दिया जा रहा है।

जिसके तहत टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम के लिए जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिले के प्रखंडों में 51 पंचायतों का चयन किया गया है। जिनको टीबी मुक्त बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। साथ ही, इन चयनित पंचायतों के टीबी मुक्त होने

- ♦ डीएम के निर्देश पर आठ प्रखंडों के 10 अस्पतालों को दिया जाएगा ट्रू-नॉट मशीन, होगी सहूलियत

के बाद जिले के सभी पंचायतों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए जिला यक्ष्मा कार्यालय द्वारा रणनीति तैयार कर ली गई है।

इस संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग के निदेर्शानुसार जिले को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाएगी। तय मियाद में जिले को हर हाल में टीबी मुक्त

बनाया जायेगा। फिलवक्त जिले के तीन पंचायतों जासो, कमरपुर एवं सरेंजा पंचायत को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। जिसके लिए उक्त पंचायतों को सम्मानित भी किया जा चुका है। अब आगामी दो सालों तक तीनों पंचायतों की मॉनिटरिंग की जाएगी। जिसके बाद 2024-25 व 2025-26 उक्त तीनों पंचायतों में टीबी मुक्त पंचायत के कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

51 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि 11 प्रखंडों में 51 पंचायतों का चयन टीबी मुक्त बनाने के लिए किया गया है। जिनमें सदर प्रखंड के उमरपुर, जगदीशपुर, नदांव, करहंसी व बरूना पंचायत शामिल हैं। चौसा प्रखंड का चुन्नी, पवनी व डिहरी पंचायत के अलावा राजपुर प्रखंड का हरपुर, मंगरांव, डल्फा, खिरी, रसेन व मटकीपुर पंचायत शामिल हैं। इटाढ़ी प्रखंड का हिकमपुर, हरपुर-जयपुर, बिक्रम इंग्लिश, लाखनडिहरा एवं धरहरा पंचायत का चयन किया गया है। वहीं, केसठ प्रखंड के केसठ, कतिकनार व रामपुर के साथ चौगाई प्रखंड के खेवली, मसढीया एवं चौगाई के अलावा नावानगर प्रखंड के भटौली, परमानपुर, वैना, कड़सर, भदार व बेलहरी पंचायत का चयन किया गया है। डुमरांव प्रखंड का सोंवा, नंदन, कुशलपुर, लाखनडिहरा एवं धरहरा पंचायत के साथ साथ सिमरी प्रखंड के आशा पड़री, गंगौली, बड़का सिंहनपुरा, परसनपाह एवं सहियार पंचायत चयनित है। साथ ही, ब्रह्मपुर प्रखंड के भदवर, बराढ़ी, एकरासी, कैथी, गायघाट, योगिया, दक्षिणी व उत्तरी नैनीजोर के साथ चक्की प्रखंड के अरक, चंदा एवं जवही दीयर पंचायत का चयन किया गया है।

सभी प्रखंडों में लगाया जाएगा ट्रू-नॉट मशीन : जिला यक्ष्मा कार्यालय के डीपीसी कुमार गौरव ने बताया कि जिले में चयनित प्रखंडों के पंचायतों में टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस क्रम में जिले के सभी प्रखंडों के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को ट्रू-नॉट मशीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए आठ प्रखंडों के 10 अस्पतालों का चयन किया गया है। जिसमें इटाढ़ी पीएचसी, चौसा पीएचसी, चौसा एपीएचसी (सरेंजा), राजपुर सीएचसी, नावानगर सीएचसी, केसठ पीएचसी, चक्की पीएचसी, डुमरांव पीएचसी, चौगाईं पीएचसी के अलावा प्रतापसागर स्थित मेथोडिस्ट अस्पताल को मशीन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ संबंधित अस्पतालों को ट्रू-नॉट मशीन की आपूर्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा जिला मुख्यालय में सीबी-नॉट के अलावा शेष प्रखंडों में ट्रू-नॉट मशीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि फिलवक्त जिले की सभी आशा को अपने पोषक क्षेत्र से टीबी के संदिग्ध मरीज को जांच के लिए अस्पताल भेजने के लिए निर्देशित किया गया। इस क्रम में मरीज में टीबी की पुष्टि होने पर प्रति मरीज 500 रुपए की दर से भुगतान किया जायेगा।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई कार्यान्वयन समिति व जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक

डुमरांव अनुमंडल अस्पताल की साफ-सफाई में लगी एजेंसी पर करें कार्रवाई: प्रभारी मंत्री

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग तथा विधि विभाग के मंत्री सह बक्सर के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित हुई। सबसे पहले प्रभारी मंत्री के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में पौधा लगा कर पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इसके बाद अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में कार्यरत साफ-सफाई की एजेंसी के द्वारा बरती जा रही अनियमितताओं के संबंध में प्रभारी मंत्री ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अपर समाहर्ता विभागीय जांच बक्सर के जांच प्रतिवेदन के आलोक में संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही 48 घंटों के अंदर अद्यतन प्रगति का प्रतिवदेन से विभाग को अवगत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सिविल सर्जन को सरकारी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव को बढ़ाने के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने निजी एवं गैर सरकारी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव के आंकड़ों की प्रविष्टि पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करेंगे। अवैध रूप से कार्यरत चिकित्सकों के विरूद्ध कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। साथ

- ♦ संस्थागत प्रसव का प्रतिवेदन हर माह उपलब्ध कराने का दिया निर्देश
- ♦ जलजमाव की समस्याओं का निदान नहीं होने पर जताई नाराजगी
- ♦ कृषि फीडर में विद्युत आपूर्ति करें सुनिश्चित

ही, प्रत्येक माह को संस्थागत प्रसव का प्रतिवेदन प्रभारी मंत्री को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

जनप्रतिनिधियों को देनी होगी किसान चौपाल की पूर्व सूचना : प्रभारी मंत्री नीतीन ने जिला कृषि पदाधिकारी को किसान चौपाल के आयोजन के संबंध में संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को पूर्व में इसकी सूचना देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसान चौपाल कार्यक्रम धरातल पर उतरना चाहिए, तभी किसानों को इसका लाभ मिलेगा। साथ ही कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि कृषि कार्य के लिए कृषि फीडर के माध्यम से विद्युत आपूर्ति कराना सुनिश्चित करेंगे। जबकि कार्यपालक अभियंता गंगा पम्प नहर चौसा को निर्देशित किया गया कि खेतों में सिंचाई के लिए आखिरी छोर तक पानी की उपलब्धता यथाशीघ्र करायेंगे।

बैठक में मंचासीन प्रभारी मंत्री, सदर विधायक, राजपुर विधायक, जिलाधिकारी, एसपी व अन्य।

सभी ईओ को जलजमाव से मुक्ति दिलान का दिया निर्देश

प्रभारी मंत्री ने जलजमाव की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सभी नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी को यह निर्देश दिया गया कि नगर निकाय क्षेत्र में साफ-सफाई कार्य एवं जलजमाव से निदान को प्राथमिकता के तौर पर लेंगे। उन्होंने कहा कि बरसात में जलजमाव की समस्या बढ़ जाती है। जिससे आम जनता को परेशानी होती है। जबकि साफ-सफाई ठीक से नहीं होने पर लोगों को बरसात के इस मौसम में सड़ांध का सामना करना पड़ सकता है तथा इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना रहता है।

आयुष्मान कार्ड बनाने पर दिया जोर : बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि वंचित योग्य लाभुकों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने के लिए ज्यादा से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करेंगे। इस संबंध में जिला आपूर्ति पदाधिकारी को भी आवश्यक सहयोग प्रदान करने को कहा। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत जरूरतमंदों को विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ देना सरकार की प्राथमिकता है। इस संबंध में सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग को निदेशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर लक्ष्य का पुर्ननिर्धारण करते हुए प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करेंगे।

डीईओ से स्कूलों में मुलभूत सुविधाओं को परखने को कहा : प्रभारी मंत्री ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को जिले के सभी विद्यालयों का निरीक्षण कराते हुए उसमें मूलभूत सुविधाओं जैसे शौचालय, पेयजल, बेंच डेस्क, चाहरदिवारी इत्यादि की उपलब्धता को परखने तथा इस संबंध में प्रतिवेदित देने को कहा। साथ ही सभी विद्यालयों में मुलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

अधिक से अधिक पौधरोपण पर दिया बल : जल जीवन हरियाली अभियान अंतर्गत जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में वन प्रमण्डल पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त बक्सर को निर्देश दिया गया कि जिला अंतर्गत सघन पौधरोपण करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी सार्वजनिक आहर, तालाब एवं पईनों को अतिक्रमण मुक्त करते हुए उनका जीर्णोद्धार करना सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री ने की बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ की पूजा

डुमरांव। प्रभारी मंत्री सह नगर विकास व आवास विभाग के मंत्री नीतीन नवीन का डुमरांव व अनुमंडल क्षेत्र में जमकर स्वागत हुआ। प्रभारी मंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश का चौतरफा विकास हो रहा है। जिले के डुमरांव, रघुनाथपुर और चौसा रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जीर्णोंधार करने की बात हो, जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की बात हो या फिर नावानगर को स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाने की। वहीं, प्रभारी मंत्री ने बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदीर में पूजा अर्चना की। वहीं, भाजपा नेता शम्भू नाथ पांडेय ने ब्रह्मपुर और बक्सर से सम्बंधित मांग पत्र सौंपा। जिसमें ब्रह्मपुर मुख्य मंदिर मार्ग व नगर पंचायत के जल-जमाव की समस्या से निदान, ब्रह्मपुर मंदिर स्तिथ शिवगंगा सरोवर व बक्सर रामरेखा घाट पर गंगाआरती को सरकारी स्तर पर करने, ब्रह्मपुर में बाईपास रोड की मांग, बक्सर के अलावा केशोपुर व नैनीजोर में गंगा तट पर विधुत शवदाह-गृह, नैनीजोर गंगा तट पर नमामि गंगे के तहत स्थायी घाट का निर्माण, ब्रह्मपुर में 100 बेड के अस्पताल का निर्माण, ब्रह्मपुर में स्नातक स्तर के कॉलेज आदि मांग शामिल हैं।

खाना बनाने के दौरान गैस चूल्हे में लगी आग से महिला झुलसी, इलाजरत

केटी न्यूज/राजपुर

थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव में खाना बनाने के दौरान गैस का रिसाव हो जाने से झोपड़ीनुमा घर में आग लग गई। जहा इसकी चपेट में महिला मंजू देवी बुरी तरह से झुलस गई। जिसे आनन-फानन में परिजनों द्वारा इलाज के लिए राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना रविवार की देर शाम की है।

मिली जानकारी के अनुसार अकबर पुर गांव निवासी सुनील नोनिया की पत्नी मंजू देवी देर शाम परिवार के लिए खाना बनाने गई थी। जहा इसके लिए वह चूल्हे जलाना चाहा, गैस रिसाव होने से घर मे आग लग गई। वह कुछ समझ पाती तब तक झोपड़ी नुमा घर भी धधकने लगा। आग पूरे घर में फैल गया, चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे पास पड़ोस के लोगों ने आग बुझाया। इस दौरान मंजू देवी बुरी तरह से झुलस गयी। घर में रखा गया कपड़ा, अनाज एवं कई आवश्यक सामान भी जलकर बुरी तरह से राख हो गया। महिला को इलाज के लिए सीएचसी राजपुर में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वही घटना की सूचना पर पहुंचे मुखिया पति राजेश सिंह ने परिवार के सदस्यों को ढांढस देते हुए सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है।

कृष्णाब्रह्म के युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के बड़का ढकाइच गांव के एक युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आकर हो गयी। घटना डुमरांव रेलवे स्टेशन से एक किलोमीटर दूर पोल संख्या 642 स्थित एकदरवा पुल के समीप घटी। मृतक की पहचान राजगृह पाल के बेटे रामकुमार पाल (35) के रूप में हुई हैं।

हादसे की खबर जैसे ही परिजनों को मिली वो रोने-बिलखने लगे तथा स्थानीय स्टेशन के लिए रवाना हो गये। वहीं, दूसरी ओर घटना को लेकर बताया जाता है कि युवक सोमवार की सुबह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। आसपास के लोगों द्वारा इसकी सूचना जीआरपी पुलिस व रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह को दी गयी। सूचना मिलते ही वह घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर उसकी पहचान करने में जुट गई।

डुमरांव में उपभोक्ताओं ने राशन लेने से किया इन्कार, एमओ से की शिकायत

केटी न्यूज/डुमरांव

सरकारी राशन के दुकानों में चालू माह में जो गेहूं व चावल की आपूर्ति की गई है, उसमें मिलावट की शिकायत उपभोक्ताओं द्वारा की जा रही है। अनाज में कंकड़ और मिट्टी मिलने के कारण उपभोक्ताओं द्वारा दुकानदारों का बूरा-भला कहा जा रहा है। इधर दुकानदार भी इस तरह के आनाज में मिलावट होने से काफी परेशान हैं। कई उपभोक्ता तो अनाज का तौल कराकर नहीं लिये। दुकानदारों की इस तरह की शिकायत किये जाने से सभी उपभोक्ता एलर्ट हो गए हैं। इसको लेकर सभी एकजुट होने लगे हैं।

वहीं, दूसरी ओर सावन माह में कई पूजा का आयोजन होता है। लिहाजा लोग घरों में पकवान बनाते हैं। इधर गेहूं चावल में मिलावट

होने के कारण उपभोक्ता काफी परेशान है। इस संबंध में जब एमओ बिजय कुमार तिवारी से बात की गई तो उन्होंने बताया की एक-दो डीलर के द्वारा मिलावट की शिकायत मिली है। गोदाम में गिरे अनाज को बोरा में भरते समय कंकड़ चला गया होगा। सभी से कहा गया है कि मिलावटी अनाज को सुरक्षित रखने के लिए कहा गया है।

रामरेखा घाट पर उमड़ी मुंडन कराने वाले श्रद्धालुओं की भीड़

पूरे उत्साह के साथ श्रद्धालुओं ने कराया मुंडन

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को बक्सर के रामरेखा घाट पर मुंडन कराने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। अहले सुबह से दोपहर तक श्रद्धालु उमड़े रहे। इस दौरान पूरे वैदिक विधान व परंपरागत तरीके से बच्चों का मुंडन किया गया। बच्चों का मुंडन कराने से पहले श्रद्धालु मां गंगा की पूजन कर रहे थे। धार्मिक एवं पौराणिक महता को लेकर रामरेखा घाट पर मुंडन संस्कार को लेकर काफी संख्या में लोग पहुंचे थे। यह इस सीजन का मुंडन का अंतिम समय होने के कारण सुबह से ही अप्रत्याशित भीड़ जुट गई थी। इस दौरान न केवल

जिले से बल्कि अन्य जिलों के साथ ही समीप के उत्तर प्रदेश से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।

वहीं रामरेखा घाट पर पूरे दिन मुंडन संस्कार एवं मनौती को लेकर लोग आते जाते रहे। मान्यता है कि यहां मुंडन व तनाव करने से बच्चें दीघार्यु होते हैं। हालांकि लोगों की अधिक संख्या में पहुंचने के कारण दोपहर तक जाम से लोगों को परेशान होना पड़ा। नगर के बाईपास रोड से गोलंबर तक वाहनों का जाम लग गया था। वीर कुंवर सिंह चौक से रामरेखा घाट की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। वही रामरेखा घाट के मुख्य गेट से घाट पर जाने वाले सड़क पर दोपहिया वाहनों का प्रवेश भी रोक दिया गया था। बता दें कि मुंडन संस्कार जीवन के 16 संस्कारों में शामिल है। हालांकि गंगा का जल स्तर बढ़ गया है। जिस कारण श्रद्धालुओं को सावधानी बरतनी पड़ी तथा उन्हें मुंडन कराने में परेशान होना पड़ा। मुंडन संस्कार के दौरान भारी भीड़ उमड़ने से प्रशासनिक तैयारिया नाकाफी साबित हो गई थी। लेकिन, श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं देखने को मिली। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से रामरेखा घाट पर तिलभर भी जगह नहीं बची थी। जबकि नाव संचालकों की चांदी कट रही थी। मुंडन संस्कार को लेकर दोपहर तक शहर के विभिन्न इलाके गुलजार रहे।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ खोला गया नैनीजोर का पीपा पुल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

गंगा का जल स्तर बढ़ना शुरू हो गया है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही नैनीजोर के बिहार घाट पर बना पीपा पुल खोल दिया गया है। अब गंगा नदी के उस पार जाने वाले यात्रियों से लेकर किसानों को नावों के सहारे जोखिम भरी जिंदगी के साथ गंगा पार करना होगा।

वहीं, विभिन्न वाहनों से यातायात करने वाले अब बलिया सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जगहों एवं शहरों में जाने वाले को काफी खर्च और अधिक समय के साथ बक्सर के गंगा नदी पर बने सेतु तथा उत्तर प्रदेश बेयासी के गंगा नदी पर बने सेतु के रास्ते यात्रा करनी

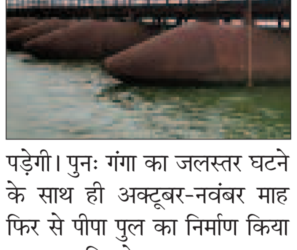

पड़ेगी। पुनः गंगा का जलस्तर घटने के साथ ही अक्टूबर-नवंबर माह फिर से पीपा पुल का निर्माण किया जाएगा। जिसके बाद आवागमन फिर से शुरू किया जाएगा।

बता दें कि यह पुल दियारा वासियों के लिए वरदान साबित होता है। हर दिन हजारों लोग इस पुल से बलिया आया जाया करते थे। लेकिन, पुल खुलने से उन्हें अब परेशान होना पड़ेगा।

एक नजर

चौसा में घरेलू महिलाओं ने लगाए 100 पौधे पर्यावरण सुरक्षा का दिया संदेश

बक्सर। भयावह प्राकृतिक प्रकोप व जलवायु परिवर्तन को देखते हुए पर्यावरण सुरक्षा को लेकर अब गृहणी व घरेलू महिलाएं भी जागृत हो चुकी है। साथ ही लोगों को जागरूकता संदेश भी दे रही है। इसका नजारा सोमवार को देखने को मिला जहा चौसा बाजार के कुशवाहा टोली से दर्जनों से ऊपर महिलाओं ने प्राकृतिक सुरक्षा को लेकर पौधरोपण की गई। इस दौरान अपने मुहल्ले से पौधा लेकर जनजागरूकता संदेश देते हुए एक किलोमीटर दूर गंगा पम्प के नरबतपुर माइनर के समीप गई। उनके साथ कुछ पुरुष सदस्य भी शामिल रहे। जहा सैकड़ों फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। उस दौरान महिलाओं ने हरित क्रांति का जन संदेश भी दिया। ग्रामीण जयकिशोर ने बताया कि यह हरित क्रांति का उत्सव घर के एक सदस्य रविप्रकाश का जन्मदिन के मौके पर किया गया। इस बार परिवार के सदस्यों ने निर्णय लिया कि क्यो? न जन्मदिन महोत्सव कुछ अलग किया जाय। पौधारोपण कर जन्मदिन का उत्सव और भी बेहतर हो गया। इस कार्य मे मुहल्ले की महिलाएं भी शामिल रही। गृहणी रंभा देवी ने कहा दिन-प्रतिदिन प्राकृतिक आपदा व जलवायु परिवर्तन दिन प्रतिदिन बदलता जा रहा है इन सबके पीछे हम खुद जिम्मेदार है, अगर हर लोग एक दो पौधे लगाए व संरक्षित करे, तो फिर से वह पुराने मौसम व दिन वापस लौट आएंगे। इस मौके पर 101 पौधा लगा जन्मदिन की खुशियों को दुगुना कर दिया। इस कार्यक्रम में शामिल बृज किशोर कुमार, राहुल कुमार, सिंधु कुमारी, गीता कुमारी, बिनीति कुमारी, अमृता कुमारी, रंभा देवी, जानकी देवी, सुमित्रा कुमारी, उमेश सिंह आदि अन्य महिलाएं शामिल रही।

मांगों को लेकर संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन, फेशियल अटेंडेंस का किया विरोध

डुमरांव। जीएनएम और सीएचओ कर्मचारियों ने डुमरांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य कार्यालय प्रवेश द्वार के समक्ष प्रदर्शन कर सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। बता दें कि बिहार स्वास्थ्य विभाग ने हाल ही में एक आदेश जारी किया, जिसमें नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत कार्यरत एएनएम, जीएनएम और सीएचओ कर्मचारीयों को फेस एप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। ऐसा नहीं करने पर कर्मचारियों की सैलरी काटी जाएगी। इसी आदेश के विरोध में संविदा पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने पीएचसी कार्यालय के समक्ष एएनएम, जीएनएम और सीएचओ कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। धरना-प्रदर्शन में शामिल संविदा कर्मी के अनुसार संविदा पर बहाल जीएनएम, सीएचओ, एएनएम को एफआरएएप के द्वारा अटेंडेंस बनाने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समान कार्य समान वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है, जो कि हम एनएचएम कर्मी के प्रति विभाग का भेदभावपूर्ण रवैया है। ऊपर से विभाग द्वारा फेशियल अटेंडेंस भी सिर्फ एनएचएम कर्मियों को बनाने का आदेश दिया गया है। हम सभी एनएचएम कर्मी विभाग के इस भेदभावपूर्ण फैसले का विरोध करते है। इस मांग को लेकर आवश्यक कदम नहीं उठाये जाने पर आगामी कार्यदिवसों में कार्य का बहिष्कार करने की बात कही है। प्रदर्शन के पश्चात मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि क्षेत्र में कार्य करने के दौरान उनलोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य सेंटरों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। बिजली, पानी, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं का आभाव है। वहीं कई जगह पीएचसी या एपीएचसी बना भी नहीं है, जिसके कारण क्षेत्र में भ्रमणशील रहना पड़ता है। 5 से 10 किलोमीटर पैदल चलकर ग्रामीण क्षेत्र के सेंटरों पर जाना पड़ता है। इस दौरान काफी समस्या भी होती है। बताया कि दूर दराज क्षेत्र रहने के चलते स्थायी ठिकाना नहीं रहने से वापस लौटने में देर भी हो जाती है। इसके अलावे समान काम समान वेतन देने, समय पर वेतन देने, ऑनलाइन कार्य का अलग से भुगतान सहित अन्य मांग भी की गई।

सड़क पर उभरे गड्ढों में डाला गया ईट का टुकड़ा बना खतरनाक, लोग हो रहे जख्मी

डुमरांव। डुमरांव नगर परिषद द्वारा बरसात में शहर की मुख्य सड़क स्टेशन रोड के कई जगहों पर उभरे बड़े-बड़े गड्ढो में ईंट का टुकड़ा डाला गया। जिससे स्थानीय लोगों को जलजमाव व कीचड़ से निजात मिल सके। लेकिन ईंट के टुकड़ा डालने के बाद स्थिति खतरनाक बन गई। ईंट के टुकड़ो को न तो ठीक से समतल किया गया और नहीं उसपर राबिश ही डालकर रोलर चलाया गया। जिससे कीचड़ व दुर्घटना से बचाव हो सके। नप को राबिस डालवाने की शिकायत की गयी। लेकिन, इसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार कहीं भी रोलर चलाकर उसे समतल नहीं किया गया। जिसके कारण बाइक सवार असंतुलित होकर गिर रहे हैं। वहीं पैदल लोग भी ईंट की ठोकर से जख्मी होने लगे हैं। पैदल यात्री तो किसी प्रकार पार कर जाते हैं, लेकिन बाइक सवार का गिरना सुनिश्चित होता है। हालांकि इसके लिए शिकायत भी की गई लेकिन तत्काल इस समस्या के लिए कोई पहल नहीं की गयी है। लोगों ने बताया कि नप द्वारा सड़क पर ईंट डालने पर कुछ खुशी थी, राहत की आश थी। लेकिन स्थिति और अधिक खराब हो गया है। उन्होंने बताया कि सड़क भले ही जर्जर थी, जलजमाव होता था। लेकिन किसी प्रकार बाइक से आवागमन कर रहे थे। ऐसी स्थिति में लोगों का नप के प्रति गुस्सा फूट रहा हैं।

कार्रवाई : डीआईजी की अनुशंसा पर एसपी ने चार थानेदार को किया लाईन क्लोज

बालू के अवैध उत्खनन व कांड के पदार्फाश में शिथिलता बरतने पर चार थानेदार लाइन क्लोज

- हटाए गए अफसरों के बदले चारों थानों में भेजे गये नये थानाध्यक्ष
- डीजीपी के स्तर से बेहतर पुलिसिंग के लिए लिया गया निर्णय

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में क्राइम कंट्रोल करने के उद्देश्य से एसपी प्रमोद कुमार ने सोमवार को क्राइम मीटिंग के दौरान चार थानेदार को हटा दिया है। एसपी ने उक्त कार्रवाई बालू के अवैध खेल में लापरवाही और कांड के पदार्फाश में शिथिलता बरते जाने पर की। लगातार मिल रही शिकायतों और एसडीपीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी प्रमोद कुमार यादव ने चारों थानाध्यक्षों को लाइन क्लोज कर दिया है। इसके अलावा, लाइन क्लोज किए गए थानेदार की जगह पर नए थानेदार की भी तैनाती कर दी गई है। इसमें तीन इंस्पेक्टर रैंक एवं एक दारोगा रैंक के अफसर को जगह मिली है।

डीआईजी नवीन चंद्र झा के अनुमोदन पर चारों थानों में नये थानाध्यक्ष की पोस्टिंग भी कर दी गई। जिन थानाध्यक्षों पर गाज गिरी है, उनमें सिकरहटा थानाध्यक्ष रौशन कुमार, इमादपुर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार, अजीमाबाद थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार और चांदी थानाध्यक्ष अनिल कुमार शामिल हैं। इन अफसरों के बदले चारों थानों में नये थानाध्यक्ष भेजे गये हैं। इनमें सदर सर्किल इंस्पेक्टर राकेश कुमार रौशन को चांदी थाना, यातायात थानाध्यक्ष नसीम खां को अजीमाबाद थाना, पुलिस केन्द्र में पदस्थापन की प्रतीक्षा में बैठे इंस्पेक्टर सुनीत कुमार सिंह को इमादपुर और जगदीशपुर सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन को सिकरहट्टा का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

सतर्कता रखने के साथ निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश : डीजीपी बिहार के द्वारा कांड निस्तारण हेतु तथा थाना स्तर पर बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया इसकी अतिरिक्त आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर ज्यादा सतर्कता रखने के साथ-साथ निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया अवैध बालू खनन और परिवहन के क्षेत्र में कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया गया तथा लंबित विनष्टिकारण को तेजी से संपन्न करने हेतु निर्देशित किया गया। अवैध शराब के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया तथा कुछ थाना अध्यक्ष के द्वारा बेहतर कार्य करने के कारण उनका पुरस्कृत भी किया गया और खराब परफॉर्मेंस करने वाले थाना अध्यक्षों को चेतावनी दिया गया कि आगे से बेहतर कार्य करें अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी क्योंकि आज ही कर थाना अध्यक्ष इमादपुर अजीमाबाद चांदी और सिकरहटा को खराब काम करने क्षेत्र में नियंत्रण नहीं रखना और अवैध बालू खनन और अवैध शराब के खिलाफ बेहतर कार्य नहीं करने और लगातार लापरवाही करने के कारण लाइन क्लोज कर लिया गया तथा वहां पर नए थाना अध्यक्ष की पोस्टिंग की गई।

पिरो एसडीपीओ के प्रतिवेदन जमा करने के बाद की गई कार्रवाई

पिरो एसडीपीओ राहुल सिंह के प्रतिवेदन पर ये कार्रवाई की गई है। सिकरहटा थानाध्यक्ष से हटाए गए दारोगा रौशन कुमार पर अपराध पर नियंत्रण नहीं करने एवं सीएसपी संचालक से नकदी लूटे जाने के प्रयास में गोली मारे जाने की घटना का उद्भेदन करने में शिथिलता बरते जाने पर कार्रवाई की गाज गिरी है। इसी तरह, इमादपुर थानाध्यक्ष से हटाए गए दारोगा सुशांत कुमार पर अवैध बालू भंडारण रोकने में लापरवाही एवं फायरिंग के मामले में प्राथमिकी नहीं किए जाने पर गाज गिरी है। इसके अलावा, अजीमाबाद थानाध्यक्ष से हटाए गए दारोगा ब्रजेश कुमार पर बालू परिवहन कर रहे वाहनों को पीछा कर दूसरे थाना की सीमा में जाने और पुलिस पर पथराव होने से विभाग की छवि धूमिल होने पर गाज गिरी है। एसपी ने पीरो डीएसपी को प्रतिवेदन समर्पित करने का आदेश दिया था। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि इन थानाध्यक्षों के खिलाफ कार्यों में लापरवाही की लगातार शिकायतें मिल रही थी। कुछ गंभीर कांडों के उद्भेदन और अपराधियों की गिरफ्तारी में भी चारों थानाध्यक्ष विफल रहे हैं। इसे लेकर चारों से शोकॉज किया गया था। संतोषजनक जबाव नहीं देने पर चारों को लाइन क्लोज कर दिया गया। इसके बाद डीआइजी के अनुमोदन पर नये थानाध्यक्षों की पोस्टिंग भी कर दी गई है। जून महीने के सभी आंकड़ों की समीक्षा की गई इसके साथ ही गिरफ्तारी पर ज्यादा जोर देने की जरूर को निर्देशित किया गया कांड के निस्तारण की अच्छी स्थिति थी और ज्यादा निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया।

एक नजर

वार्ड में सफाई नहीं होने से वार्डवासी परेशान

आरा। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 44 में साफ सफाई को लेकर नगर पालिका द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वार्ड के मोहल्लों की गलियों व नालियों में गंदगी बजबजाने लगी है। गंदगी से उठने वाली बदबू से लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो गया। वार्डवासी सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम से शिकायत भी कर चुके हैं। जिसके बाद भी वार्ड का हाल जस का तस है। एक ओर नगर को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए नगर पालिका द्वारा जोर-शोर से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है तो दूसरी ओर शहर में गंदगी से लोग परेशान हो रहे है। स्वच्छता कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। मामला नगर निगम क्षेत्र के अनाईठ शिक्षक कॉलोनी की है। जहां मोहल्ले के लोग लंबे समय से गंदगी व मच्छरों के प्रकोप का शिकार हैं। गंदगी के कारण नालियों का पानी सड़क पर आ जाता है। जिसके कारण आवागमन में भी लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में नगर पालिका व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया है। मोहल्ले वासीयो ने बताया कि मोहल्ले के कई स्थानों पर गंदगी के ढेर पड़े हुए हैं और सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। पिछले एक वर्ष में नगर पालिका से एक भी सफाई कर्मी मोहल्ले में नहीं आया है। बरसात के दिनों में जलभराव के करण यह गंदगी घरों में घुस जाती है, लोगों ने निर्णय लिया कि जल्द ही इस समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो मोहल्ले वासी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

फर्जी अपहरण का पुलिस ने किया खुलासा

बिक्रमगंज। विकलांग के अपहरण मामले एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार को खुलासा किया है। एसडीपीओ ने बिक्रमगंज थाना परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता बताया कि सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के कर्मा गांव का विकलांग दीपू कुमार घर से कृत्रिम पैर की मरम्मति कराने को कह कर पटना गया। और अपने को अपहत बता परिजनों से पैसे की मांग कर रहा था। कर्मा निवासी विकलांग के भाई सोनू सिंह पिता स्व. धरमु यादव सूर्यपुरा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि उसका छोटा भाई दीपू कुमार जो पैर से विकलांग है। अपने कृत्रीम पैर की मरम्मति के लिए पटना जाने की बात कह घर से निकला जो लौटा नहीं। और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। और व्हाट्स कॉलिंग में आवाज बदलकर बात हो रही है और 2.50 लाख रुपए मांग करते हुए लड़का को छोड़ देने की बात बोली जा रही है। वहीं, मोबाइल पर मैसेज लिखकर के पैसा की मांग की जा रही है। कांड की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय की अध्यक्षता में जिला सूचना ईकाई टीम तथा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, सहायक अवर निरीक्षक दीप प्रकाश के साथ संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी अनुसंधान से फर्जी अपहत को झारखंड प्रदेश केक कोडरमा स्टेशन से झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के दिव्यांग बोगी से रविवार को बरामद कर लिया। बरामद अपहत दीपू कुमार द्वारा घटना के संबंध में बताया गया कि ये बहन की शादी तथा मोबाईल पर कसीनो गेम खेलने के क्रम में गांव वालों का कर्ज हो गया था और पैसा को चुकता करने की स्थिति नहीं था। तब उसने सोची समझी साजिस के तहत पैर में बेल्ट लगवाने के बहाने पटना गये तथा वहां से मुगलसराय, मुगलसराय से पुनः पटना, पटना से उल्ही, उल्ही से मुरी झारखंड चले गये मुरी में ही एक व्यक्ति से कमरा लेकर वहीं पर वीडियो व्हाट्स कॉलिंग और अपने से ही अपना हाथ बांधकर अपने को प्रताड़ित का रूप देते हुए मोबाईल का आवाज बदलकर घरवालों से 2.50 लाख रुपए मांग कर रहे थे। यह भी बताया कि घटना में हमारे आलावा कोई शामिल नहीं है।

वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत किया गया पौधरोपण

सासाराम। रोहतास वन विभाग एवं संत जोसेफ स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में वन महोत्सव सप्ताह के तहत सोमवार को चंदन शहीद पहाड़ी पर वन विभाग द्वारा नव निर्मित इको पार्क परिसर में वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण के प्रति स्कूल के बच्चों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' कार्यक्रम का उद्घाटन फॉरेस्ट रेंजर मोहम्मद अफसार, संत जोसेफ स्कूल निदेशक सह बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, स्कूल प्रधानाचार्य शिवानी कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फॉरेस्ट रेंजर मोहम्मद अफसार ने लोगों से कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल आने वाली पीढियो का अधिकार है और यह तभी संभव है जब हम पर्यावरण को संरक्षित करेंगे और अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे ' स्कूल निदेशक संतोष कुमार ने कहा कि प्राकृतिक संरक्षण के लिए पर्यावरण का हरा भरा होना अत्यंत आवश्यक है पर्यावरण संरक्षण ही आने वाली पीढ़ी के लिए हमारा सबसे बड़ा योगदान होगा। मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों ने जीवन में पेड़ों का महत्व बताया तथा वन संरक्षण का संदेश देते हुए छात्राओं ने नृत्य की प्रस्तुति से पेड़ों की पीढ़ा को अभिव्यक्त किया। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के अभिभावक गण भी पूरे उत्साह के साथ पौधा रोपण अभियान में भाग लिया।

आरा में बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने किशोर को मारी गोली

केटी न्यूज/आरा

- उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव स्थित बगुचे में सोमवार की शाम घटी घटना

भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव स्थित बगीचे में हथियारबंद बदमाशों ने एक किशोर को गोली मार दी। जख्मी किशोर को गोली बाएं पैर में जांघ पर लगी है जो आरपार हो गई है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वही घटना की पाकर उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव, दरोगा श्वेता किरण एवं परिजन द्वारा उसे पुलिस वाहन से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी किशोर उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव निवासी लक्ष्मण रवानी का 17 वर्षीय पुत्र युवराज कुमार है। इधर युवराज कुमार ने बताया कि वह सोमवार की शाम का गांव में स्थित बगीचे में पेड़ के नीचे अपने दोस्तों के साथ बैठा हुआ था। तभी आर वन फाइव बाइक पर दो हथियारबंद बदमाश आए और उसे कहा कि तुम मुखिया के तरफ से रहता है। इसी बात को लेकर उनके बीच गाली-गलौज हुआ। उसके बाद कुछ उक्त बदमाशों द्वारा उसे गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी युवराज कुमार ने उसी गांव के दीपू एवं बिट्टू नामक युवक पर गोली मारने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। जबकि इलाज कर रहे ऑन ड्यूटी ऑर्थो सर्जन चिकित्सक डॉ.शैलेंद्र कुमार ने बताया कि जख्मी किशोर को बाएं पैर में जांघ पर गोली लगी है जो आरपार हो गई है। उसका इलाज किया जा रहा है और मरीज की स्थिति अभी स्टेबल है।

लापता बालक का दूसरे दिन शव बरामद परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

केटी न्यूज/आरा

जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सौंधी गांव स्थित आहर से सोमवार की सुबह ननिहाल आए दो दिन से लापता एक मासूम बालक का शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वही मृत बालक के परिजन द्वारा मासूम बालक की हत्या कर शव को फेके जाने का आरोप लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मृत बालक बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर गांव निवासी चंदन साह का 3 वर्षीय पुत्र करण कुमार है। उधर लापता बालक के शव के मिलने के बाद मृत बालक के परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद अमृत बालक के पर्याय एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर नारायणपुर गांव के समीप आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। आक्रोशित लोगों द्वारा करीब चार घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। वही सड़क जाम की सूचना पाकर जगदीशपुर सीडीपीओ राजीव चंद्र सिंह,जगदीशपुर थानाध्यक्ष बिगाऊ राम एवं धनगाई थानाध्यक्ष रितेश दुबे पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझाने बुझाने में लगे। पुलिस के काफी मशक्कत करने के बाद लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया।

विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम नगर निगम अंतर्गत लालगंज गांव में पिछले 24 घंटे से विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने सासाराम आरा पथ को लालगंज में जाम कर दिया। लालगंज में बिघुत आपूर्ति तत्काल शुरू करने को ग्रामीणों की फेहरिस्त ने मांग उठाई। इससे पहले लोगों ने बिघुत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी किया। आक्रोशितों ग्रामीणों का कहना था कि 24 घंटे से अधिक हो गए लेकिन गांव में बिघुत आपूर्ति बंद है। विद्युत विभाग को इस समस्या को लेकर कई लोगों ने सूचना दिया लेकिन विभाग के कर्मी तथा पदाधिकारी सुधि नहीं ले पाए। इस उमस भरी गर्मी में लोगों को पीने के लिए पानी भी मुश्किल हो गया। छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन भी बाधित हो गई।

वहीं, बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यवसाय संस्थान भी विद्युत आपूर्ति के अभाव में बंद दिखे। जिस कारण सभी तबके के लोग आक्रोशित होकर लालगंज गांव के पास सड़क जाम कर विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सड़क पर लोगों को उतरने से वाहनों की लंबी कतार लग गई।

लालगंज गांव के पास सड़क जाम होने से सासाराम आरा पथ पर सासाराम पोस्ट ऑफिस चौक से लेकर बैजला तक करीब 3 किलोमीटर लंबी वाहनों के कतार से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। सूचना पर पहुंचे प्रशासन पुलिस के लोग ने समाजसेवी के सहयोग से आक्रोशित लोगों को समझा बूझाकर सड़क से हटाया तब जाकर यातायात बहाल हुआ। लालगंज के आक्रोशित लोगों की फेहरिस्त ने कहा कि 24 घंटे से अधिक हो गए लेकिन तकनीकी समस्या बताकर विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की जा रही है जिससे लोगों की परेशानी हो रही है। सड़क जामसासाराम के लालगंज में दो दिनों से विद्युत आपूर्ति पर एनसीपी के बिहार प्रदेश प्रवक्ता आशुतोष सिंह ने कहा कि बिहार सरकार की घोषणा की 24 घंटा में ट्रांसफार्मर बदलने की घोषणा हवा हवाई है। उमस भरी गर्मी में सभी तबके के लोग परेशान है आक्रोशित लोगों को मजबूरन सड़क जाम करना पड़ा।

श्रम संसाधन विभाग ने 21 श्रमिकों को बांटा प्रमाण पत्र

श्रमिकों के सार्वभौमिक विकास के लिए श्रम संसाधन विभाग है तत्पर : मंत्री

केटी न्यूज/करगहर

आज रोहतास जिला के करगहर प्रखंड के समरडीहा पंचायत में श्रम संसाधन विभाग मंत्री संतोष कुमार सिंह के विशेष निर्देश पर श्रमिकों का बिहार भवन सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कैंप में लगभग 105 श्रमिकों के आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 21 श्रमिकों के बीच का ऑनलाइन कार्ड बनाया गया। इस मौके पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी, करगहर श्री शैलेन्द्र कुमार, समरडीहा पंचायत के मुखिया, श्री अवध बिहारी राय ने श्रमिकों के बीच श्रमिक कार्ड का वितरण किया। साथ ही वहाँ मौजूद श्रमिकों से उनके हितार्थ बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभ और पंजीकरण संबंधित जानकारी प्राप्त की और श्रमिकों का निबंधन भी करवाया। इसके उपरांत उन्होंने श्रमिकों से योजनाओं के लाभ हेतु पंजीकरण कराने का आग्रह किया।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने उनके दैनिक आय, उनकी संघर्ष और समस्याओं को भी सुना। साथ ही उन्हें सम्मानजनक जीवीकोपार्जन हेतु सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने श्रमिकों से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि बिहार सरकार अपने श्रमिकों की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि श्रमिकों के लिए विभाग के बोर्ड के तहत निबंधित कामगारों को लाभ दिए जाने हेतु अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिसके तहत मृत्यु लाभ, दाह संस्कार, मातृत्व लाभ, निर्माण श्रमिकों के बच्चों के शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता, ह्यविवाह के लिए वित्तीय सहायता, वार्षिक चिकित्सा सहायता योजना, दुर्घटना अनुदान, पारिवारिक पेंशन, विकलांगता पेंशन, नकद पुरस्कार, पितृत्व लाभ आदि दिया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधि समरडीहा पंचायत ने सभी श्रमिक बंधुओं से आग्रह किया कि आप सभी बोर्ड और ई झ श्रम पोर्टल पर अपना निबंधन करायें और सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता का लाभ लें। उन्होंने श्रमिकों को आश्वस्त किया कि विभाग आपके हितार्थ सभी स्तरों पर कार्य कार रही है, जिसमें आपकी प्रमुख भागीदारी भी नितांत आवश्यक है।

बाइक की टक्कर से साइकिल मिस्त्री की मौत

आरा। आरा बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सारंगपुर गांव स्थित चिमनी भट्ठा के सामने सोमवार की सुबह अनियंत्रित ऑटो करने बाइक सवार साइकिल मिस्त्री को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक ऑल्टो कार छोड़ मौके से फरार हो गया।सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के गोवर्धनचक गांव निवासी स्व. बाबू लाल शर्मा के 45 वर्षीय पुत्र रामू शर्मा है एवं वह पेशे से साइकिल मिस्त्री थे। मृतक के भाई श्याम शर्मा ने बताया कि सोमवार की सुबह पैशन प्रो बाइक पर सवार होकर अपने गांव से रतनपुर गांव किसी काम से आ रहे थे। उसी बीच सारंगपुर गांव स्थित चिमनी भट्ठा के सामने फोरलेन पर अनियंत्रित ऑल्टो कार में उन्हें रौंद दिया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वहीं पर आए उनके गांव के एक लड़के द्वारा फोन कर इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। इसके सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व चार बहन में तीसरे स्थान पर थे।

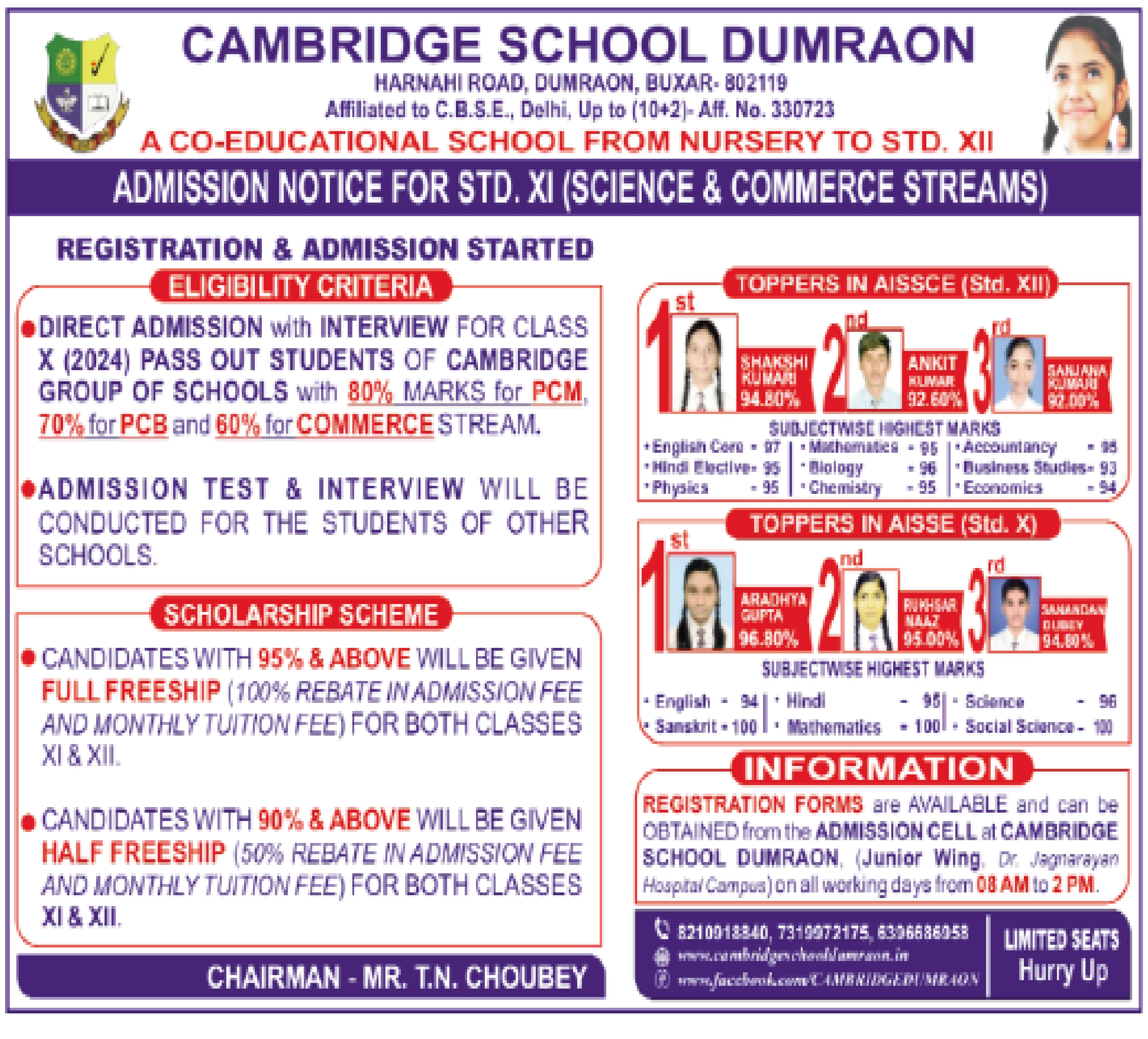

बदल सकता है राजधानी एक्सप्रेस का रूट, गोरखपुर से चलाने की तैयारी

♦ रेलवे बोर्ड ने एनईआर, एनआर को पत्र लिख मांगी है रिपोर्ट

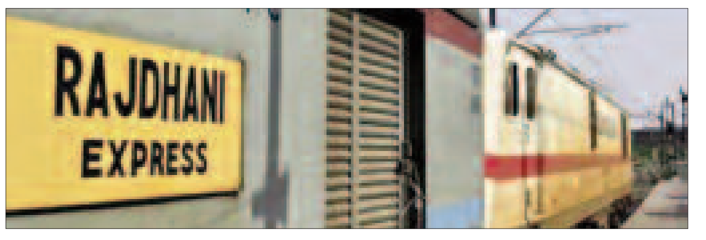

केटी न्यूज / बलिया

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, ट्रेन संख्या 20503/04 जो डिब्रूगढ़ से चलकर छपरा-बलिया के रास्ते नई दिल्ली को जाती है, का रूट बदल सकता है। डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को गोरखपुर के रास्ते चलाने की तैयारी है। सूत्र के मुताबिक रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में तत्काल रिपोर्ट मांगी है। गोरखपुर में लंबे समय से राजधानी एक्सप्रेस को चलाने की मांग चल रही थी। सुतो के हवाले से सूचना है कि गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन शुक्ला ने इस मामले को संसद में भी उठाया था। तमाम प्रयासों के बाद गोरखपुर के लोगों की मांग पूरी होने जा रही है। इस खबर ने एक तरफ गोरखपुर के लोगों को खुशी दी है तो वहीं बलिया के लोग नाराज दिख रहे हैं। क्योंकि इस फैसले ने राजधानी एक्सप्रेस का रास्ता बलिया से मोड़ दिया है। रेलवे बोर्ड ने इस बाबत एनईआर, एनआर और एनएफ रेलवे को पत्र लिखकर रिपोर्ट मांगी है। ऐसे में संभावना है कि जल्द ही राजधानी एक्सप्रेस का रूट बदल सबता है।

मस्त ने दो दिन से पांच दिन चलवाया था ट्रेन

बलिया। बताते चलें कि राजधानी एक्सप्रेस पहले सप्ताह में दो दिन चला करती थी, लेकिन वीरेंद्र सिंह मस्त की कोशिशों के बाद इसे पांच दिन चलाया जाने लगा। लेकिन अब ऐसा लगता है कि वीरेंद्र सिंह मस्त के सांसद ना होने की कमी बलिया को खलने लगी है। वीरेंद्र सिंह मस्त के बलिया सांसद रहते हुए कई ट्रेनों का बलिया रूट से संचालन शुरू किया गया था, लेकिन उनके सांसद ना रहने पर ये बदलाव शुरू हो गया है।

बलियावासी हुए नाराज

फिलहाल डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस छपरा से बलिया होकर वाराणसी, लखनऊ और कानपुर के रास्ते नई दिल्ली जाती है। प्रस्तावित रूट को मंजूरी मिलने के बाद ये ट्रेन छपरा से सीधे गोरखपुर जाएगी और फिर वाराणसी के रास्ते नई दिल्ली तक पहुंचेगी। प्रस्तावित रूट से बलिया का नाम कट जाएगा। ऐसे में बलिया के लोगों में नाराजगी जाहिर है। उधर पूर्व बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि, अब ये खबर आई है तो हम रेल मंत्री जी से बात करेंगे, उनसे आग्रह करेंगे कि राजधानी का जो रूट है वही रहे, इसे बदला ना जाए। पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने इस मामले में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से वार्ता करने की बात कही है। उन्होंने कहा, हम हर संभव कोशिश करेंगे कि राजधानी एक्सप्रेस का रूट पहले जैसा रहे और इसमें कोई बदलाव ना हो, इसके लिए जहां तक बात करनी होगी हम करेंगे।

एक नजर

वन स्टॉप शॉप के माध्यम से किसानों को मिलेंगी कृषि संबंधित समस्त सुविधाएं

गाजीपुर। उप कृषि निदेशक अतींद्र सिंह ने बताया कि किसानों के हित लाभ के लिए कृषि में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग करने के उद्देश्य से किसानों को कृषि संबंधित समस्त सुविधाएं वन स्टाप शाप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना है। आप आवेदन 12 जुलाई 2024 तक कर सकते हैं। राज्य सरकार द्वारा कृषि प्रशिक्षित उद्यमियों को निम्न सुविधाएं प्रदान की जाएगी। कृषि व्यवसाय गतिविधियों के लिए लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता तथा लाइसेंस फीस के व्यय की प्रतिपूर्ति। एग्रीजंक्शन स्थापना के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सहायता तथा 7.5 प्रतिशत की दर से ऋण पर व्याज अनुदान की व्यवस्था। यह अनुदान बैंक की बैंक इन्डेड सब्सिडी के रूप में रखा जाएगा तथा वर्ष की समाप्ति पर ऋणी के खाते में क्रेडिट कर दिया जाएगा। एक वर्ष तक के लिए परिसर के किराए का 50 प्रतिशत की धनराशि जो रू0 1000.00 प्रति माह से अधिक न हो। एग्री जंक्शन की स्थापना के लिए चयनित लाभार्थियों को उद्यम स्थापना एवं संचालन के लिए निःशुल्क 13 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करना। एग्रीजंक्शन उद्यमियों के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए अन्य योजनाओं से अभिसरण। योजना का कुल लक्ष्य - 44 जनपद के प्रत्येक तहसील एवं विकास खंड स्तर पर लक्ष्य आवंटित है। चयन के लिए पात्रता- कृषि स्नातक कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातक व स्नातक जो कृषि एवं संबद्ध विषयों तथा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियां जो किसी राज्य व केंद्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य कृषि विश्वविद्यालयों से डिग्रीधारी हैं, जो आईसीएआर व यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त हों वही पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त उपरोक्त के अनुपलब्ध होने पर अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी व कृषि विषय में इंटरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर विचार किया जाएगा। आयु -40 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित, अनु0 जनजाति व महिला को पांच वर्ष की छूट अधिकतम पात्र अभ्यर्थियों में, जिनकी जन्मतिथि पहले हो वरीयता दी जाएगी। प्रति एग्रीजंक्शन कुल न्यूनतम योजना की प्रोजेक्ट लागत रू0 6.00 लाख। ऋण सीमारू- रुपया 5.00 लाख। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय उप कृषि निदेशक या जिला कृषि अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

घोसी लोकसभा सांसद राजीव राय ने सर्विस लेन का किया निरीक्षण

मऊ। घोसी लोकसभा सांसद राजीव राय द्वारा संसद सत्र के दौरान केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर कोपागंज बाजार, कस्बा एवं ग्राम काछीकलां समेत अन्य गांवों के लिए वाराणसी-गोरखपुर हाईवे से संपर्क मार्ग खोलने तथा सर्विस लेन बनाने की मांग की थी। इस क्रम में विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर नापी कार्य शनिवार को किया। रविवार को सांसद राजीव राय ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। सांसद ने बताया कि अगला दोनों लेन बन जाने से कस्बावासियों और ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। वहीं कुछ किसानों द्वारा जमीन के बदले अब तक मुआवजा नहीं मिलने की बात कही गई। जिसे सांसद ने सम्बंधित अधिकारियों से बात करके जल्द ही मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अल्ताफ अंसारी, पूर्व जिलाध्यक्ष मुन्ना यादव, सपा जिलाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

वाहन स्वामियों को दो दिन के भीतर लॉगबुक जमा करने का निर्देश

गाजीपुर। अपर जिलाधिकारी/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सूचित किया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिन वाहन स्वामियों के बोलेरो, स्कार्पियों, सूमो, बस, मिनी बस, ट्रक, डीसीएम एवं पिकप प्रयोग में लाई गई थी। उनमें ईंधन की आपूर्ति करने के लिए जिलापूर्ति अधिकारी व प्रभारी अधिकारी ईधन व्यवस्था द्वारा लागबुक जारी किया गया था। मतदान समाप्ति के पश्चात लागबुक जमा किया जाना था। जिन वाहन स्वामियों ने अभी तक अपना लागबुक जमा नहीं किया है, वह दो दिवस के अंदर लागबुक बैंक डिटेल के साथ जिलापूर्ति अधिकारी व प्रभारी अधिकारी ईंधन व्यवस्था के तहत जमाकर दें। अन्यथा इनके किराए, भाड़े का भुगतान किए जाने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। इसकी पूर्ण जिम्मेदारी वाहन- स्वामियों की होगी। बगैर लागबुक के वाहनों के किराया भाड़ा का बिल बनाया जाना संभव नहीं है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला कारागार व आश्रय गृह का किया औचक निरीक्षण

गाजीपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर सोमवार को जिला कारागार गाजीपुर एवं किशोर न्याय बोर्ड व आश्रय गृह का औचक निरीक्षण विजय कुमारे, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर द्वारा किया गया। बंदियों से निःशुल्क अधिवक्ता, जेल लोक अदालत तथा उनकी जेल अपील से संबंधित अन्य समस्याएं पूछी गई एवं उनके यथोचित अधिकार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। सचिव द्वारा जेल के बंदियों से बातकर उनकी समस्याओं को समझने के साथ ही उनके निस्तारण का निर्देश दिया। सचिव द्वारा बीमार बंदियों के संबंध में कारापाल एवं चिकित्सक को उचित निर्देश दिया गया। सचिव ने कारापाल को जिला कारागार में स्थित जेल लीगल क्लीनिक पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि जेल में निरूद्ध बंदियों को समय से व समुचित विधिक सहायता प्राप्त हो सके। कारागार परिसर में साफ-सफाई, मच्छरों के बचाव के लिए छिड़काव के लिए निर्देशित किया गया। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) गाजीपुर का निरीक्षण किया गया। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे तथा आवासित किशोर उपस्थिति पंजिका सोमवार को उपस्थित पाए गए।

खबरें फटाफट

तमसा नदी के किनारे अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान जारी

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के दिशा निर्देश के क्रम में तमसा नदी

के किनारे के अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज लगभग 10 अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में की जा रही है। उन्होंने बताया कि कल अधिक संख्या में अतिक्रमण हटाने के कार्यवाही की जानी है। ज्ञातव्य है कि तमसा नदी पर अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश सिटी मजिस्ट्रेट को दिए थे। इसके उपरांत प्रतिदिन अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि तमसा नदी को अतिक्रमण से मुक्त करने हेतु समस्त अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जब तक समस्त अवैध निर्माण नहीं हटेंगे, तब तक अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी।

एड्स की जागरूकता के लिए मैराथन में भाग लेंगे ट्रांसजेंडर

मऊ। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि युवाओं के बीच एचआईवी एवं एड्स की सही एवं पूरी जानकारी पहुंचे इसके लिए जनपद में यूथ पेस्ट 2024 के आयोजन की तैयारी है। इसमें क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर रेड रिबन क्विज एवं रेड रन मैराथन करायी जायेगी। प्रदेश के 27 जनपदों में इसका आयोजन होगा। रेड रन मैराथन का आयोजन जनपद में 16 जुलाई 2024 को प्रातः 07.00 बजें डा. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में किया जायेगा। यूथ पेस्ट 2024 के आयोजन हेतु जिलाधिकारी मऊ ने स्टेक होल्डर की बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला क्रीडा अधिकारी एवं युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वे जनपद में रेड रन मैराथन हेतु ट्रान्सजेडर, छात्र एवं छात्राओ को प्रतिभाग करने हेतु सूची तैयार करते हुये प्रोत्साहित करें।

गाजीपुर के नंदगंज थाना अंतर्गत खिलवा कुसम्हीं कला गांव की घटना

गाजीपुर ट्रिपल मर्डर: पति-पत्नी व पुत्र की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या

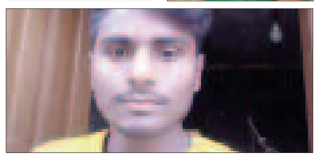

♦ हत्या की जानकारी होते ही एसपी ओमवीर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जनपद के नंदगंज थाना अंतर्गत खिलवा कुसम्हीं कला गांव में रविवार की रात पति-पत्नी और पुत्र की अज्ञात हत्यारों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के नेतृत्व में एसओजी टीम घंटों छानबीन करती रही, लेकिन हत्या के कारणों का पता नहीं लग सकी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बता दें कि खिलवा गांव निवासी मुंशी बिंद (45) और पत्नी देवंती (40) घर के बाहर झोपड़ी में अलग-अलग चारपाई पर सो रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र रामशीष (20) घर में सो रहा था। इस दौरान छोटा पुत्र आशीष गांव में आए आर्केस्ट्रा को देखने चला गया था। आशीष रात को जब दो बजे घर आया, तो देखा कि बाहर सो रहे माता-पिता लहूलुहान एवं मृत पड़े हैं। उसने शोर मचाते हुए घर में सो रहे बड़े भाई को जगाने गया तो उसे भी मृत देख बिलख पड़ा। आवाज सुनकर आस-पास के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई। निर्मम हत्या की जानकारी होते ही कुछ ही देर में एसपी ओमवीर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसपी ने घटनास्थल का गहन छानबीन करने के साथ ही परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस कप्तान ने त्रिपल मर्डर के मामले में कई बिंदुओं पर पुलिस को जांच करने एवं हत्याकांड का तत्काल खुलासा करने का निर्देश दिया।

ट्रिपल मर्डर के खुलासे के लिए पांच टीमें गठित : एडीजी

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद में ट्रिपल मर्डर की घटना ने चारों तरफ सनसनी फैला दी है। नंदगंज थाने के कुसम्हीं कला गांव के मौजा खिलवां में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से बीती रात हत्या कर दी गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद खुद वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया, डीआईजी ओमप्रकाश सिंह और एसपी ओमवीर सिंह एक साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उच्चाधिकारियों ने घटना स्थल का जायजा लिया। इस बीच एडीजी वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया ने बताया कि कल रात दो बजे पुलिस को सूचना मिली कि कुसम्हीं कला के मौजा खिलवां में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई है। इस दौरान एक महिला उसके पति और पुत्र की हत्या हुई है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एडीजी व डीआईजी द्वारा घटना का बारिकी से निरीक्षण किया गया। साथ ही फोरेंसिक टीम द्वारा घटना से सम्बंधित साक्ष्यों को संकलित किया गया। सभी बिंदुओं पर जांच किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि घटना का जल्द ही अनावरण हो जाएगा। इस संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी ने कहा की एक परिवार के तीन सदस्यों की सामूहिक हत्या के पीछे क्या कारण है, फिलहाल इस बारे में कुछ कहना पूर्वाग्रह होगा। सभी मृतक एक परिवार के हैं। हत्या के खुलासा के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर अवगत कराया जाएगा। हत्या के खुलासे के लिए कुल पांच टीमें जनपद में गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया बताने से हमारी विवेचना प्रभावित होती है। जबतक पूरे तथ्य एवं साक्ष्य सामने नहीं आते तबतक इंतजार करें। सभी बिंदुओं पर जांच होने के बाद ही कुछ कहना उचित होगा। अभी तक पुलिस को जो कार्रवाई करनी चाहिए, उस दिशा में कार्य तेजी से हो रहा है। मामले में तहरीर प्राप्त हो चुकी है। जिसमें एक व्यक्ति को नामित किया गया है।

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या से दहला गाजीपुर, छह लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

गाजीपुर। जनपद के नंदगंज थाना अंतर्गत खिलवा कुसम्हीं गांव निवासी मुंशी बिन (45) उनकी पत्नी देवंती देवी (40) घर के बाहर झोपड़ी में चारपाई डालकर सो रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र राम आशीष बिना (20) घर के अंदर सो रहा था। माता-पिता और पुत्र की नृशंस हत्या से पूरा जनपद दहल उठा है। सभी की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या की गई है। इस प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जगह- जगह दबिश दी और छह लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। कत्ल की जानकारी आधी रात के बाद उस समय हुई जब मुंशी बिन का छोटा पुत्र आशीष गांव में एक मांगलिक कार्यक्रम से नाच गाने का कार्यक्रम देखने के बाद घर आया। बता दें कि आधी रात के बाद हमलावरों ने घर के अंदर सो रहे राम आशीष की गला रेत निर्मम हत्या की और सीधे घर से बाहर घसीट कर फेंक दिया। बाहर झोपड़ी में सो रहे पति-पत्नी की नींद खुल भी नहीं पाई थी कि हत्यारों ने उनका भी गला रेत दिया। मृतक का छोटा पुत्र आशीष जब आर्केस्ट्रा देख कर वापस घर आया तो दृश्य देख चीखने-चिल्लाने लगा। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष कमलेश कुमार ने कहा कि मृतक के भाई राम प्रकाश बिंद ने एक नामजद और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई राम प्रकाश घर पर ही रहता है और दूसरे नंबर का मुनीम मुंबई में रहता है। मृतक की मां प्यारी देवी बेटे के साथ पुराने मकान पर रहती थी। एक ही परिवार में तीन लोगों की हत्या होने की जानकारी पर अपर पुलिस महानिदेशक तथा पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस कप्तान ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

ट्रेन की चपेट में आने से पिता-पुत्री की दर्दनाक मौत

केटी न्यूज / मऊ

जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव इमामबाड़ा के पास सोमवार को मेमू ट्रेन में यात्रा कर रहे पिता-पुत्री की ट्रेन की जद में आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अचानक ट्रेन के रूकने के चलते झटका खाकर पिता-बेटी दोनों नीचे आ गिरे। इससे हादसे में दोनों की मौत हो गई। उधर हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस रूट पर ट्रेन की जद में आने से यह मौत की पहली और बड़ी घटना है। मृतक डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष समसुल हसन के भाई थे। जो कि अपनी बेटी को दवा दिलाकर वापस घोसी लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार घोसी नगर के बड़ागांव नीमतले शिया मोहल्ले निवासी एवं सामयिक अमीन फैजुल हसन (55) पुत्र जायर हसन सोमवार को दवा लेने गए थे। दवा लेकर अपनी पुत्री सना परवीन के साथ मेमू ट्रेन से वापस लौट रहे थे। अभी वह घोसी कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव इमामबाड़ा के सामने पहुंचे थे कि अचानक ट्रेन की जद में आने से फैजुल हसन की मौत हो गई। वहीं पिता को बचाने के प्रयास में सना परवीन भी हादसे का शिकार हो गई। उधर, हादसे के बाद मृतक के छोटे भाई दुरूल ने घोसी पुलिस को तहरीर दी। जिसमें बताया कि उसके बड़े भाई और भतीजी जिला मुख्यालय मऊ से दवा लेकर मेमू पैसेंजर से वापस आ रहे थे। अभी रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 18-25 के पास पहुंचे थे कि ट्रेन के झटके के चलते दोनों नीचे आ गिरे और ट्रेन की जद में आ गए।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, कस्बे में पसरा मातम

मृतक फैजुल हसन पूर्व अध्यक्ष डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समसुल हसन के छोटे भाई थे। मृतक घोसी तहसील में सीजनल अमीन के पद पर तैनात था। घटना के बाद उसकी पत्नी तमन्ना, पुत्री अरिजा (16), पुत्र फैज अहमद (11) का रो-रोकर बुरा है। सीओ घोसी दिनेशदत्त मिश्रा ने बताया कि सना पुत्री फैजुल और उसका पिता फैजुल अपनी बेटी का इलाज कराकर लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

बाढ़, सूखा व आपदा के लिए पंपों पर पेट्रोल व डीजल रखें सुरक्षित

गाजीपुर। जनपद में संभावित बाढ़, सूखा व दैवी आपदा को दृष्टिगत रखते हुए सोमवार को जनपद के प्रत्येक डीजल व पेट्रोल पंप पर 5000 लीटर डीजल व 1000 लीटर पेट्रोल तत्काल प्रभाव से आरक्षित किए जाने का निर्देश दिया। जनपद के समस्त डीजल व पेट्रोल पंप स्वामियों को निर्देशित किया जाता है कि अपने-अपने रिटेल आउटलेट पर 5000 लीटर डीजल व 1000 लीटर पेट्रोल आरक्षित रख लें। ताकि बाढ़, सूखा व दैवी आपदा के समय आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग किया जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई प्रथम अंतर्विभागीय बैठक

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 अगस्त से चलेगा एमडीए अभियान

♦ अभियान की तैयारियों व सभी विभागों के समन्वय के बारे में ली जानकारी

♦ फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन जरूरी

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम 10 अगस्त से शुरू होकर दो सितंबर तक चलाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए शासन एवं स्वास्थ्य विभाग काफी सक्रिय हो चुका है और तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में प्रथम जनपद स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जनपद के समस्त ब्लॉकों में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन दवा वितरण (एमडीए) कार्यक्रम 10 अगस्त से संचालित किया जाएगा। इसमें आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन अपने समक्ष कराएंगी। मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मियों को निर्देशित किया कि अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए समस्त अधिकारी और कर्मी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने अपील की है कि फाइलेरिया से बचने के लिए हर साल चलने वाले एमडीए राउंड के दौरान दवा का सेवन अवश्य करें। इस दवा का सेवन एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और अति गंभीर बीमार को छोड़कर सभी को करना है।` मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि एमडीए अभियान में जनपद की शत प्रतिशत लक्षित आबादी को फाइलेरिया बीमारी से बचाव के लिए उम्र के अनुसार एमडीए दवा का सेवन स्वास्थ्य कार्यकताओं के समक्ष कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दवा का सेवन एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और अति गंभीर बीमार को छोड़कर सभी को करना है। लगातार पांच वर्षों तक साल में एक बार दवा खाने से इस बीमारी के होने से रोकने या नियंत्रित करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. जेएन सिंह ने बताया कि एमडीए दवा का सेवन कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग सहित आईसीडीएस, पंचायती राज व ग्राम विकास, जिला विधालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, आपूर्ति, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, आजीविका, आईएमए, सूचना अधिकारी आदि का सहयोग लिया जाएगा। साथ ही डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, पाथ, पीसीआई, सीफार, चाई व अन्य स्थानीय संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा।

मानवता के हित में करें रक्तदान : डॉ एस एन खत्री

केटी न्यूज / मऊ

आप द्वारा किया किया रक्तदान एक नही अनेको जीवन बचा सकता है। इसलिये नियमित रूप से रक्तदान कीजिये। हमारे समाज में ये भ्रांति फैली है कि रक्तदान करने से कमजोरी आती है, जबकि ऐसा बिल्कुल नही है। रक्तदान करने के बाद मनुष्य कोई भी सामान्य कार्य कर सकता है। उपरोक्त बातें रोटरी क्लब प्राइड द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक रो डॉ एस एन खत्री ने कहीं। जिला अस्पताल में रोटरी क्लब प्राइड द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहाकि आप रक्तदान द्वारा ऐसे अनेक लोगों का जीवन बचाकर एक पुण्य कार्य के भागीदार बन सकते हैं। बस निःसंकोच होकर रक्तदान कीजिये, और पुण्य के इस कार्य में अपनी भागीदारी दीजिए। रोटरी क्लब प्राइड मऊ द्वारा आयोजित इस शिविर में क्लब के प्रयास से 43 यूनिट रक्तदान दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक रो डॉ एस एन खत्री ने फीता काट कर किया । सभी का स्वागत अध्यक्ष रो जितेंद्र रखोलिया व सचिव रो डॉ रितेश अग्रवाल ने किया। अपने संबोधन में रितेश अग्रवाल ने बताया कि रोटरी का वर्ष एक जुलाई से प्रारंभ होता है और हम लोग अपना पहला कार्यक्रम रक्तदान शिविर से करते है। आज हम लोगो ने 43 यूनिट रक्त दान कराया। जिसमे आकाश सकसेरिया, वेद गुप्ता, राजीव यादव, जेपी सिंह, सत्य प्रकाश, विश्वास सिंह ,अनूप चौबे, अनुज श्रीवास्तव, प्रशांत वर्मा, पशुपतिनाथ ,प्रमोद यादव, एवम् कीर्ति अग्रवाल, आनवी खंडेलवाल, शिवा अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, नीता राखोलिया नारी शक्ति ने भी रक्त दान किया। इस कार्यक्रम में क्लब के वरिष्ठ सदस्य रो. डॉ जीएस अग्रवाल, सदस्य आलोक खंडेलवाल, राकेश गर्ग, अतुल जायसवाल, विशाल, आगामी वर्ष के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल सचिव विजय बहादुर पाल आदि शामिल थे।

सियासत की भीड़ में एक अलग चेहरा थे चंद्रशेखर: एमएलसी रविशंकर

- 17वीं पुण्यतिथि पर याद आए पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर

केटी न्यूज / बलिया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर की 17वी पुण्यतिथी शेखर फाउंडेशन और चंद्रशेखर विचार मंच के तत्वावधान में चंद्रशेखर उद्यान में सोमवार को मनाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रनायक चंद्रशेखर के प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सदस्य विधान परिषद रविशंकर सिंह ने रूँधे हुए गले से कहा कि कुछ लोग बेहद खास होते हुए भी बेहद आम नजर आते हैं। भारतीय राजनीति में ऐसी ही एक शख्सियत थी चंद्रशेखर, जो लोगों को एकदम अपनी सी नजर आती थी। हल्की दाढ़ी से घिरा चेहरा, भविष्य में झाँकती आँखे , जिस्म पर धोती कुर्ता ,पाँव में चप्पल कुल मिला कर खालिस हिन्दुस्तानी अंदाज। उनकी यही खासियत उनका लोगों से सीधा और गहरा जुड़ाव बनाती रही। आडम्बर और दिखावे से कोसों दूर। देशी ठसक के साथ सीधी सपाट बातचीत। चाहे नाराजगी हो या खुशी हमेशा सामने से जाहिर की। मसला राजनीतिक हो या सामाजिक, दो बातों का हमेशा ख्याल रखा एक उसूल और दूसरा मानवीय संवेदना। रिश्तों को जीने में उनका कोई जवाब नहीं था, जिसका हाथ थामा कभी छोड़ा नहीं। लम्बे सियासी सफर में कई साथ आये तो कई ने साथ छोड़ा भी पर उनकी तरफ से कोई गिला नहीं,नकोई शिकवा नहीं। जब मिले वही अंदाज, सामने वाला खुद ब खुद सिमट जाता।

ऐसे थे चंद्रशेखर जिनकी शख्सियत से अपनी माटी अपना देश की खुशबू का अहसास होता था। सियासत के शिखर पर होने के बावजूद अपनी जड़ों से गहराई तक जुड़ी ऐसी शख्सियत अब कहाँ। इतिहास की समझ और राष्ट्रीय धरोहरों से ऊर्जा ग्रहण करने की जो तीक्ष्ण दृष्टि चंद्रशेखर में थी वह किसी दूसरे सामयिक नेता में नही। उनके संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति के ही परिणाम है कि सिताबदियारा में जेपी स्मारक, करौधी में राममनोहर लोहिया स्मारक, चंपारण, भीतहरवा में गाँधी आश्रम का जीर्णोद्धार, आचार्य नरेंद्र देव के नाम पर स्मृति-समारोह, लोगों से एक-एक रूपया लेकर कमर भर पानी-कीचड़ पार करते हुए, खुद ही ईट उठाते हुए, सफाई करते हुए, आधी रात तक काम करते हुए, उन पावन स्मृतियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व का ऋण और शारीरक श्रम का यह पहलू मौजूदा राजनेताओं में शायद अकेले चंद्रशेखर जी के हिस्से पडा है।

चंद्रशेखर के व्यक्तित्व में ग्रामीण साहस, औदार्य, सरलता और आत्मविश्वास का समन्वय था। मस्तिष्क और ह्रदय का उनका समृद्ध समन्वय उनकी जेल डायरी में निखरा है। इस मौके पर अनिल सिंह , मनोज सिंह , सुरेंद्र सिंह एमएलए नागेंद्र पांडेय अनिरुद्ध सिंह , दीपक सिंह , अमित सिंह बघेल , भानु प्रकाश सिंह , तेजा सिंह , विवेक सिंह, दिनेश सिंह, धनंजय कुंवर , करण सरावगी , विशाल माहेश्वरी , सम्राट कुंवर आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

चंदौली एसपी ने दो चौकी इंचार्ज के साथ दो सिपाहियों को किया निलंबित

चंदौली। छुट्टी से लौटते ही एसपी आदित्य लांग्हे एक्शन में नजर आये। देर रात एसपी ने गश्त के दौरान निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट से गायब मिले दो चौकी इंचार्ज और दो सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया है। एसपी के इस कार्यवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार 06 जुलाई की रात 23:30 बजे से देर रात तीन बजे के बीच पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे द्वारा जनपद मे अपराध एवं अपराधियों पर नियन्त्रण व वांछित/वारंटी अभियुक्तो के गिरफ्तारी के साथ अपराध रोकथाम हेतु बार्डर के थानो को चेकिंग अभियान चलाये जाने का निर्देश दिया गया था। एसपी ने जमीनी हक ीकत जानने के लिए खुस सादे ड्रेस में प्राइवेट वाहन से बिहार से सटे थाना क्षेत्र का देर रात औचक निरिक्षण किया। इस दौरान एसपी सबसे पहले धरौली चौकी पहुंचे। जहां सैयदराजा थाना अंतर्गत चौकी प्रभारी धरौली आलोक कुमार सिंह बिहार चेक पोस्ट पर चेकिंग करने के बजाय सोते मिले। वहीं सिपाही शैलेन्द्र कुमार सरोज और उमेश कुमार अपने चेकिंग प्वाइंट पर मौजूद नहीं मिले। वहीं चकिया कोतवाली अंतर्गत चौकी प्रभारी सैदुपुर दुर्गादत्त यादव भी चेकिंग के दौरान अपने प्वाइंट पर मौजूद नही मिले। पुलिसकर्मियों द्वारा कार्य सरकार को लेकर इस प्रकार की लापरवाही को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा दोनों पुलिस चौकी प्रभाइयों सहित दोनों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए है। एसपी के इस कार्यवाई से महकमे में हड़कंप मचा हुआं है।

अकीदत से मनाया हजरत कंकड़ शहीद बाबा का सलाना उर्स, उमड़ी लोगों की भीड़

चंदौली। पीडीडीयू नगर के रेलवे की शास्त्री रेलवे कॉलोनी स्थित हजरत कंकड़ शहीद बाबा का सालाना उर्स रविवार को पूरी अकीदत के साथ मनाया गया। बाबा से दुआख्वानी करने को नगर व आसपास क्षेत्र से हजारों जायरीन जुटे दुआख्वानी के बाद यहां लगे मेले में खरीदारी की।

बाबा के सालाना उर्स की तैयारी कई दिनों से चल रही थी। मजार का रंग रोगन के बाद फूल माला और विद्युत झालरों से आकर्षक ढंग से सजावट की गई। रविवार की सुबह गुस्ल खानी के बाद नमाज अदा की गई। जायरीनों व भक्तों द्वारा दुआख्वानी का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। मुस्लिमों के साथ बड़ी संख्या में हिन्दुओं ने भी बाबा के दरबार में मत्था टेका और अपने सुख समृद्धि व देश समाज की तरक्की को प्रार्थना की। शाम में शाहकुटी, काली महाल, मुस्लिम महाल, हनुमानपुर से गाजे बाजे के साथ गागर चादर का जुलूस निकाला गया। नगर भ्रमण कर बाबा के मजार पर चादरपोशी की गई। उर्स कमेटी की ओर से सिरनी के तौर पर काबली चना का बिरियानी, हलवा, शरबत का वितरण किया गया। मजार के आस पास के फूल माला, चादर, प्रसाद, अगरबत्ती, इत्र के साथ खेल खिलौने की दुकानें सजी रहीं।

नियमों के उल्लंघन पर 312 वाहनों का कटा चालान

चंदौली। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सोमवार को पुलिस व यातायात विभाग की ओर से जनपद में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर 312 वाहनों का चालान कर 5.63 लाख रुपये जुमार्ना लगाया गया। वहीं नाबालिग बच्चों की ओर से चलाए जा रहे तीन वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की गई। शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात अपराधों के विरूद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों के पालन के लिए आमजन को जागरूक किया गया, ताकि आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को रोका जा सके। दरअसल , सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी यातायात रघुराज, यातायात प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र यादव सहित पुलिस की टीम ने जनपद के प्रमुख चौराहों, तिराहों व सार्वजनिक मार्गों पर वाहनों की जांच की। यातायात पुलिस की ओर से यातायात नियमों के पालन के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत लोगों को जागरूक किया गया। बताया कि नशे की हालत में कदापि वाहन न चलाएं। वहीं निर्धारित मानक से अधिक सवारी न बैठाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी गई। साथ ही वयस्क को वाहन न चलाने देने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दो पहिया वाहनों पर हेलमेट का प्रयोग करने, वाहनों को ओवरलोड न चलाने आदि के संबंध में जागरूक किया गया । कहा कि सीटबेल्ट का प्रयोग व दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

खबरें फटाफट

कैंसर पर सेमिनार का आयोजन 14 को

पीडीडीयू नगर। नगर के एक होटल में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन(निमा) के चिकित्सकों के लिए कैंसर पर एक सेमिनार का आयोजन आगामी रविवार 74 जुलाई को आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रमुख वक्ता गोल्ड मेडलिस्ट सुप्रसिद्ध आंको सर्जन डॉ स्वप्निल पटेल (पूर्व सर्जन महामना कैंसर इंस्टीट्यूट) होंगे। जो इस समय उपकार हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उक्त जानकारी नीमा प्रदेश प्रवक्ता डॉ ओ पी सिंह ने दी है। डॉ सिंह ने बताया कि विश्व में कुल दो करोड लोग कैंसर ग्रस्त हैं इनमें हर वर्ष 90 लाख व्यक्ति और जुड जाते हैं। विश्व में हर वर्ष अनुमानित 40 लाख व्यक्तियों की कैंसर के कारण मृत्यु हो जाती है। कैंसर अब एक सामान्य रोग हो गया है कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है। परन्तु यदि रोग का निदान व उपचार प्रारम्भिक अवस्थाओं में किया जावें तो इस रोग का पूर्ण उपचार संभव है। कैंसर का सर्वोतम उपचार बचाव है। यदि मनुष्य अपनी जीवन-शैली में कुछ परिवर्तन करने को तैयार हो तो 60 प्रतिशत मामलो में कैंसर होने से पूर्णत: रोका जा सकता है। वार्ता में डॉ मनोज सिंह, डॉ विकास सिंह, डॉ सत्यपाल यादव भी थे।

अधिक दाम लेकर रेलवे टिकट बनाने वाला दुकानदार गिरफ्तार

बलिया। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी एन.रामकृष्णन के निर्देश पर आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बलिया बीके सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा रानीगंज बाजार स्थित रूद्रा कम्प्यूटर की दुकान पर छापेमारी की गई। जहाँ संचालक आन्नद शर्मा के पास से टिकट बनाने वाले उपकरण और बनाए गए करीब 40 हजार रुपए के टिकट तथा प्रतिबंधित साफ्टवेयर गदर बरामद किया गया। वही संचालक आन्नद शर्मा के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को एसीजेएमआर, पू.ऊ.रेलवे की अदालत में पेश किया गया, जहां से आरोपी जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई रेल यात्रियों द्वारा यात्रा टिकट न मिलने, निर्धारित मूल्य से अधिक पैसा देने पर तत्काल टिकट दिलाने की शिकायत पर की गई।

वृक्षारोपण जन अभियान-2024 : 948 विरासत वृक्षों को संवारेगी योगी सरकार

संरक्षण पर जोर... इस वर्ष 11 जनपदों में तैयार होगी विरासत वृक्ष वाटिका

- 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्ष घोषित किए गए हैं विरासत वृक्ष
- काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 व उन्नाव में हैं विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष

केटी न्यूज/ लखनऊ

योगी सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत सूबे के 948 विरासत वृक्षों को संवारेगी। 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। यह वृक्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हैं। योगी सरकार पेड़-पौधों के जरिए भी विरासत का सम्मान करने को प्रतिबद्ध है। काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 व उन्नाव में विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष हैं। योगी सरकार विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण व पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों के स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में इसके प्रति जागरूकता पैदा कर रही है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा विरासत/ हेरिटेज वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिया गया है। इस बार इन वृक्षों की नई पौध तैयार करने के लिए विरासत वृक्ष वाटिका भी तैयार की जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील. कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल शामिल हैं। इसमें बरगद प्रजाति के 363 व पीपल प्रजाति के 422 वृक्ष हैं।

विरासत वृक्ष में आध्यात्मिक व स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े वृक्ष शामिल किए गए हैं। योगी सरकार यूपी के सभी 75 जिलों में विरासत वृक्षों को खोजकर इन्हें संरक्षित करने को प्रतिबद्ध है। सीएम योगी के गृह जनपद गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, काली मंदिर के समीप व गौशाला के अंदर बरगद व पाकड़ वृक्षों सहित पूरे जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। वहीं लखनऊ व वाराणसी के क्रमशः दशहरी आम व लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष, फतेहपुर का बाचन इमली, मथुरा के इमलीतला मन्दिर परिसर का इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ व संत कबीर नगर में अवस्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ का बोधि वृक्ष, बाबा झारखंड के नाम से प्रसिद्ध अम्बेडकर नगर का पीपल वृक्ष एवं आर्डिनेंस क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहांपुर में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल है।

11 जनपदों में बनाई जाएगी विरासत वृक्ष वाटिका

वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। यह वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट व मीरजापुर में तैयार होगी। प्रत्येक वाटिका में विरासत वृक्ष से तैयार पौधा/टहनी/डाल को अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। शेष पौधे स्थानीय महत्व की प्रजातियों के होंगे। इसके लिए लगभग आठ हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। प्रभागों द्वारा चिह्नित 11 जनपदों में पर्याप्त संख्या में विरासत वृक्ष से पौधे तैयार करने के लिए प्रत्येक प्रभाग में कम से कम 10 वृक्ष उपलब्ध कराए जाएंगे।

विशिष्ट विरासत वृक्षों की भी की गई पहचान

योगी सरकार में विशिष्ट विरासत वृक्षों में चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा उल्लिखित झूंसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा के टेर कदंब मंदिर परिसर व निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली व जानकी कुण्ड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एन.बी.आर.आई लखनऊ व महामाया देवी मन्दिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष शामिल हैं।

अविनाशी काशी में हैं सर्वाधिक विरासत वाले वृक्ष

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 948 विरासत वृक्ष हैं। इनमें सर्वाधिक विरासत वृक्ष वाराणसी में हैं। यहां कुल 99 विरासत वृक्ष हैं। वहीं प्रयागराज में कुल 53 विरासत वृक्ष हैं। हरदोई में यह संख्या 37, गाजीपुर में 35, उन्नाव में 34, रायबरेली में 32 और झांसी में 30 है। फिरोजाबाद में 29,लखीमपुर खीरी में 27, बरेली व बहराइच में 26-26, लखनऊ में 25 व जौनपुर में 24 विरासत वृक्ष हैं। इनमें पीपल प्रजाति के 422, बरगद के 363 व पाकड़ के 57 विरासत वृक्ष शामिल हैं।

बुलापुर ढाले के समीप सड़क हादसे में युवक की मौत

- चिराग के रूप में घर में रह गया आठ वर्षीय बालक
- पिता और दो छोटे भाइयों की पूर्व में हत्या कर कुएं में फेंक दिया गया था शव
- युवक की सड़क हादसे में हुई मौत या कुछ और....?

केटी न्यूज / बलिया

दुबहड़ थाना क्षेत्र के बुलापुर चट्टी के समीप सोमवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर अविलंब घटना स्थल पर पहुँची दुबहर पुलिस एवं 112 नंबर डायल पुलिस ने घायल युवक को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार हल्दी थाना क्षेत्र के सोनवानी निवासी दिलीप सिंह 40 वर्ष पुत्र स्वर्गीय उमाशंकर सिंह बाइक से बलिया से जा रहा था। जैसे ही वह बुलापुर ढाले के समीप पहुँचा कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के किसी राहगीर ने 112 नंबर डायल पुलिस तथा दुबहर पुलिस को फोन कर सूचना दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची दुबहड एवं 112 नंबर डायल पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बता दे कि 30 मई 2022 को मृतक दिलीप सिंह के दो छोटे भाई संदीप सिंह व आंनद विक्रम सिंह तथा पिता उमाशंकर सिंह की विगत वर्ष हत्या कर उनके शव को सोनवानी स्थित कुएं में फेंक दिया गया था। घायल दिलीप सिंह पहले बाहर रहते थे। पिता तथा दो छोटे भाइयों की हत्या तथा पत्नी के स्वाभाविक मौत के बाद गांव पर रहकर पशुपालन तथा खेती-बारी का कार्य करते थे। उनके मौत के बाद उनके परिवार में केवल उनका आठ वर्षीय छोटा पुत्र रह गया है। मृतक की सड़क हादसे में हुई मौत या वाहन से टक्कर मार कर हत्या की गई। यह सवाल लोगों के जेहन में कौद रहे है। अब देखना यह है कि पुलिस सड़क हादसा मानकर छोड़ दे रही है या अन्य बिंदुओं पर जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कार ने छात्रा को मारी टक्कर, चक्का जाम

चंदौली। बबुरी थाना क्षेत्र के जरखोर में स्कूल से पढ़कर लौट रही छात्रा को तेज रफ्तार कार टक्कर मारते हुए खेत में जा गिरी। घटना में छात्रा संगीता (18) गम्भीर रूप से घायल हो गई। जिसे बबुरी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल और फिर बाद में ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां छात्रा जीवन मौत के बीच जंग लड़ रही है,जबकि कार सवार वाहन छोड़ मौके से फरार हो गए।घटना से आक्रोशित ग्रामीणों बबुरी जरखोर मार्ग जाम कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

गड़वार। थाना क्षेत्र के रतसड़ नगर पंचायत के वार्ड नं आठ देवनगर निवासी हीरामन कन्नौजिया (32) पुत्र स्व. श्रीभगवान कन्नौजिया की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार को हो गई। परिजनों द्वारा सूचना दिये जाने पर मृतक के घर पहुंची पुलिस को मृतक के भाई ने शव का पोस्टमार्टम कराने की तहरीर दी जिसपर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। उधर घटना को लेकर चचाओं का बाजार गर्म रहा। मृतक के बड़े भाई अशोक कन्नौजिया ने बताया कि मृतक सुबह में घर से पासपोर्ट व आधार कार्ड लेकर मुहल्ले के ही एक युवक के साथ यह कहकर निकला था कि उसे विदेश जाना है इसके लिए कुछ कागज बनवाने जा रहा हूं । इसबीच दोपहर तीन बजे के करीब पता चला कि स्थानीय पुलिस चौकी के पास वह एक पुल के पास बेहोशी की हालत में पड़ा है।

रुपयों से भरे बैग के साथ एक युवक गिरफ्तार

चंदौली। डीडीयू जंक्शन स्थित जीआरपी जीआरपी और आरपीएफ आरपीएफ की संयुक्त टीम ने गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन से एक युवक के पास से 27 लाख 50 हजार रुपए बरामद किए हैं। युवक रुपयों को लेकर कोलकाता किसी को देने जा रहा थी । जीआरपी पुलिस उपाधीक्षक वाराणसी ने बताया कि पकड़ा गया युवक बरामद रुपयों के बारे में कोई भी कागजात नहीं दिखा पाया है।

नई तकनीकी को लेकर कृषि विभाग ने किसानों के साथ की गोष्ठी, की गई अपील

ज्यादा से ज्यादा मिनट्स फूड के उत्पादन को बढ़ावा दें किसान

केटी न्यूज / जौनपुर

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मोटा अनाज को लेकर कृषि विभाग ने आज सोमवार को कलेक्टर परिषद स्थित प्रेक्षा गृह में किसानों के लिए गोष्ठी के माध्यम से किसानों को मोटा अनाज के बारे में जानकारी दिया गया।किसानों को कब क्या कैसे किस प्रकार की खेती करना है इसके बारे में जानकारी दी गई। साथ ही साथ किसानों को किस बीज से किस फसल से क्या लाभ हो सकता है, कैसे उनकी आय बढ़ सकती है, किस प्रकार उन्हें फायदा मिल सकता है, इसके बारे में भी जानकारी दिया गया।

वहीं कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बदलापुर विधानसभा से भाजपा विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि आज सरकार मोटे अनाज को बढ़ावा दे रही है। जिससे कि हमारा शरीर स्वस्थ रह सके। किसानों को भी इसके बारे में जानकारी दी जा रही है। मिनट्स फूड को बढ़ावा देने की उद्देश्य से यह प्रदर्शनी लगाई गई है आज हम गेहूं का आटा खाकर बीमार हो रहे हैं। शुगर जैसी बीमारी हो रही है। ऐसे में मोटा अनाज खाकर हम अपने को स्वस्थ रख सकते हैं।

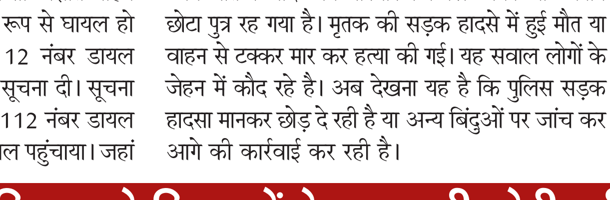

कृषि अधिकारी उप निदेशक हिमांशु पांडेय ने बताया कि जनपद के किसानों को उत्पादन बढ़ाने व मोटा अनाज का पैदावार कैसे बढ़ाया जाए तथा कृषि विभाग द्वारा आच्छादन बढ़ाने का लक्ष्य की तैयारी के बारे में जानकारी दी गयी। कृषि विभाग की तरफ से किसानों को कृषि की अच्छी तकनीकें बतायी गयी। हम ब्लॉक स्तर पर गोष्टी करके किसानों को नई तकनीक से फसलों का पैदावार कैसे बढ़ाया जाए इसकी भी जानकारी देंगे।सरकार की तरफ से कृषि विभाग को भी साढ़े चार लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया गया है। उसे वन विभाग की मदद से पूरा किया जाएगा। ज्यादातर किसानों ने फलदार वृक्ष लगाने की मांग की है।

सुभाषितम्

मिलने पर मित्र का आदर करो, पीठ पीछे प्रशंसा करो और आवश्यकता के समय उसकी मदत करो। - जातक कथा

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

- तनवीर जाफरी

इसी वर्ष मई माह के मध्य में दक्षिण अफ़्रीका से आई इस खबर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया कि राजधानी केपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरूआत में ही कैपटाउन के लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस खतरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फरवरी 2018 में ही डे -जीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी । उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आखिरकार मई 2024 में इसी कैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया । अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपूर्ति केंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-जीरो के तहत कैपटाउन में 75 फीसदी घरों

की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुका है। यहां सिंचाई में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है। तो क्या पूरा विश्व कैपटाउन जैसे जलसंकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ? यदि कुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरूआत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वाले बेंगलुरु में अमीरों गरीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी कतार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बबार्दी करने वाली अपनी दिनचर्या न तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज्यादा वक़्त लगता नजर नहीं आता। जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़,लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाई करते,नहाते,कपड़े धोते, मस्ती करते,फोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फिल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर कुछ गरीबों को मक्के की छल्ली बेचते,चिप्स,चाय कोल्डड्रिंक्स गोली टॉफी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्फ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली खत्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्रोत वाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल फ़्रेश होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है। इसके बाद नारकंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू फैली हुई थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो जरूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहा तो तब हुई जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौका था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया। ग्लोबलवार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोई तात्कालिक जादुई समाधान तो नजर नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में कुछ न कुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दशार्ते हुये प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त कानून बनाकर कड़े कदम उठाने चाहिये। गौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल जमीन चाहता है जबकि प्रकृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी,पार्टी ,मरना,सालगिरह,विवाह वर्षगांठ,बरसी आदि हर गम खुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण जरूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिक्री में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रकृति प्रदूषणमुक्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरिक्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की जरुरत है। इससे जल संग्रहण भी होगा और आसपास का भूगर्भीय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप जमीन में डालने की प्रक्रिया (लैंड रिचार्जिंग सिस्टम) को अनिवार्य किया जाना चाहिये।

आयुष्मान योजना के नाम पर गरीबों से पल्ला झाड़ती सरकार

केंद्र सरकार आयुष्मान भारत का बीमा कवर 10 लाख रुपए करने की तैयारी कर रही है। आयुष्मान योजना में लाभार्थियों की संख्या दोगुनी करने की बात कर रही है। आयुष्मान योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों और बड़े ऑपरेशन को शामिल किया जाता है। सरकार ने सरकारी अस्पतालों को भी आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर गरीब और मध्यम वर्गीय आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को उसकी पहुंच से दूर करने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना के कारण सरकारी और निजी अस्पतालों में गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। जो दवाइयां और जांच सरकारी अस्पतालों में मिलनी चाहिए थी। जो डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए मिलना चाहिए था। वह अब संभव नहीं हो पा रहा है। गंभीर बीमारियों के इलाज के मामले में जिनमें लाखों रुपए का खर्च आता है, उन्हीं बीमारियों का इलाज आयुष्मान योजना में कवर है। पूरे जीवन में एक या दो बार कभी इस तरह की बीमारियों से आम आदमियों को सामना करना पड़ता है। समय-समय पर होने वाले सर्दी, जुकाम, बुखार और अन्य बीमारियां जिनका उपचार दवाइयों के माध्यम से होता है, आयुष्मान योजना में वह उपलब्ध नहीं होती हैं। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। खुले बाजार से महंगी कीमत पर यह दवाइयां आम गरीबों को खरीदना पड़ रही हैं। जब से आयुष्मान योजना लागू हुई है उसके बाद पिछले एक दशक में दवाइयों की कीमत बाजार में 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। डॉक्टरों की फीस 200 रुपए से लेकर 700 रुपए तक छोटे शहरों में मरीजों को चुकानी पड़ रही है। मरीजों को महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। लाइन में लगने के बाद यदि डॉक्टर उपलब्ध हो गए, तो सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। गरीब और मध्यम वर्ग को सरकार ने आयुष्मान योजना का झुनझुना पकड़ा कर पल्ला झाड़ लिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में लूट का एक नया दौर शुरू हुआ है। आयुष्मान भारत योजना बीमा आधारित योजना है। बीमा कंपनियां इस योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों को शामिल करती हैं। निजी अस्पतालों में तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी अस्पताल धोखाधड़ी भी कर रहे हैं। निजी एवं सरकारी अस्पतालों में गरीबों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। सामान्य बीमारियों में उपचार की जरूरत समय-समय पर पडती हैं। वह आयुष्मान योजना से कवर नहीं होती है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के ऊपर स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। आयुष्मान भारत बीमा योजना में सरकार 5 लाख और 10 लाख रुपए तक खर्च करने की बात जरूर करती है, लेकिन सामान्य बीमारियों का इलाज इस बीमा योजना से क्यों नहीं होता है ? कुछ वर्षों पहले तक जो ऑपरेशन और इलाज 10000 से लेकर 50000 रुपए के खर्चे में आसानी से हो जाते थे, अब वही इलाज और ऑपरेशन का खर्च लाखों रुपया क्यों हो गया है। इसका पता भी सरकार को करना चाहिए। दवाइयों की कीमतें इतनी तेजी के साथ क्यों बढ़ी हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जब परिवार का कोई सदस्य सामान्य बीमारी का शिकार होता है तो डॉक्टरों की फीस और दवाइयों में हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। डॉक्टर जो जांच कराते हैं। उनके लिए भी हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। सामान्य बीमारियां और उनकी जांच बीमा में कवर नहीं होती है। आयुष्मान योजना में इसका लाभ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण लोगों में अब गुस्सा देखने को मिलने लगा है। आयुष्मान योजना लागू होने के पहले सरकारी अस्पतालों में जो व्यवस्थाएं थीं उसमें गरीबों को डॉक्टर दवाइयां और इलाज उपलब्ध कराई जा रही थी।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं। जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

सियासत की नयी सूरत और देश की जरूरत

- राकेश अचल

देश में चुनाव हुए और नयी सरकार बने एक महीने से चार दिन ऊपर हो चुके हैं। देश की नई सूरत धीरे-धीरे उभर कर सामने आने लगी है। देश के प्रधानमंत्री और संसद में विपक्ष के नेता की प्राथमिकताएं भी आकार लेती दिखाई दे रहीं है। देश जब बाढ़ की विभीषिका और हाथरस के हादसे से दो चार हो रहा है तब मैदान में लोकसभा में विपक्ष के नेता तो यत्र-तत्र नजर आ रहे हैं लेकिन देश के प्रधानमंत्री के दर्शन दुर्लभ है। सुना है कि वे अपनी नयी विदेश यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं की तुलना लोकसभा में विपक्ष के नेता से करना अनुचित कही जा सकती है ,लेकिन प्राथमिकताओं पर बात करना बिलकुल अनुचित नहीं हो सकता। मोदी जी को ऑस्ट्रिया जाना है, रूस जाना है। वे जा सकते है । उन्हें जाना चाहिए,आखिर वे देश के प्रधानमंत्री हैं। विदेशों से रिश्ते बनाने यदि प्रधानमंत्री नहीं जायेंगे तो और कौन जाएगा ? पहले भी प्रधानमंत्री ही ये काम करते थे ,आज भी कर रहे हैं और कल भी करेंगे । सवाल प्रधानमंत्री जी के विदेश दौरों का नहीं है। सवाल ये है कि प्रधानमंत्री जी देश के उन हिस्सों का दौरा करने से क्यों बच रहे हैं जिन हिस्सों को उनकी सख्त जरूरत है। प्रधानमंत्री जी देश की संसद की नहीं मानते न माने लेकिन वे अपनी मातृ संस्था राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ की भी नहीं मान रहे ,ये चिंताजनक है। संघ ने उन्हें पिछले दिनों अहंकार का त्याग करने ,मणिपुर की चिंता करने और विपक्ष को प्रतिपक्ष मानने की सलाह दी थी। दुर्भाग्य संघ का कि उसके स्वयं सेवक कहें या प्रचारक, ने संघ की व्यास गद्दी पर बैठे डॉ मोहन भागवत की सीख नहीं मानी। इंद्रेश कुमार की सलाह को अनसुना कर दिया। मोदी जी न मणिपुर गए और न हाथरस। लगता है कि उनके पास किसी भी पीडित के जख्मों पर लगाने के लिए मरहम बचा ही नहीं है। वे कहीं जाकर करें भी तो क्या करें ? ये काम सत्तापक्ष का थोड़े ही है,ये काम विपक्ष का है। मुझे लगता है कि मोदी जी ने संघ की बात मानी हो या न मानी हो किन्तु लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ की बात अवश्य मान ली है । वे हाथरस भी गए और दोबारा मणिपुर भी जा रहे हैं। राहुल गाँधी ने संघ की किसी शाखा में कभी कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है ,फिर भी उन्हें पता है कि नेताओं को अपनी प्राथमिकता में सबसे ऊपर किस मुद्दे को रखना चाहिए और किसे नहीं ? मोदी जी की प्राथमिकता में ऑस्ट्रिया और रूस का दौरा है तो राहुल की प्राथमिकता में हाथरस और मणिपुर है। आपको याद दिला दूँ कि सत्तारूढ़ दल के मीडिया सेल ने चुनाव समाप्त होते ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी की इटली यात्रा का हवाई टिकट वायरल किया था।टिकट असली था या नकली ,ये राम जानें किन्तु राहुल गांधी भाजपा के रहस्योद्घाटन के बाद भी अभी तक अपनी ननिहाल इटली नहीं गए। हाँ शपथग्रहण के फौरन बाद हमारे प्रधानमंत्री जी जरूर इटली का दौरा कर आये। आखिर इटली से भारत का रोटी-बेटी का रिश्ता जो है। मोदी जी की इटली यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ और क्या नहीं ,कोई नहीं जानता। राष्ट्रपति को भी शायद इस बारे में कोई जानकारी नहीं होगी ,क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री जी कभी कुछ बताते ही नहीं हैं। वे किसी को कुछ नहीं बतात। वे संसद को कुछ नहीं बताते। नयी सरकार का पहला बजट तैयार किया जा रहा है ,किन्तु प्रधानमंत्री जी को ऑस्ट्रिया जाना है। रूस जाना है। उन्हें विदेशों से भारत के रिश्ते सुधारना है ,उन्हें देश में किसी से रिश्ते सुधरने की जरूरत नहीं है । संघ से भी नही। कांग्रेस से तो बिलकुल नहीं। फिलहाल मोदी जी देश में केवल टीडीपी और जेडीयू से रिश्तों को प्राथमिकता दे रहे है । मुमकिन है कि मोदी जी ने अपनी सरकार की वित्तमंत्री कोइस बारे में निर्देश दे दिए हैं कि उन्हें टीडीपी और जेडीयू के लिए क्या करना है ? दोनों ने अपने-अपने राज्यों के लिए जो माँगा है ,सो उंन्हें दे दिया जाएगा ताकि वे अपनी बैशाखियों कोहटाने के बारे में सोचें ही नहीं। अभी मोदी जी को अपनी सरकार चलने के लिए बैशाखियों कीसख्त जरूरत है। इंदिरा गाँधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद वे देश के ऐसे तीसरे प्रधानमंत्री हैं जो दूर की सोचते हैं। दूर की सोचते ही नहीं बल्कि दूर की कौड़ी भी ले आते हैं। उन्हें पास का शायद साफ-साफ नहीं दिखाई देता। यदि दिखाई देता तो वे मणिपुर जाते,वे हाथरस जाते। ऑस्ट्रिया या रूस नहीं जाते। बहरहाल हम और आप मोदी जी की प्राथमिकताओं पर सवाल करने वाले कौन होते हैं ? देश की जनता को ,विपक्ष को ,मीडिया को ,अदालतों को सवाल करने का अधिकार शायद अब है ही नहीं। सवाल वहां किये जाते हैं जहां जबाबदेह सरकार हो । यहां तो बैशाखी सरकार है।जनता ने उसे 400 पार नहीं कराया तो वो जनता की क्यों सुने? सरकार जनादेश से नहीं बैशखियों से चल रही है। ऐसे में बैशाखियों की सुनी जाएगी न भाई! जनता आने वाले दिनों में बैशाखियों पर टिकी सरकार का कुछ नहीं बिगाड़ सकती। उसे जो करना था सो वो कर चुकी है। अब जो करना है वो सरकार को करना है। इसलिए चुपचाप तमाशा देखिये। क्योंकि हम एक तमाशबीन ल

लालू की भविष्यवाणी... हकीकत या कहानी...?

- ओमप्रकाश मेहता

देश के वरिष्ठ राजनेता तथा राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पूरे होश-हवाश में यह भविष्यवाणी की है कि नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार अगस्त तक की ही मेहमान है, उसके बाद उसका अंत हो जाएगा, अब लालू जी ने यह भविष्यवाणी किस आधार पर की, यह तो उन्होंने उजागर नही किया, किंतु जब कोई राष्ट्रीय स्तर का राजनेता इस तरह की भविष्यवाणी करता है, तो उस पर पूरे राष्ट्र का ध्यान जाना स्वाभाविक है, या तो लालू जी ने राजनीतिक कयासों के आधार पर ऐसा कुछ कहा है या उन्होंने अपना अंकीय दृष्टिकोण उजागर किया है, वैसे जिन हालातों में मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने है, वे किसी से भी छुपे नही है, ह्यह्यकहीं की ईंट, कही का रोड़ा, मोदी जी ने कुनबा जोड़ाह्लह्ल की उक्ति ही उनकी सरकार के बारे में बार-बार कही जा रही है, अब ऐसे में लालू जी का क्या गणित है? यह उन्होंने अभी उजागर नही किया है, किंतु यह बात तय है कि मोदी जी अपनी सरकार की पिछली दो पारियों की तरह पूरी दबंगता से अपनी तीसरी सरकार नही चला पाएगें, क्योंकि जहां राजनीतिक स्वार्थों के बीच करीबी टकराव होता है, वहां सत्ता से जुड़े राजनेता राजनीति के उद्देश्य और सिद्धांत सभी विस्मृत कर देते है, ...और आज देश इसी की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। मोदी जी की तीसरी सरकार बनने के बाद मैंने यही सब कुछ लिखा था, विशेषकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक स्वार्थ के बारे में और उसका भविष्यवाणी लालू जी ने कर दी। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मोदी जी जैसा व्यक्तित्व राजनीतिक या सत्ता के स्वार्थ के सामने अपने सिद्धांतों का समर्पण करने वाला व्यक्तित्व नहीं है इसलिए जबकि ऐसी कोई विकट स्थिति पैदा हुई तो वे एक मिनट में पद से इस्तीफा दे सकते है। इन्हीं सब राजनीतिक हालातों के देखते हुए राजनीतिक पंडित इस सरकार को स्थाई सरकार मानने को तैयार नही है, इन पंडितों का कहना है कि जिस दिन भी सत्तारूढ़ किसी भी राजनीतिक दल की स्वार्थ सिद्धी में अवरोध पैदा होगा उसी दिन वह सरकार से समर्थन वापस लेने में देरी नही लगाएगा और चूंकि पक्ष और विपक्ष के बीच बहुमत का अंतर बहुत कम है, इसलिए उसी दिन इस सरकार का अवसान हो जाएगा और फिर देश में एक ही विकल्प बचेगा और वह होगा राष्ट्रपति शासन और उसके बाद मध्यावधि चुनाव करवाने की ही मजबूरी होगी, इसलिए इस मौजूदा सरकार की तुलना महाभारत काल के कौरव-पांडव के बीच की द्रोपदी से की जाए तो बिल्कुल भी गलत नही होगा। वैसे यहां यदि यह भी कहा जाए कि हमारी आजादी के सात दशक बाद देश की आम वोटर राजनीतिक स्वार्थी व सत्ता लौलूप राजनेताओं से परेशान होगया है तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि आज सत्तारूढ़ दल हो या विपक्षी दल किसी में भी ह्यजनसेवाह्ल की भावना तो बिल्कुल भी मौजूद नही रही है, इन सब पर राजनीतिक तथा व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी हावी हो गई है और इसी भावना के चलते देश अपना गौरवमयी अतीत तथा वर्तमान सब भूल चुका है, आज देशके आम वोटर के सामने सबसे अहम सवाल देश की स्थिति का नहीं, उसके स्वयं के व परिवार के भरण-पोषण का है, इसलिए उसे देश व राजनीति के बारे में सोचने की फुर्सत ही नही है, स्वार्थी राजनेताओं ने जानबूझकर देश में ऐसी स्थिति पैदा की है, जिससे कि वे सत्ता में ह्यदीर्घजीवीह्ल बने रहे है, ऐसे हालातों में इस देश, इसकी आजादी और देशवासियों का क्या होगा?

आज का राशिफल

मेष आपके सम्मान में वृद्धि होगी। कारोबार के मामले में कोई खास डील फाइनल हो जाएगी।

तुला आपका दिन लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

वृषभ आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने से आपके मन को सुकून मिलेगा।

वृश्चिक आज का दिन सावधानी और सफलता से भरा होगा। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा।

धनु सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

कर्क सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है।

मकर आज दिन सामान्य और सफलता से भरा होगा। साझे में किए गए काम में आपको लाभ होगा।

सिंह आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है और आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ आज सावधानी से काम करने की जरूरत है। खानपान में लापरवाही न बरतें।

कन्या आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपसी वार्ता में व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज लाभ देने वाला होगा।

विशेष

राम मंदिर आंदोलन और बाबाओं का उदय

भारत में राम मंदिर आंदोलन शुरू हुआ। अयोध्या से रामराज स्थापना की बात शुरू हुई। उसके साथ,साधु और साध्वियां का बड़ी तेजी के साथ उदय होना शुरू हुआ। पिछले 30 सालों में बाबाओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली गई। भगवान राम की कृपा से बाबा अंतयार्मी होते चले गए। चुटकियों में इंसानों की समस्याओं का समाधान कर देते हैं। बिना बताए सब कुछ जान लेते हैं। बिना दवा दारू के बड़ी से बड़ी बीमारी का इलाज कर देते हैं। भक्तों की आस्था और श्रद्धा ऐसी होती है। रासलीला और हत्या करने वाले बाबा जेल चले जाने के बाद भी भक्तों की आस्था का केंद्र बने रहते हैं।

मार-मारकर आखिरकार पहलवान बना ही दिया

2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। कांग्रेस की इतनी दुर्गति राहुल गांधी के नेतृत्व में हुई। उसके बाद नरेंद्र मोदी ने मान लिया था। राहुल गांधी को पप्पू बनाकर कांग्रेस को राजनीति से अलग-अलग करके ही दम लेंगे। कांग्रेस को तोड़ने के लिए कांग्रेस नेताओं को भाजपा में लाए। राहुल गांधी को पप्पू बनाने के लिए हजारों करोड़ खर्च हुए। गोदी मीडिया, सोशल मीडिया, जनसभाओं में राहुल गांधी को पप्पू बनाने में कोई कोर कसर उनके विरोधियों ने नहीं छोड़ी। जितने हमले राहुल गांधी के ऊपर हो रहे थे। जितना नीचा उन्हें दिखाया जा रहा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1609: बोहेमिया में पोष ने लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की. 1882: ब्रिटिश नौ-सेना ने सिकंदरिया पर जबरदस्त बमबारी की. 1945: दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका में जर्मन फौजों ने दक्षिण अफ्रीका के आगे हथियार डाल दिए. 1925: इक्वेडार में विद्रोह भड़का. 1929: मोरक्को के शाह हसन का जन्म हुआ. 1947: इंग्लैंड की राजकुमारी एलिजाबेथ और फिलिप माउंटबैटन की सगाई की घोषणा की गई. 1957: प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रकाशन हुआ. 1963: मलाया सरकार, सिंगापुर और उत्तर बोर्निया को मिलाकर मलेशिया संघ बनाने का समझौता हुआ. 1969: शेर को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया. 197।: अमरीका ने दक्षिण वियतनाम का अपना आखिरी सैन्य अड्डा वापस सौंप दिया. 1976: युगांडा ने एंटबी हवाई अड्डे पर इजरायली हमले की निंदा का आह्वान राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद् में किया.

दैनिक पंचांग

9 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2024 वर्ष का 191 वां दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल तिथि तृतीया 06.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्लेषा 07.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि (अमृत) 02.06 बजे रात को समाप्त।
करण गर 06.09 बजे तदनन्तर वणिज 18.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 3.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872035
जूलियन दिन 2460500.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.56 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.12 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.24 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.35 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.50 बजे से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.06 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.11 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.57 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.30 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मेष	00.01 बजे से
		वृष	01.41 बजे से
		मिथुन	03.39 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ-श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

सीलन या नमी से इन्वर्टर की बैटरी खराब न हो जाए

मानसून एक ऐसा मौसम है जिसकी वजह से कई चीजें ख़राब होने लगती हैं। जैसे सीलन या नमी की वजह से किचन का सामान या फिर नमी की वजह से कपड़े आदि चीजों में फफूंदी के दाग लग जाते हैं। ऐसे में कई लोग इन चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित सफाई करते रहते हैं या उनका ध्यान रखते हैं। लेकिन इन्वर्टर की बैटरी का कोई भी ध्यान नहीं रखता है। जब तेज बारिश या अंधी में बिजली चली जाती है और इन्वर्टर भी ख़राब हो तो परेशानी और भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते हैं कि सीलन या नमी की वजह से इन्वर्टर की बैटरी ख़राब हो तो फिर आपको मानसून के मौसम में उसका ध्यान ज़रूर रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

दीवार से रखें दूर

मानसून के मौसम में सबसे अधिक सीलन और नमी दीवार में होती है। ऐसे में अगर आप इन्वर्टर की बैटरी को दीवार के पास रखा है तो फिर बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। खासकर मानसून के टाइम इन्वर्टर की बैटरी को दीवार से अलग ही रखें। इसके अलावा बैटरी को किसी लकड़ी या प्लास्टिक के ऊपर ही रखें, क्योंकि जमीन पर रखने की वजह से भी बैटरी ख़राब हो सकती है।

टर्मिनल की सफाई का रखें ध्यान

बैटरी में जिस जगह से बिजली की तार को जोड़ा जाता है उसे कई लोग टर्मिनल कहते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में कई बार टर्मिनल के आसपास सफ़ेद रंग की एक परत जम जाती है जिसकी वजह से बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि मानसून में टर्मिनल ख़राब हो तो फिर आपको उसकी सफाई करते रहना चाहिए। सफाई के दौरान हाथों में ग्लव्स ज़रूर पहने।

एसिड लेवल ज़रूर चेक करें

मौसम कोई भी हो बैटरी का एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी में सामान स्तर से कम एडिस हो तो बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि तेज बारिश या अंधी में इन्वर्टर ख़राब हो तो समय-समय पर बैटरी में एसिड डालते रहे। आपको बता दें कि कई लोग नॉर्मल पानी को गुनगुना करके बैटरी में डाल देते हैं। ऐसे में आप ये गलती न करें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

बैटरी की सफाई करने से पहले लाइट को ऑफ़ ज़रूर रखें।
अगर आपको बैटरी की सफाई करने या एसिड डालने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद से ले सकते हैं।

बच्चों के डिमांडिंग नेचर को कॉन्फिडेंस और मुखरता में बदलें

कुछ बच्चे बहुत ज्यादा डिमांडिंग और बॉसी होते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि ये बच्चे अपने पैरेंट्स और फैमिली ही नहीं बल्कि अपने दोस्तों के लिए भी परेशानी बन सकते हैं। यदि आपको अपने बच्चे में यहां बताए गए संकेत दिख रहे हैं तो समझ जाएं कि आपका बच्चा बड़ा होकर नहीं बल्कि अभी से ही हिटलर बन सकता है।

बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए अपने पैरेंट्स से इस तरह की डिमांड करते हैं। मुझे ये चीज नहीं दिलवाई तो मैं स्कूल नहीं जाऊंगा या मेरे लिए ये काम नहीं किया तो मैं खाना नहीं खाऊंगा। अमूमन हर बच्चा बचपन में अपनी बात मनवाने के लिए इस तरह की बातें बोलता है लेकिन कुछ बच्चे अपनी मर्जी को लेकर अड़े रहते हैं और मां-बाप के लाख समझाने पर भी उन्हें बात समझ नहीं आती है। अगर आपका बच्चा भी अपनी बात पर अड़ा रहता है तो हो सकता है कि वो बॉसी और डिमांडिग हो। यदि आपका बच्चा भी बॉसी है तो आप यहां जान सकते हैं कि उस बॉसी, डिमांडिंग और गुस्सैल व्यवहार को आप किस तरह शांत कर सकते हैं। कुछ पैरेंट्स को लगता है कि बच्चों की ग्रोथ में बॉसी होना एक नॉर्मल फेज है जो कि कुछ हद तक ठीक है। तीन या चार साल की उम्र में बच्चे अपने आसपास के माहौल को भांपना शुरू कर देते हैं। उन्हें समझ आने लगता है कि उन्हें क्या पसंद और नापसंद आ रहा है। इस उम्र के बच्चों के बॉसी नेचर को आप कॉन्फिडेंस और मुखरता के गुण में बदल सकते हैं।

हिटलर बनता है

चीजें फेंकता है, उल्टा बोलता है, चिल्लाता है और आपकी बात मानने से इनकार कर देता है और अपनी जिद पर अड़ा रहता है तो आपके बच्चे के हिटलर बनने के चांसेस हैं। ये बच्चे दूसरों को भी बुली कर सकते हैं। अगर आप भी ऐसे बच्चों के साथ हिटलर की तरह ही पेश आएंगे तो बात नहीं बन पाएगी। आपको इनके सामने अच्छा बनकर पेश आना होगा ताकि वो आपसे सीखे। जब ये बच्चे कुछ अच्छा करते हैं तो उनकी तारीफ जरूर करें।

दोस्त नहीं बन पाते

जब बच्चा बड़ा होगा तो उसे पता चलेगा कि उसे बॉसी होने की वजह से दूसरे बच्चे उसका दोस्त नहीं बनना चाहेगा। वहीं ऐसे बच्चे दूसरों को बुली करने वाले भी बन सकते हैं। इस वजह से आपका बच्चा अकेला रह सकता है। अपने बच्चे से कहें कि अगर वो किसी से प्यार से बात करता है तो बाकी बच्चे उसकी बात सुनेंगे और उसके दोस्त बनेंगे।

बढ़ावा ना दें

अगर आपका बच्चा बॉसी है और कोई गलत हरकत करता है तो ऐसी कोई बात ना कहें जिससे उसे बढ़ावा मिले। उस पर हंसे नहीं और ना ही उसका मजाक उड़ाएं या उसे डांटे नहीं। शांत रहें और उसे कहें कि वो अपनी बात शांत रहकर भी रख सकता है।

हुक्म ना मानें

अगर आपका बच्चा हुक्म के तौर पर आपको कोई ऑर्डर देता है तो इसे बिल्कुल ना मानें। उसे समझाएं कि वो आपका बॉस नहीं है। अगर आप उसे अभी नहीं रोकेंगे तो उसे लगेगा कि वो आपका ही नहीं बल्कि सबका बॉस है।

सांत्वना दें

अगर आपका बच्चा दूसरे बच्चों से दूर या अलग-थलग रहने पर अकेला महसूस कर रहा है तो उस पर तरस ना खाएं या उसे दोष ना दें। उसकी मदद करें कि वो किस तरह अच्छा बिहेवियर अपनाकर अपनी इस समस्या को हल कर सकता है।

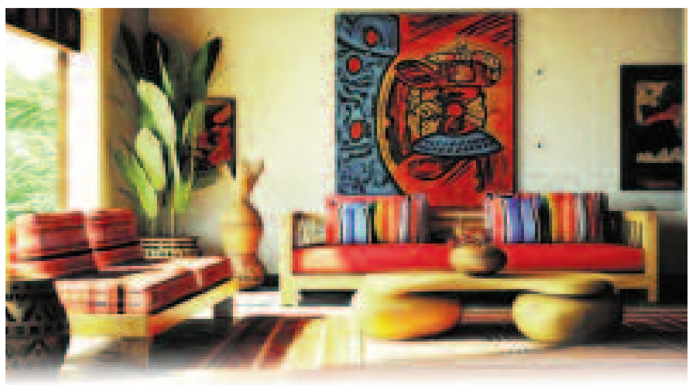

कलरफुल पुराने कपड़ों की मदद से अपने घर को दें नया लुक

घर की सजावट भला किसे अच्छी नहीं लगती है। हम सभी इसके लिए कई तरीके आजमाते हैं और अपने आशियाने को बेहतर बनाते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे आप पुराने कपड़ों की मदद से घर को नया लुक दे सकती हैं। अगर आपके घर में भी कलरफुल पुराने कपड़े मौजूद हैं तो आपको इसका दोबारा इस्तेमाल करके अपने घर को सजाना चाहिए। हम सभी के घर में कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल हम नहीं करते हैं। अगर आपके घर में भी ऐसे कपड़े मौजूद हैं तो आपको इन कपड़ों की मदद से अपने घर सजाना चाहिए। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने घर को पुराने कपड़ों की मदद से सजा सकती हैं।

डोर को सजाएं

पुराने कपड़ों की मदद से आप अपने घर के डोर को सजा सकती हैं। सबसे पहले आपको अपने डोर पर इन कपड़ों को लटकाना है फिर फेरी लाइट को दरवाजों पर लटका देना है। ध्यान रखें कि अलग- अलग कपड़ों का इस्तेमाल करें। इससे लुक काफी खास आएगा।

वॉल डेकोरेशन में करें इस्तेमाल

वॉल डेकोरेशन में भी आप इन पुराने कलरफुल कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। अलग- अलग कपड़ों को आप दीवारों पर लटका दें। फिर फेरी लाइट्स की मदद से पूरे दीवार को सजाएं।
इस तरीके से आप अपने घर को त्योहार या किसी फंक्शन के समय सजा सकती हैं। ऐसे में आपके घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी और पुराने कपड़ों का भी इस्तेमाल हो जाएगा।

कलरफुल पुराने कपड़ों का कवर

आप इन कपड़ों की मदद से तकिया के लिए कवर भी बना सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। ऐसे में आपको अपने पुराने कपड़ों को तकिए के साइज में काटना चाहिए और तकिए के हिसाब से कवर तैयार करना चाहिए। इससे तकिए का कवर तैयार हो जाएगा।

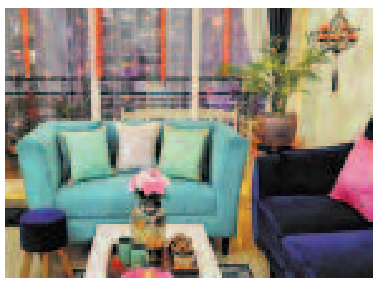

मानसून में अपने गार्डन में लगाएं ये सब्जियां

मानसून का मौसम आते ही हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। इस मौसम में लगभग सभी पेड़ में नए-नए पत्ते और हरी सब्जियों में फल निकलते रहते हैं। इस मौसम में पौधे में अधिक पानी भी डालने की ज़रूरत नहीं होती है और तेज धूप नहीं होने की वजह से पौधे भी हरे-भरे रहते हैं।

ऐसे में अगर आप मानसून के अनुसार अपने गार्डन में नए पौधों का बीज लगाना चाहते हैं और फ्रेश सब्जियां खाना चाहते हैं तो फिर आपको इस लेख को ज़रूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस लेख में हम आपको कुछ सब्जियों के बीज को लगाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से मानसून में लगाकर ताजी सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

खीरा का पौधा

खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसका इस्तेमाल सलाद में भी किया जाता है और अन्य डिश बनाने में भी किया जाता है। हालांकि, कई लोगों को लगता है कि खीरा को उगाना बहुत मुश्किल है, लेकिन ऐसा नहीं है। गार्डन में खीरा का पौधा लगाना बहुत आसान है। इसे आप गमले में या फिर अन्य जगह भी लगा सकते हैं। एक पौधे में कम से कम दर्जन से अधिक फल हो सकते हैं।

टमाटर का पौधा

आज के समय टमाटर एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल लगभग हर भारतीय घरों में होता है। कई लोग इसे सलाद बनाने, चटनी बनाने या अन्य सब्जी में डालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अगर गार्डन में फ्रेश टमाटर उगाना चाहते हैं तो मानसून के समय आसानी से टमाटर का पौधा लगा सकते हैं। मानसून के समय में पौधे में आपको अधिक पानी भी डालने की जगह नहीं है। इसके लिए उचित मात्र में खाद और सही किस्म का बीज लगाने की ज़रूरत है।

भिंडी का पौधा

मुझे तो भिंडी की भुजिया बेहद पसंद है। शायद आपको भिंडी की भुजिया ज़रूर पसंद होगा। खैर, अगर आप गार्डन में सब्जी को उगाना चाहते हैं तो भिंडी को भी उगा सकते हैं। मानसून के मौसम में भिंडी का पौधा काफी तेजी से बढ़ता है और आपको अधिक मेहनत भी करने की ज़रूत नहीं है। अगर आप चार से पांच पौधे ही लगा लेते हैं कई किलो भिंडी प्राप्त कर सकते हैं।

पौधा लगाने के लिए सामग्री

- मिट्टी
- गमला
- बीज
- खाद
- पानी

पौधे लगाने का तरीका

- पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी में खाद को अच्छे से मिक्स लें।
- आप इसमें मिट्टी में आप 50त्र कोको-पीट और 50त्र वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद या गोबर) को भी अच्छे से मिक्स कर सकते हैं।
- अब खाद युक्त मिट्टी को गमले में डालकर अच्छे से बराबर कर लें।
- इसके बाद मिट्टी में लगभग 2 इंच बीज को बदकार मिट्टी को बराबर कर लें और ऊपर से पानी डाल दें।
- इसके बाद समय-समय पर खाद, पानी और कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव करते रहे।

आउटडोर कुशन की क्लीनिंग के लिए इन स्टेप्स को करें फॉलो

अमूमन लोग अपने घर के भीतर ही नहीं, बाहर गार्डन एरिया या फिर लॉबी में भी फर्नीचर रखना पसंद करते हैं, ताकि वे कुछ फुरसत के पल वहां पर बिता सके। जब आप आउटडोर में फर्नीचर रखते हैं, तो उसे अधिक ब्यूटीफुल व आरामदायक बनाने के लिए कुशन भी रखे जाते हैं। अधिकतर कुशन के ऊपर कवर लगे होते हैं, जिन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है और आप इन कुशन कवर को आसानी से वॉशिंग मशीन में धो सकती हैं। लेकिन अगर आपके आउटडोर कुशन पर कवर नहीं है या फिर वह रिमूवेबल नहीं है, तो यकीनन कुशन को क्लीन करना एक टफ टास्क हो जाता है। यह देखने में आता है कि इस स्थिति में महिलाएं कुशन को धोना अक्सर अवॉयड करती हैं। हालांकि, आपको ऐसा कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। बस आप कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करें और आउटडोर कुशन को क्लीन करें।

वैक्यूम क्लीनर का करें इस्तेमाल

जब बात आउटडोर कुशन को क्लीन करने की हो, तो ऐसे में आप सबसे पहले वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें। यह धूल, मिट्टी और सूखी गंदगी को हटाने में आपकी मदद करेगा। आप वैक्यूम क्लीनर के अलावा एक नरम-ब्रिसल वाले ब्रश का उपयोग भी कर सकते हैं और धूल-मिट्टी की सफाई कर सकते हैं।

करें स्क्रब

लूज डर्ट को क्लीन करने के बाद अब बारी आती है डीप क्लीनिंग की। इसके लिए आप एक बाल्टी पानी में एक चौथाई कप बोरेक्स के साथ 1 बड़ा चम्मच डिश डिटर्जेंट मिलाएं। अब एक ब्रश को इसमें डिप करें और कुशन के दाग वाले क्षेत्रों पर हल्का स्क्रब करें। आप इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

सिरका आएगा काम

अगर आपके पास बोरेक्स नहीं है या फिर आप आउटडोर कुशन को नेचुरल तरीके से क्लीन करना चाहते हैं, तो ऐसे में सिरके का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। इसके लिए आप 4 कप गर्म पानी में एक चौथाई कप डिस्टिल्ड व्हाइट विनेगर डालें और एक स्प्रे बोतल में डालें। सतह को वैक्यूम करने के बाद, कुशन को घोल से स्प्रे करें और 15 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। दाग वाले क्षेत्रों को साफ़ करने के लिए एक नरम ब्रश का प्रयोग करें। पानी से धो लें और हवा को सूखने दें।

यूं करें क्लीनिंग

कुशन को स्क्रब करने के बाद उसे हल्का सा प्रेशर देते हुए पानी की मदद से साफ करें। हालांकि, यह ध्यान रखें कि आप इस दौरान प्रेशर वॉशर का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे फैब्रिक खराब हो सकता है। अब, अपने हाथों की मदद से अतिरिक्त पानी को निचोड़ने का प्रयास करें। फिर इसे एक साफ तौलिये से पोंछ लें ताकि अधिक से अधिक नमी सोखी जा सके। अब कुशन को लंबाई में ऊपर उठाकर रखें और उन्हें पूरी तरह से हवा में सूखने दें।

यूं करें दाग की सफाई

आउटडोर में रखे फर्नीचर व कुशन में तरह-तरह के दाग लगने का खतरा काफी अधिक रहता है। ऐसे में आप इन दागों की क्लीनिंग के लिए यह उपाय अपना सकती हैं-

- अगर कुशन पर घास के दाग लग गए हैं, तो आप बोरेक्स के घोल का इस्तेमाल करें।
- अगर यह घास के दागों पर काम नहीं करता है, तो एक लिक्विड डिटर्जेंट की मदद लें, जो दाग हटाने में आपकी मदद करे।
- वहीं, कुशन पर मोल्ड या फफूंदी हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करना सबसे अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो व्हाइट डिस्टिल्ड विनेगर को स्प्रे करके भी उसे क्लीन कर सकती हैं।
- आउटडोर कुशन पर तेल का दाग लग जाने पर कॉर्नस्टार्च या बेकिंग सोडा छिड़क कर साफ किया जा सकता है। तेल के सोखने के लिए 15 मिनट तक प्रतीक्षा करें। उसके बाद कुशन को क्लीन करें।

संक्षिप्त समाचार

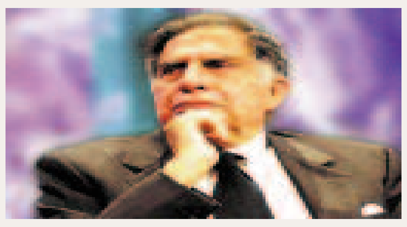

76 पर आ गया टाटा टेलीसर्विसेज का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। हम आपको टाटा ग्रुप के एक ऐसे शेयर के बारे में बता रहे हैं जो कि लंबे समय से अपने निवेशकों का नुकसान करा रहा है। इस शेयर की कीमत 100 रुपये से काफी कम है। हम बात कर रहे हैं टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) लिमिटेड के शेयर की। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 76.30 रुपये पर बंद हुए थे। बता दें कि टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) लिमिटेड या टीटीएमएल टाटा समूह का स्टॉक है। 100 रुपये से कम का टाटा स्टॉक एसएंडपी बीएसई 500 का एक कंपोनेंट है।

कंपनी के शेयर: टीटीएमएल के शेयर पिछले कुछ सालों में अस्थिर बने हुए हैं। बीएसई एनालिटिक्स के मुताबिक, टीटीएमएल के शेयरों में पिछले 6 महीनों में 20 फीसदी की गिरावट आई है और एक साल में 45 फीसदी चढ़ गए हैं। दो साल में इस शेयर ने निवेशकों को 54 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है। टीटीएमएल के शेयरों ने पिछले तीन वर्षों में 300 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। 5 साल में टीटीएमएल के शेयरों ने निवेशकों का पैसा 1900 फीसदी तक बढ़ा दिया है। टीटीएमएल के शेयरों की 52-सप्ताह की सीमा 109.10 रुपये 65.29 रुपये है। बीएसई की वेबसाइट के मुताबिक, कंपनी का मार्केट कैप 14,921.96 करोड़ रुपये है।

कंपनी का कारोबार: टीटीएमएल मुख्य रूप से दूरसंचार-सेलुलर और फिक्स्ड लाइन सेवाओं में लगी हुई है। च्वाइस ब्रोकिंग के इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट देवेन मेहता के अनुसार, टीटीएमएल मंदी की ओर बढ़ता दिख रहा है और 73.5 रुपये से 82.55 रुपये के बीच के दायरे में कारोबार कर रहा है। स्टॉक को 73.5 रुपये के मजबूत समर्थन स्तर से लाभ हुआ है।

नवरत्त कंपनी के शेयरों को खरीदने की सलाह दे रहे हैं एक्सपर्ट्स

नईदिल्ली, एजेंसी। हुडको (हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। इस शेयर के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहा है। एक्सपर्ट का मानना है कि हुडको के शेयरों का भाव बीएसई में 375 रुपये के स्तर तक जा सकता है। इस 'बाय' रेटिंग दी गई है। बता दें, पिछले 12 महीनों के दौरान कंपनी के शेयरों का प्रदर्शन भी शानदार रहा है।

शुक्रवार को कंपनी के शेयर 328.20 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन को कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 334.75 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर 6.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 349.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर यह शेयर पहुंच गया। यह कंपनी का 52 वीक हाई भी है। बता दें, हुडको का बीएसई में 52 वीक लो लेवल 57.80 रुपये है।

सीएनबीसी टीवी-18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंज के अनुसार इस कंपनी के शेयरों का भाव 375 रुपये के लेवल तक जा सकता है। जोकि शुक्रवार को क्लोजिंग की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। ब्रोकरेज हाउस ने इस स्टॉक को खरीदने की सलाह दी है। हाल ही में इस कंपनी 'नवरत्त्' कंपनी का दर्जा दिया गया है। कंपनी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी से एक एनबीएफसी में बदलने के प्रोसेस में है। बता दें, कंपनी के शेयरों में इस साल अबतक 170 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। यानी 2024 में ही निवेशकों को पैसा दोगुना से भी अधिक बढ़ चुका है। वहीं, एक साल में पोजीशनल निवेशकों को इस शेयर के जरिए 490 प्रतिशत का लाभ मिला है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की अगुवाई जमशेद गोदरेज के हाथ

ग्रुप के पास मुंबई में 3,400 एकड़ जमीन और 14 वर्टिकल हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। 127 साल पुराने गोदरेज ग्रुप का बंटवारा हो गया है। इसे दो हिस्सों गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में बांटा गया है। बंटवारे के बाद जीईजी ने नई रणनीति पर काम शुरू कर दी है। इस ग्रुप में नॉन-लिस्टेड गोदरेज एंड बॉयस और कई दूसरी कंपनियां शामिल हैं। ग्रुप की लीडरशिप इंटिग्रेटेड और स्केलेबल कंज्यूमर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस बिजनस बनाने के लिए एक रणनीतिक योजना पर काम कर रही है। इसके लिए टीम बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ मिलकर काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में आंतरिक चर्चा अभी भी चल रही है और ग्रुप भविष्य में ग्रोथ को गति देने के लिए अलग-अलग स्केलेबल बिजनस यूनिट बनाने पर विचार कर सकता है।

ग्रुप के पास मुंबई में लगभग 3,400 एकड़ जमीन है। इसमें 3,000 एकड़ का एक भूखंड भी शामिल है। एक सूत्र ने कहा कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के पास कई लिस्टेड कंपनियां हैं जबकि जीईजी के पास नॉन-लिस्टेड यूनिट हैं। इस मामले में ग्रुप कंजरवेटिव रहा है लेकिन बंटवारे के बाद अब वह ग्रोथ को गति तेज करने के लिए आक्रामक योजना बना सकता है। ग्रुप की नजर मुंबई में जमीन का अधिक से अधिक फायदा उठाने पर भी है। जीईजी का कंट्रोल चेयरमैन और एमडी जमशेद गोदरेज, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नायरिका होलकर, जमशेद की भांजी (उनकी बहन स्मिता कृष्णा की बेटी) और उनके करीब रिश्तेदारों के पास है।

अभी ग्रुप का रेवेन्यू करीब 16,000 करोड़ रुपये है और उसके पास 14 वर्टिकल हैं। इनमें उपकरण, रक्षा, इंजन और मोटर, ऊर्जा, सुरक्षा, निर्माण सामग्री, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा उपकरण, टिकाऊ वस्तुएं, फर्नीचर और इंटीरियर आदि शामिल हैं। त्नश्वत्न के रेवेन्यू का सबसे बड़ा स्रोत अप्लायंसेज और इंटीरियर बिजनस है। मार्च 2024 में समाप्त वर्ष में गोदरेज एंड बॉयस की बिक्री 16,182 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023 के 14,796 करोड़ रुपये के राजस्व से 9 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 417 प्रतिशत बढ़कर 603 करोड़ रुपये हो गया।

कंज्यूमर बिजनस ने वित्त वर्ष 2023 में कुल राजस्व का 61 प्रतिशत या 8,662 करोड़ रुपये का योगदान दिया। औद्योगिक उत्पाद बिजनस ने 33 प्रतिशत या 4,765 करोड़ रुपये का योगदान दिया। गोदरेज एंड बॉयस की एक प्रमुख कंपनी गोदरेज अप्लायंसेज 1958 में रेफ्रिजरेटर बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी थी। तब से, इसने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करके वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव ओवन और बहुत कुछ शामिल किया है। लेकिन एलजी और सैमसंग जैसी विदेशी कंपनियों आने के बाद इसे मार्केट में काफी संघर्ष करना पड़ा है।

क्या है प्लान

हाल में ग्रुप आक्रामक रूप से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गोदरेज एंड बॉयस ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपने कंज्यूमर ब्रांड्स की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए अगले तीन साल में 40 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी का लक्ष्य हर साल अपनी इनकम में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि करना है। कंपनी का अप्लायंसेज बिजनस वित्त वर्ष 2025 में 30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में लगभग 50 नए मॉडल लॉन्च किए जाएंगे। पिछले महीने कंपनी ने कहा था कि उसके मोटर कम्पोनेंट डिवीजन का लक्ष्य भारतीय ईवी बाजार में प्रवेश करके अपनी इनकम दोगुना कर 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।

ग्रीन हाइड्रोजन पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में गौतम अडानी

पहले चरण में नौ अरब डॉलर के भारी-भरकम निवेश का प्लान

इससे करीब 10,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर गौतम अडानी ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप ने ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस के पहले चरण के लिए नौ अरब डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। इसमें से चार अरब डॉलर का निवेश मशीनरी, मैन्युफैक्चरिंग प्लांट आदि पर किया जाएगा जबकि पांच अरब डॉलर 5 गीगावॉट इलेक्ट्रोलाइजर मेकिंग कैपिसिटी के विकास पर खर्च किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इससे करीब 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। अडानी ग्रुप ने तीन मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन कैपेसिटी का टारगेट रखा है। इसमें से एक मिलियन टन कैपेसिटी 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य है। अडानी कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उनकी दुनिया की सबसे सस्ती ग्रीन हाइड्रोजन बनाएगी। सूत्रों के मुताबिक ग्रीन हाइड्रोजन का प्रॉडक्शन शुरू होने के बाद अडानी ग्रुप इसे जहाजों के जरिए यूरोप और कुछ एशियाई देशों को एक्सपोर्ट करेगा। इस सेक्टर में अडानी ग्रुप का मुकाबला लार्सन एंड टुब्रो, इंडियन ऑयल और ऑयल इंडिया से हो सकता है। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में ग्रीन हाइड्रोजन की भूमिका को अहम माना जा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन पानी और क्लीन इलेक्ट्रिसिटी से बनती है और इसे भविष्य का ईंधन कहा जा रहा है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी ग्रीन एनर्जी में में 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है।

सूत्रों का कहना है कि अडानी ग्रुप के ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस का पहले चरण एल्केलाइन इलेक्ट्रोलाइजर पर आधारित होगा। इसमें एक किलो हाइड्रोजन बनाने के लिए कम से कम नौ किलो पानी की जरूरत होती है। बाद में एनियन एक्सचेंज मेंबरेन पर आधारित इलेक्ट्रोलाइजर बनाएगा। ग्रीन बिजनस के लिए अडानी ग्रुप ने अडानी न्यू इंडस्ट्रीज नाम से एक कंपनी बनाई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में अडानी ग्रुप की टोटल इनकम में इसकी हिस्सेदारी नौ फीसदी थी। अडानी ग्रुप की बिजनस कई सेक्टर्स में फैला है और यह मार्केट कैप के हिसाब से टाटा ग्रुप और रिलायंस के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है।

शराब कंपनी हो गई मालामाल

आरसीबी का रेवेन्यू साल 2023-24 में दोगुना हो गया

- इस दौरान नेट प्रॉफिट भी 222 करोड़ रुपये पहुंच गया
- प्रॉफिट के मामले में कई व्हिस्की ब्रांड से आगे हुई टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी शराब कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स के नेट प्रॉफिट में क्रिकेट की हिस्सेदारी बढ़कर 16 फीसदी पहुंच गई है। कंपनी का कहना है कि फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के दौरान उसके कुल प्रॉफिट में क्रिकेट की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस दौरान उसकी क्रिकेट टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का रेवेन्यू दोगुना हो गया। आरसीबी का रेवेन्यू 2023-24 में 163 प्रतिशत बढ़कर 650 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष 247 करोड़ रुपये था। इस दौरान आरसीबी का नेट प्रॉफिट 222 करोड़ रुपये पहुंच गया। दो साल पहले कंपनी के प्रॉफिट में आरसीबी का योगदान सिर्फ 8 प्रतिशत था। दुनिया की सबसे बड़ी डिस्टिलर डियाजियो पीएलसी की भारतीय यूनिट यूएसएल ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि एक साल पहले आरसीबी को 15 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। यूएसएल के मालिक रहे दिग्गज उद्योगपति विजय माल्या ने साल 2008 में आरसीबी को 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। उन्होंने आरसीबी को यूएसएल की सब्सिडियरी बनाया था। पिछले साल, कंपनी ने एक महिला क्रिकेट टीम को भी अपने साथ जोड़ा जिसने वीमन्स प्रीमियर लीग के पहले संस्करण का खिताब अपने नाम किया। विजय माल्या पर बैंकों के साथ धोखाधड़ी का आरोप है और फिलहाल वह ब्रिटेन में रह रहे हैं। यूएसएल ने 2023-24 के लिए 25,724 करोड़ रुपये की बिक्री और 1,312 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। पिछले साल के मुकाबले कंपनी की सेल में 7 प्रतिशत की गिरावट आई लेकिन प्रॉफिट में 25 प्रतिशत की तेजी आई।

व्हिस्की से बड़ा आरसीबी का नशा: विशेषज्ञों का कहना है कि लाभ के मामले में आरसीबी अब यूएसएल के स्वामित्व वाले 63 शराब ब्रांडों में से अधिकांश से बड़ा हो सकता है। आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों और निवेशकों का ध्यान अब निवेश पर रिटर्न पर अधिक केंद्रित होने की संभावना है। इसकी वजह यह है कि यह टूर्नामेंट अब अधिक परिपक्व और स्थिर चरण में प्रवेश कर रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटा

नईदिल्ली, एजेंसी। 28 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.71 अरब डॉलर घटकर 651.99 अरब डॉलर रहा। यह आंकड़े आरबीआई ने बीते शुक्रवार जारी किए थे। इससे पिछले सप्ताह, कुल मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। इस साल सात जून को भंडार 655.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके उलट 28 जून को खत्म हुए हफ्ते के दौरान पाकिस्तान का फॉरेक्स रिजर्व 49.4 करोड़ डॉलर बढ़ गया। यह बढ़कर करीब 9.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अप्रैल 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका का विदेशी मुद्रा भंडार 35.3 यूएसडी बीएन मापा गया, जबकि पिछले महीने यह 36.0 यूएसडी बीएन था। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के कई कारण हैं। इनमें व्यापार घाटा, विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप और विदेशी निवेश में कमी जैसे फैक्टर शामिल हैं। आइए जानिए कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अमेरिका के मुकाबले क्यों गिरा।

पांच साल में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई क्षेत्र में घरों की कीमतें 50 प्रतिशत बढ़ीं: एनारॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में घरों की औसत कीमतें पिछले पांच वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ी हैं। संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने कहा है कि यह वृद्धि उच्च मांग से प्रेरित है। एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमत जनवरी-जून, 2024 में 49 प्रतिशत बढ़कर 6,800 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई है, जो 2019 की समान अवधि में 4,565 रुपए प्रति वर्ग फुट थी। इसी तरह, एमएमआर में समीक्षाधीन अवधि के दौरान आवास की औसत कीमतें 10,610 रुपए प्रति वर्ग फुट से 48 प्रतिशत बढ़कर 15,650 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गईं।

एनारॉक ने कहा कि निर्माण लागत में भारी बढ़ोतरी और अच्छी बिक्री के कारण कीमतों में वृद्धि हुई। इसने बताया कि 2016 के अंत से 2019 तक दोनों क्षेत्रों में कीमतें स्थिर रहीं थीं। एनारॉक ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इन दोनों आवासीय बाजारों में मांग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। शुरुआत में, डेवलपर्स ने पेशकश और मुफ्त उपहारों की मदद से बिक्री को बढ़ावा दिया लेकिन मांग बढ़ने के साथ ही उन्होंने धीरे-धीरे औसत कीमतें बढ़ा दीं।

इस हफ्ते के लिए खरीद लें 4 शेयर, एक्सपर्ट बोले- होगा तगड़ा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार पर इसका असर पड़ेगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी।

इस हफ्ते ये चार शेयर दे सकते हैं अच्छा मुनाफा: शेयर मार्केट एक्सपर्ट कवींद्र सचान ने इस हफ्ते चार ऐसे शेयरों पर दांव लगाने की राय दी है, जो तगड़ा रिटर्न दे सकते हैं। इनमें टाटा पावर, आईओसी, आईआरसीटीसी और नूपुर रिसाइकलर्स शामिल हैं। आइए जानें किस भाव पर खरीदें, कहां स्टॉप लॉस लगाएं और लक्ष्य कितना रखें

सामाजिक योजनाओं को मिलेगा बढ़ावा, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास पर अधिक खर्च

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025 के पूर्ण बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास से संबंधित सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए ज्यादा धनराशि का आवंटन किया जा सकता है। इसका मकसद समाज के कमजोर वर्गों को राहत देकर ग्रामीण मांग को बढ़ावा देना है। बजट 23 जुलाई को पेश होगा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'ग्रामीण भारत पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है और इसकी झलक सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए बजट आवंटन में दिख सकती है।'

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में संभावना जताई है कि अंतरिम बजट की तुलना में राजस्व खर्च का लक्ष्य बढ़ सकता है। इसके लिए नई योजनाएं आ सकती हैं या कुछ मौजूदा योजनाओं में आंवटन बढ़ाया जा सकता है। इक्रा का अनुमान है कि सरकार का राजस्व व्यय 37 लाख करोड़ से 37.1 लाख करोड़ रुपए रह सकता है, जो अंतरिम बजट से 50,000 से 60,000 करोड़ रुपए अधिक है। यह पिछले साल के मुकाबले 6 से 6.3 फीसदी अधिक रकम है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'अतिरिक्त आवंटन व्यापक तौर पर ब्याज और सब्सिडी से अलग होने की संभावना है। आवंटन बढ़ाने का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना है क्योंकि 2023 में कम और असमान्य मॉनसून के कारण ग्रामीण मांग में कमी बनी हुई है।' सामाजिक क्षेत्र के तहत शिक्षा को गुणवत्ता की कमी जैसा ज्वलंत मसला हल करने के लिए अतिरिक्त रकम मिल सकती है। समाज विज्ञानी अमिताभ कुंडू ने कहा, 'शिक्षा पर आम लोगों का खर्च शून्य से लेकर 2 लाख रुपए (अमीर तबके द्वारा) सालाना तक है, जिससे पता चलता है कि शिक्षा में कितनी अधिक असमानता है।' प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए भी बजट में ज्यादा राशि आवंटित की जा सकती है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना को भी ज्यादा रकम मिल सकती है मगर यह वृद्धि बजट के अनुपात में होगी। वित्त वर्ष 2025 के अंतरिम बजट में मनरेगा को 86,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के बराबर थे। कुंडू ने कहा, 'वृद्धि और रोजगार पर जोर रहेगा। सरकार की स्थिरता पर अभी कोई खतरा नहीं है, इसलिए वह विकास का एजेंडा बढ़ाने पर जोर देगी।'

भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी घोषणा पत्र में 70 साल से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना के तहत लाने का वादा किया था। इस कारण बजट में इस क्षेत्र को 7,000 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। मगर स्वच्छ भारत मिशन और जल शक्ति मिशन जैसी कई सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए आवंटन में ज्यादा इजाफा होने की उम्मीद नहीं है।

भारत, ब्रिटेन प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता इसी महीने करेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन में नई सरकार के कार्यभार संभालने के साथ ही भारत और ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए लंबित मुद्दों को सुलझाने और वार्ता को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने अगले दौर की वार्ता करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एफटीए के लिए भारत-ब्रिटेन वार्ता जनवरी, 2022 में शुरू हुई थी। दोनों देशों में आम चुनाव के चलते चौदहवें दौर की वार्ता रुक गई। अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्ष संपर्क में हैं और अगला दौर इसी महीने शुरू होगा। ब्रिटेन के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और कहा कि वह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी एफटीए को पूरा करने के लिए तैयार हैं। दोनों नेताओं ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-ब्रिटेन एफटीए को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

चीन के आगे झुका श्रीलंका, चीनी रिसर्च जहाजों से प्रतिबंध हटाने का लेना पड़ा फैसला

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका ने विदेशी अनुसंधान जहाजों के आगमन पर अगले साल से प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है। जापान की मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। उच्च प्रौद्योगिकी वाले चीनी जासूसी जहाजों द्वारा श्रीलंकाई बंदरगाह पर लंगर डालने संबंधी बार-बार के अनुरोध के बाद जताई गई सुरक्षा चिंताओं के बाद यह प्रतिबंध लगाया गया था। प्रतिबंध हटाने के निर्णय की जानकारी श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने 'एनएचके वर्ल्ड जापान को दी। हिंद महासागर में चीनी अनुसंधान जहाजों की बढ़ती आवाजाही पर नयी दिल्ली ने चिंता व्यक्त करते हुए इनके जासूसी जहाज होने का अंदेशा जताया था और कोलंबो से आग्रह किया था कि वह ऐसे जहाजों को अपने बंदरगाहों पर न आने दे। भारत द्वारा चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने जनवरी में अपने बंदरगाह पर विदेशी अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस साल की शुरुआत में एक चीनी जहाज के लिए हालांकि छूट दी गई थी। एनएचके वर्ल्ड जापान की शुक्रवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, साबरी ने कहा कि उनकी सरकार अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम नहीं बना सकती। उन्होंने कहा कि उनका देश दूसरों के बीच विवाद में किसी का पक्ष नहीं लेगा। यह प्रतिबंध अगले साल जनवरी तक है। साबरी ने कहा कि श्रीलंका अपने बंदरगाहों पर विदेशी अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर अगले साल से प्रतिबंध नहीं लगाएगा। दो चीनी जासूसी जहाजों को श्रीलंका के बंदरगाहों पर लंगर डालने की अनुमति दी गई थी। चीनी अनुसंधान जहाज शि यान 6 अक्टूबर 2023 में श्रीलंका पहुंचा और कोलंबो बंदरगाह पर रुका था। इसके आगमन से पहले अमेरिका ने श्रीलंका के समक्ष चिंता व्यक्त की थी। अगस्त 2022 में चीनी नौसेना का पोत युआन वांग 5 दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचा था।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री अब्बासी ने नए राजनीतिक दल की स्थापना की

इस्लामाबाद, एजेंसी। अवाम पाकिस्तान पार्टी नाम के इस दल का मुख्य नारा 'बदलेंगे निजाम' है और देश के विकास में योगदान देने वाला कोई भी व्यक्ति इसकी सदस्यता ले सकता है। अब्बासी (65) अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे थे, जब उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ को अयोग्य घोषित कर दिया था। इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने व्यवस्था में बदलाव और देश के संविधान के लिये सम्मान बहाल करने के मिशन के साथ शनिवार को आधिकारिक रूप से एक नए राजनीतिक दल की स्थापना की। अवाम पाकिस्तान पार्टी नाम के इस दल का मुख्य नारा 'बदलेंगे निजाम' है और देश के विकास में योगदान देने वाला कोई भी व्यक्ति इसकी सदस्यता ले सकता है। अब्बासी (65) अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे थे, जब उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ को अयोग्य घोषित कर दिया था। रावलपिंडी के प्रसिद्ध पहाड़ी क्षेत्र मरी से संबंध रखने वाले अब्बासी ने 2018 के बाद नीतिगत असहमति के कारण पीएमएल-एन से दूरी बना ली थी और 2022 में सरकार का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। अब्बासी ने यहां पार्टी के स्थापना के मौके पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शासन, पुलिस और राजस्व प्रणाली समेत देश की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा, अगर शक्तियां जिला स्तर पर हस्तांतरित नहीं की गईं, तो यह प्रणाली आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने कहा, संविधान का पालन किये बिना देश नहीं चल सकता। यह पार्टी पाकिस्तान के संविधान और संसदीय लोकतंत्र में मजबूती से निहित है, इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। विडंबना यह है कि संविधान की रक्षा करने की शपथ लेने वाले हर दिन इसे तोड़ रहे हैं।

पापुआ न्यू गिनी के पेट्रोलियम मंत्री गिरफ्तार; महिला से मारपीट का आरोप

पापुआ न्यू गिनी, एजेंसी। सिडनी पुलिस ने पापुआ न्यू गिनी की सरकार के पेट्रालियम मंत्री को गिरफ्तार किया है। उन पर घरेलू विवाद का आरोप लगाया गया। हालांकि उन्हें जमानत दे दी गई है, लेकिन गुरुवार को अदालत में पेश होने को कहा गया है। पापुआ न्यू गिनी के पेट्रोलियम मंत्री जिमी मालाडिना को सुबह बोंडी में घरेलू हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दरअसल, लगभग 10 बजे बोंडी के इंपीरियल एवेन्यू स्थित एक पते पर पुलिस को बुलाया। यहां पुलिस को 31 वर्षीय महिला मिली, जिसके चेहरे पर चोटें थीं। पुलिस को बताया गया कि 58 वर्षीय परिचित व्यक्ति के साथ झगड़े के बाद आई।

इजरायल की सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐसा फैसला, भड़क गए कट्टर यहूदी; सड़कों पर उतरे

तेल अवीव एजेंसी। इजरायल के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद कट्टरपंथी यहूदी भड़के हुए हैं और वे सड़कों पर उतर आए हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अब अति रूढ़िवादी यहूदियों को भी सामान्य यहूदियों की तरह सेना में अनिवार्य सेवा देनी होगी। इसके अलावा सरकार की तरफ से मिलने वाली विशेष सुविधाएं उन्हें नहीं दी जाएंगी। अब तक कट्टर यहूदियों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि युवा हरेदी पुरुषों को भी सेना में भर्ती किया जाना चाहिए। अब येशिवा में पढ़ने वाले युवा इस फैसले के खिलाफ उतर आए हैं। उनका कहना है कि इससे उनके धार्मिक जीवन पर असर पड़ेगा और वे धर्म का पालन नहीं कर पाएंगे। उनका कहना है कि उनका आध्यात्मिक जीवन और पूजा-पाठ इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। बीबीसी की रिपोर्ट की मानें तो युवाओं को इस बात पर ऐतराज है कि अगर उन्हें सेना में जाना पड़ा तो उनको धार्मिक भक्ति के रास्ते से हटना पड़ेगा। ऐसे में उनकी आस्था कमजोर हो जाएगी जो कि देश के लिए भी खतरनाक साबित होगी। उनका कहना है कि इजरायली सेना को भी उनकी कोई जरूरत नहीं है। कट्टर यहूदी मानते हैं कि उनके धर्म को बचाए रखने के लिए जरूरी है कि वे लोग धर्म का पालन करें और अन्य कामों में ज्यादा समय ना गवाएं। इजरायल में अति-रूढ़िवादी लोगों की संख्या 10 लाख से भी ज्यादा है। यानी यह इजरायल की जनसंख्या के 12 फीसदी के करीब है। अति रूढ़िवादी दलों का सत्ता में भी दखल रहता है। लंबे समय से ये दल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का साथ दे रहे हैं। कट्टर यहूदियों को टैक्स में भी छूट मिलती है। वहीं सामान्य यहूदी सेना में अनिवार्य सेवा भी देते हैं और टैक्स का भी भुगतान करते हैं। पहले भी इजरायल की संसद में एक विधेयक पारित हुआ था जिसके मुताबिक हरेदी युवाओं को आंशिक रूप से सेना में भर्ती किया जाना था। हालांकि यह कानून अब तक लागू नहीं हो पाया। इस कानून का हरेदी नेता विरोध करते हैं।

येशिवा छात्रों को मिलती है छूट : येशिवा छात्र वे होते हैं जो कि टोरा का अध्ययन करते हैं और यहूदी धर्म के नियमों का कट्टरता से पालन करते हैं। इन्हें सेना में जाने से छूट है। वहीं यह समूह हमेशा से ही बदलाव के खिलाफ रहा है। वहीं कट्टरपंथी यहूदियों का प्रदर्शन कई जगहों पर उग्र हो रहा है। कई इलाकों में हिंसा और तोड़फोड़ भी हुई है। अब सवाल है कि बेंजामिन नेतन्याहू सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के सपोर्ट में कदम उठाएंगे या फिर राजनीतिक फायदे के लिए कोई और रास्ता निकालेंगे।

ईरान का चाबहार पोर्ट भारत को मिला तो बढ़ी दुनिया की दिलचस्पी, दक्षिण पूर्व एशिया का मध्य एशिया तक का प्रवेशद्वार

कजाकिस्तान, एजेंसी। सिंगापुर चाबहार बंदरगाह के माध्यम से संसाधन संपन्न यूरेशिया के साथ व्यापार मार्ग स्थापित करने का इच्छुक है, जिसका प्रबंधन अनुबंध 10 वर्षों के लिए भारत को दिया गया है, ईटी को पता चला है। यह शहर दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत का रणनीतिक साझेदार है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए वित्तीय केंद्र है। जानकार लोगों के अनुसार, इसका यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह कजाकिस्तान के साथ एक व्यापार और पारगमन गलियारे की स्थापना की संभावना तलाश रहा है, जिसमें चाबहार बंदरगाह दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति ने हाल ही में सिंगापुर का दौरा किया और उनके मेजबान के साथ उनकी बातचीत में व्यापार और पारगमन गलियारे का मुद्दा प्रमुखता से उठा। पिछले साल मई में, जब तत्कालीन सिंगापुर के राष्ट्रपति ने कजाकिस्तान का दौरा किया था, तो दोनों पक्षों ने एक व्यापार और पारगमन गलियारा स्थापित करने का फैसला किया था जो यूरेशिया को दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजार से जोड़ेगा। सिंगापुर ने 2019 में इएइयू के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए थे। 2023 के राष्ट्रपति दौरे का एक महत्वपूर्ण परिणाम एफटीए के ढांचे के भीतर सेवाओं और निवेश में व्यापार पर इएइयू और सिंगापुर के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर करना था। दस्तावेज़ का उद्देश्य विनियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर और बाधाओं को कम करके व्यापार करने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियाँ बनाना है। एक अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्था और भारत के करीबी रणनीतिक साझेदार वियतनाम ने भी इएइयू के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। 13 मई को, भारत और ईरान ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

बांग्लादेश के मंत्री बोले- भारत एक राजनीतिक मित्र है, चीन विकास हासिल करने में हमारा मित्र है

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार के एक प्रमुख सदस्य ने अपने देश की संतुलित कूटनीति का सारांश प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत बांग्लादेश का समय-परीक्षित राजनीतिक मित्र है, और चीन बांग्लादेश के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक मित्र है। ढाका में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जो प्रधानमंत्री शेख हसीना की 8 जुलाई से शुरू होने वाली चार दिवसीय चीन यात्रा की प्रस्तावना के रूप में आयोजित किया गया था, परिवहन और सड़क मंत्री और सत्तारूढ़ अवामी लीग के शक्तिशाली महासचिव ओबैदुल कादर ने कहा कि हसीना के आलोचक इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि उनके शासन में बांग्लादेश ने चीन और भारत की मदद से प्रमुख विकास परियोजनाओं को पूरा किया है। उन्होंने 2015 के भूमि सीमा समझौते के पूरा होने की ओर इशारा करते हुए भारत की प्रशंसा भी की। भारत 1971 का परखा हुआ मित्र है। दोनों देशों के बीच संबंध 1971 के रक्तरंजित युद्ध से ही बने हैं। यह वह मित्र है जिसने 1971 के हमारे कठिन समय में हमारी मदद की थी। भारत एक राजनीतिक मित्र है। चीन हमारे विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारा मित्र है और इसने देश में कई विकास परियोजनाओं में योगदान दिया है, कादर ने कहा।

अमेरिका के खिलाफ अंतरिक्ष में प्रभुत्व के लिए चीन की बढ़ती भूख, जोखिम लेने से भी नहीं हट रहा पीछे

बीजिंग, एजेंसी। रेंड की एक हालिया रिपोर्ट चीन की जोखिम लेने की इच्छा में वृद्धि और अंतरिक्ष में उसके विस्तारित रणनीतिक अभियानों पर प्रकाश डालती है, जो इस क्षेत्र में अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए बनाया गया एक साहसिक कदम है। रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध चीनी रक्षा दस्तावेजों की जांच करती है, जो पिछले बीस वर्षों में अंतरिक्ष में वृद्धि पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दृष्टिकोण की व्यापक समीक्षा पेश करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के नेता अमेरिका को एक शक्तिशाली लेकिन घटती ताकत के रूप में देखते हैं और भविष्य में आक्रामक रणनीतियों में वृद्धि की उम्मीद करते हैं, जिसमें अंतरिक्ष का सैन्यीकरण भी शामिल है। इससे पता चलता है कि पीएलए का दृष्टिकोण प्रतिरोध और धमकी का मिश्रण है, एक रणनीतिक संयोजन जो विरोधियों को अपने राजनीतिक लक्ष्यों का पालन करने या अंतरिक्ष में विनाशकारी युद्ध का जोखिम उठाने के लिए मजबूर करने के लिए बनाया गया है। रिपोर्ट में अंतरिक्ष में वृद्धि के प्रति पीएलए के बदलते रवैये का विवरण दिया गया है। ये दृष्टिकोण तेजी से बदलते रणनीतिक परिदृश्य को सक्रिय रूप से प्रभावित करने की बढ़ती महत्वाकांक्षा का संकेत देते हैं। अपने प्रारंभिक चरण में, पीएलए की रणनीतिक सोच मुख्य रूप से सैद्धांतिक थी, जिसका ध्यान संघर्ष को टालने पर था।

2013 में, अंतरिक्ष अभियानों के प्रति पीएलए की रणनीति में एक बदलाव देखा गया, जैसा कि रैंड द्वारा उजागर किया गया था। राजनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने के अंतिम लक्ष्य के साथ, ध्यान को सैन्य प्रतिद्वंद्विता और प्रबंधित वृद्धि की ओर पुनर्निर्देशित किया गया था। रणनीति चार स्तरीय वृद्धि पदानुक्रम के आसपास संरचित है, जिसमें अंतरिक्ष कौशल का प्रदर्शन, अंतरिक्ष सैन्य अभ्यास आयोजित करना, अंतरिक्ष बलों को तैनात करना और अंतरिक्ष हमलों को अंजाम देना शामिल है। इस रणनीति का अंतिम उद्देश्य चौतरफा संघर्ष से बचने के साथ-साथ विरोधियों पर आत्मसमर्पण के लिए दबाव डालना है। रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि अंतरिक्ष में जोखिम लेने की पीएलए की बढ़ती इच्छा काफी हद तक अमेरिका की गिरावट वाली शक्ति के रूप में उसकी धारणा से प्रेरित है, जिसके सैन्यीकरण की ओर बढ़ने की संभावना है। यह आगे बताता है कि पीएलए के भीतर अंतरिक्ष में बढ़ती जोखिम सहनशीलता को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रभाव से महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया गया है। रैंड अमेरिकी अधिकारियों को सलाह देता है कि वे न्यूनतम संचार के साथ त्वरित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के लिए तैयार रहें और अंतरिक्ष संकट के दौरान पीएलए के सहयोग पर निर्भर न रहें। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिकी अंतरिक्ष बल (यूएसएसएफ) को शांति के समय में भी अंतरिक्ष में पीएलए के आक्रामक युद्धाभ्यास के लिए तैयार रहना चाहिए। चीन अक्सर शांतिकाल के दौरान या किसी संकट की शुरुआत में, संघर्ष का सहारा लिए बिना अपनी क्षमताओं और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करने के तरीके के रूप में, सार्वजनिक रूप से उन्नत अंतरिक्ष उपकरणों के कम तीव्रता वाले परीक्षण करके अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को प्रदर्शित करना चुन सकता है।

साल में दो बार इंजेक्शन संक्रमण से देता है 100 प्रतिशत सुरक्षा

मेलबर्न, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में व्यापक स्तर पर किए गए एक क्लिनिकल परीक्षण से पता चला है कि नई रोग-निरोधक दवा का साल में दो बार इंजेक्शन युवतियों को एचआईवी संक्रमण से पूरी सुरक्षा देता है। परीक्षण में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि क्या 'लेनकापाविर का छह-छह महीने पर इंजेक्शन, दो अन्य दवाओं (रोज ली जाने वाली गोलियों) की तुलना में एचआईवी संक्रमण के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा। सभी तीन दवाएं 'प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (रोग निरोधक) दवाएं हैं। अध्ययन के दक्षिण अफ्रीकी भाग के प्रमुख अन्वेषक, चिकित्सक-वैज्ञानिक लिंडा-गेल बेकर ने बताया कि कि यह सफलता इतनी महत्वपूर्ण क्यों है और आगे क्या उम्मीद की जाए। लेनकापाविर और दो अन्य दवाओं की प्रभावकारिता का परीक्षण 5,000 प्रतिभागियों के साथ 'उद्देश्य 1 परीक्षण युगांडा में तीन स्थलों और दक्षिण अफ्रीका में 25 स्थलों पर किया गया। लेनकापाविर (लेन एलए) एचआईवी कैप्सिड में प्रवेश करता है। कैप्सिड एक प्रोटीन शेल है जो एचआईवी की आनुवंशिक सामग्री और प्रतिकृति के लिए आवश्यक एंजाइमों की रक्षा करता है। इसे हर छह महीने में एक बार त्वचा में लगाया जाता है। पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में, युवतियां एचआईवी संक्रमणों से सबसे ज्यादा पीड़ित होती हैं। कई सामाजिक और संरचनात्मक कारणों से, उन्हें दैनिक प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस व्यवस्था को बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण लगता है। परीक्षण के यादृच्छिक चरण के दौरान लेनकापाविर लगवाने वाली 2,134 महिलाओं में से कोई भी एचआईवी से संक्रमित नहीं हुई। इस इंजेक्शन की 100 प्रतिशत दक्षता साबित हुई। इन परीक्षणों का महत्व क्या है? यह सफलता बड़ी उम्मीद जगाती है कि लोगों को एचआईवी से बचाने के लिए हमारे पास एक सिद्ध, अत्यधिक प्रभावी रोकथाम का उपाय है। पिछले वर्ष वैश्विक स्तर पर 13 लाख नए एचआईवी संक्रमण के मामले आए थे। हालांकि, यह 2010 में देखे गए 20 लाख संक्रमण के मामलों से कम है। यह स्पष्ट है कि इस दर से हम एचआईवी के नए मामलों में कमी लाने के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाएंगे जो यूएनएड्स ने 2025 के लिए निर्धारित किया है (वैश्विक स्तर पर 5,00,000 से कम) या संभावित रूप से 2030 तक एड्स को समाप्त करने का लक्ष्य भी पूरा नहीं कर पाएंगे।

अमेरिका में लड़कों ने देखा बड़े पैर, चमकती आंखों वाला जीव, पुलिस को बुलाया

लुईसियाना, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना के हाउमा में हाल ही में एक घटना सामने आई है, जिसमें हाल में हाईस्कूल पास किए बैटन रूज से कुछ बच्चे लगभग 100 मील दूर घूमने के लिए पहुंचे थे। वहां पर जब वह कैंप लगा रहे थे तभी उनका सामना एक भयावह बड़े पैरों वाला और चमकती हुई आंखों वाला एक जीव दिखाई दिया, जिससे डरकर वह छिप गए और पुलिस को फोन लगा दिया। पुलिस के अनुसार, 28 जून को शाम करीब 9~20 पर उस ग्रुप के एक लड़के ने फोन लगाया और कहा कि हमने एक गुर्राने वाला, नीली तेज चमकीली आंखों और लंबा चौड़ा जीव देखा जो कि करीब 8 फुट का होगा। पुलिस ने फोन के बाद वहां पर एक टीम को भेजा और किसी भी पौराणिक जीव के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने पूरा आसपास का एरिया छान मारा और लड़कों को पास ही रखा। पुलिस के अनुसार, गहन जांच के बाद भी वहां पर कोई चमकीली आंखों वाला या बड़े पैर वाला जानवर नहीं मिला। फिर जब पूरा इलाका देख लिया गया तो पूरी टीम लड़को को साथ लेकर जंगल से बाहर आ गई। दक्षिणी लुईसियाना के किसाची राष्ट्रीय वन में इस तरह के जीव दिखने का यह पहला मामला नहीं है। दो स्व- घोषित बड़े पैर वाले जीवों के शोधकर्ताओं ने 2019 में दावा किया था कि उनके 6लाख एकड़ के घने जंगल में क्रिप्टिड के अस्तित्व के दृश्य और ऑडियो सबूत है। स्थानीय अखबार टाउन टॉक के अनुसार इन लोगों ने रिकॉर्डिंग करने के लिए पेड़ों में ऐसे कैमरे और ऑडियो डिवाइस छोड़ दिए थे, फिर बाद में उनकी रिकॉर्डिंग करके उनका अध्ययन किया। अक्टूबर में भी एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ कोलोराडो में छुट्टी पर थे और वहां उन्होंने उजाले में एक बड़े से प्राणी के घूमने का वीडियो बनाया था। विशाल, वानर जैसा जीव जिसे अमेरिका और यूरोप में सासक्वाच के नाम से भी जाना जाता है। उसकी जड़ें अमेरिकी लोककथाओं में हैं और 1800 के दशक में यूरोपीय निवासियों द्वारा इसकी सूचना दी गई है। भारत में भी हिमालय में हिम मानव या येति मिलने की खबरें सामने आती ही रहती हैं।

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री स्टॉर्मर ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक बुलाई

लंदन, एजेंसी। स्टॉर्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट में नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनके जीवन के लिए सम्मान की बात थी कि महाराजा चार्ल्स तृतीय ने एक समारोह में उन्हें सरकार बनाने के लिए कहा, जिसने उन्हें आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री बना दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक अवास और कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट है।

लंदन। ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने शनिवार को मंत्रिमंडल की पहली बैठक बुलाई क्योंकि उनकी नई सरकार ढेरों घरेलू समस्याओं को दूर करने और सालों की कठोरता, राजनीतिक अराजकता और पस्त अर्थव्यवस्था से ऊब चुकी जनता पर जीत हासिल करने की बड़ी चुनौती का सामना कर रही है। स्टॉर्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट में नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनके जीवन के लिए सम्मान की बात थी कि महाराजा चार्ल्स तृतीय ने एक समारोह में उन्हें सरकार बनाने के लिए कहा, जिसने उन्हें आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री बना दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक अवास और कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास करने के लिए बहुत सारा काम है, इसलिए अब हम अपना काम शुरू करते हैं।'' स्टॉर्मर की लेबर पार्टी ने शुक्रवार को भारी जीत हासिल कर दो सदी के इतिहास में कंजर्वेटिव पार्टी को सबसे बड़ा झटका दिया। उनके सामने आने वाली कई समस्याओं में सुस्त अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को ठीक करना और सरकार में विश्वास बहाल करना शामिल है। लंदन के क्वीन मैरी विश्वविद्यालय में राजनीति के प्रोफेसर टिम बेल ने कहा, ''सिर्फ इसलिए कि लेबर ने बड़ी जीत हासिल की, इसका मतलब यह नहीं है कि कंजर्वेटिव सरकार के सामने आने वाली सभी समस्याएं दूर हो गई हैं। स्टॉर्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट में अपने नए आधिकारिक आवास के बाहर समर्थकों की मौजूदगी में कहा, ''किसी देश को बदलना 'स्विच दबाने' जैसा नहीं है। इसमें कुछ समय लग जाएगा। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि बदलाव का काम तुरंत शुरू हो गया है।'' ब्रिटिश प्रधानमंत्री अगले सप्ताह नाटो बैठक के लिए वाशिंगटन जाएंगे और 18 जुलाई को यूरोपीय राजनीतिक समुदाय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। कंजर्वेटिव सरकार को इंग्लिश चैनल को पार करके आने वाले प्रवासियों के प्रवाह को रोकने के लिए संघर्ष करना पड़ा और 'नावों को रोकने' का पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का संकल्प पूरा नहीं हो सका। स्टॉर्मर ने कहा है कि वह शरण चाहने वालों को रवांडा निर्वासित करने की कंजर्वेटिव सरकार की विवादास्पद योजना को रद्द कर देंगे। आव्रजन पर कंजर्वेटिव पार्टी की कट्टरपंथी नेता सुएला ब्रेवरमैन, जो पार्टी नेता के रूप में सुनक की जगह लेने की संभावित दावेदार हैं, ने रवांडा संधि को समाप्त करने की स्टॉर्मर की योजना की आलोचना की है।

डायमंड लीग में अविनाश साबले ने दिखाया दम, तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय स्टीपलचेज रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके अविनाश साबले ने रविवार को डायमंड लीग में 8 मिनट और 9.91 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल करते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 2022 में बनाए गए अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8ः11.20 से करीब 1.5 सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया। इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8ः02.36 के समय से

कीनिया के अमोस सेरेम ((8ः02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8ः06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था।

टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने बताई पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुख्य समस्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के रेड-बॉल क्रिकेट कोच जेसन गिलेस्पी ने अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम की मुख्य समस्या के रूप में निरंतरता की कमी को बताया। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप के समापन के बाद से पाकिस्तान ने सभी प्रारूपों में जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया है। तब से व्हाइट-

बॉल क्रिकेट में, बाबर की अगुवाई वाली टीम यूएसए, आयरलैंड, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, भारत और अन्य टीमों के खिलाफ हार का सामना कर रही है। पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 30 अगस्त को नेशनल स्टेडियम कराची में खेला जाएगा। रेड-बॉल क्रिकेट में पिछले साल के अंत में उन्होंने शान मसूद के नए शासन के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली। ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई दिग्गजों पर दबदबा बनाया और रेड-बॉल क्रिकेट में अपने अजेय अभियान को बरकरार रखा, जो 1996 से चली आ रही है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पाकिस्तान की परेशानियों के बावजूद गिलेस्पी ने उनके प्रदर्शन के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। गिलेस्पी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में पाकिस्तान ने सीरीज 3-0 से गंवाई थी, लेकिन उन्होंने अच्छा खेला।

विंबलडन : क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, अब इस खिलाड़ी से सामना

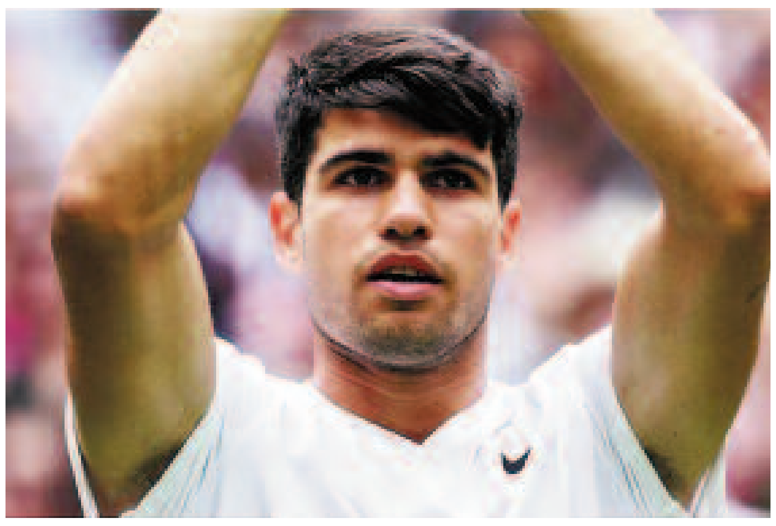

पाओलिनी को मिला वॉकओवर

महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं क्योंकि चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था, जबकि 2017 यूएस ओपन की उपविजेता कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। जैस्मीन इस तरह पेशेवर युग में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। जैस्मीन का सामना एम्मा नावारो से होगा जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में कोको गॉफ को मात दी।

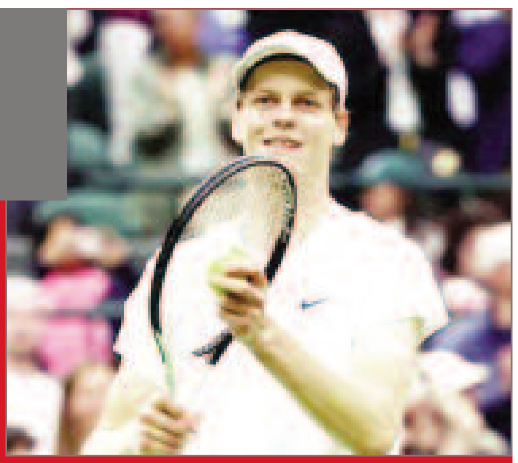

पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच ने की शानदार वापसी

प्री क्वार्टर फाइनल में अब इससे होगा सामना

लंदन, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ जोकोविच ने विंबलडन में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। जोकोविच विंबलडन में 1000 से अधिक ऐस लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विंबलडन के सात बार के चैंपियन जोकोविच ने एलेक्सेई पोपिरिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और चार सेटों में जीत दर्ज कर पुरुष सिंगल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ जोकोविच ने विंबलडन में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। जोकोविच विंबलडन में 1000 से अधिक ऐस लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच से पहले रोजर फेडरर, गोरान इवानिसेविच, पीट संप्रास, जॉन इस्नर और इवो कारलोविच ऐसा कर चुके हैं।

जोकोविच 16वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचे - जोकोविच ने इसके साथ ही 16वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में प्रवेश किया। वह ओपन एरा में जिमी कॉनर्स के साथ सर्वाधिक बार विंबलडन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ रोजर फेडरर हैं, जो 18 बार विंबलडन के अंतिम-16 दौर में पहुंचे हैं। जोकोविक का अब क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए मुकाबला 15वीं वरीयता प्राप्त होल्गर रुने से होगा। पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मुकाबले में चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कैमरन नोरी को सीधे सेट में 6-4, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी। अमेरिका के 14वें वरीय बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 6-7, 6-2, 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

स्वियातेक का सफर समाप्त

महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा। स्वियातेक को पहला सेट जीतने के बावजूद ऑल इंग्लैंड क्लब पर तीसरे दौर के मुकाबले में गैर वरीय यूलिया पुतिंत्सेवा ने 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। इसके साथ ही स्वियातेक का लगातार 21 मैच में जीत का अभियान भी थम गया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक को विंबलडन का ग्रास कोर्ट काफी रास नहीं आता है। 2022 में भी एलिज कोर्नेट ने तीसरे दौर में उन्हें हराकर उनके लगातार 37 मैच के विजयी अभियान पर रोक लगाई थी। पुतिंत्सेवा अगले दौर में 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 13वीं वरीय जेलेना ओस्टापेंका से भिड़ेंगी। महिला सिंगल्स वर्ग में ही 21वीं वरीय एलेना स्वितोलिना ने 10वें नंबर की ओन्स जेब्युर को 6-1, 7-6 से हराया।

गेल ने 40 गेंदों की पारी में क्या किया?

क्रिस गेल ने मैच में 40 गेंदों का सामना करते हुए 70 रन बनाए. 175 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में 6 छक्के और 4 चौके शामिल रहे. गेल जब आउट हुए तब तक काम पूरा हो चुका था. वेस्टइंडीज को बनाने के लिए रन ज्यादा रन नहीं गए थे और 8 विकेट के अलावा ओवर भी 7 बचे थे. नतीजा ये हुआ कि वेस्टइंडीज चैंपियंस ने ये मैच 6 विकेट से जीत लिया.

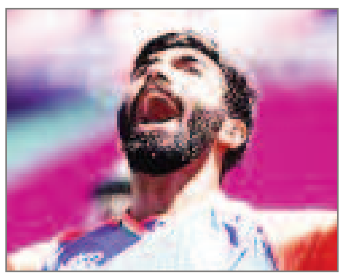

ज्योतिषी ने की भविष्यवाणी

बेटे का स्वागत करेंगे रणवीर और दीपिका !

एक्टर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बहुत जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल इस साल सितंबर में अपने बच्चे का स्वागत कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पंडित जगन्नाथ गुरुजी, जो एक प्रसिद्ध सेलिब्रिटी ज्योतिषी और फेस रीडर हैं, उन्होंने भविष्यवाणी की है कि रणवीर और दीपिका एक लड़के का स्वागत करेंगे। इस ज्योतिषी ने पहले भी भविष्यवाणी की थी कि दीपिका 2024 में प्रेग्नेंट होंगी।

पंडित जगन्नाथ गुरुजी के अनुसार, यह बच्चा अपने माता-पिता के लिए राजकुमार होगा। उम्मीद है कि वह आकर्षण से भरपूर पैदा होगा और रणवीर और दीपिका के लिए अच्छी किस्मत लाएगा। बता दें रणवीर और दीपिका 6 साल से अधिक समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद नवंबर 2018 में शादी की थी। कपल ने कॉफी विद करण 8 में खुलासा किया था कि वे 2015 में गुपचुप तरीके से सगाई कर चुके थे।

कॉमेडी फिल्मों में दोस्ती दिखाए जाने पर वरुण का बयान

वरुण शर्मा अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने फिल्मों में लगातार हास्य किरदार निभाए हैं, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद भी किया है। उन्हें फुकरे फ्रेंचाइजी और छिछोरे जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल में ही उन्होंने कॉमेडी फिल्मों में किरदारों की दोस्ती दिखाए जाने को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि दोस्ती कॉमेडी फिल्मों के लिए काफी सामान्य सी आवश्यकता है, क्योंकि यह सबसे मजबूत भावनाओं में से एक है, जिसे कोई भी इंसान अनुभव कर सकता है। वरुण ने आगे कहा कि दोस्ती वाली फिल्में काफी आकर्षक होती हैं। यह हमारी जिंदगी की सबसे मजबूत भावनाओं में से एक है। यह प्यार की भावना से भी ज्यादा मजबूत भावना होती है। उन्होंने आगे कहा, साल 2011 प्यार का पंचनामा में दोस्ती का एक नया नजरिया दिखाया गया था।

इन सितारों को भरना पड़ा प्यार का जुर्माना

दांव पर लग गया था करियर

मनोरंजन जगत के सितारे अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरते हैं। फैंस अपने पसंदीदा सितारे की हर एक एक्टिविटी पर नजरें गड़ाए रखते हैं। फिल्मों के साथ-साथ सेलेब्स के लिंकअप और ब्रेकअप की खबरें भी समय-समय पर हेडलाइंस का हिस्सा बनती हैं। हालांकि, कुछ सितारों को प्यार करना काफी भारी पड़ा है। मनोरंजन जगत की कुछ नामचीन हस्तियां ऐसी भी हैं, जिन्हें प्यार करने का बड़ा जुर्माना भरना पड़ा है। आइए इन सितारों की सूची पर एक नजर डाल लेते हैं-

विवेक ओबेरॉय

सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच की तकरार आज भी लोगों को याद है। दोनों के बीच हुए विवाद की जड़ ऐश्वर्या राय थीं, जिनकी वजह से सलमान और विवेक आपस में भिड़ गए थे। यह बात है साल 1999 की, जब सलमान खान और ऐश्वर्या राय हम दिल दे चुके सनम में साथ नजर आए थे। दोनों की केमिस्ट्री न सिर्फ फिल्म में बल्कि रियल लाइफ में भी काफी बढ़िया थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दोनों को प्यार हो गया, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा दिन तक नहीं चल पाया और उनका ब्रेकअप हो गया। उस दौरान ऐश्वर्या ने सलमान पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया था। इतना ही नहीं कहा जाता है कि सलमान ने ऐश्वर्या की फिल्म के सेट पर पहुंचकर खूब बवाल भी किया था, जिसके बाद अभिनेत्री को फिल्म ही छोड़नी पड़ गई थी। सलमान से ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या की विवेक ओबेरॉय संग नजदीकियां बढ़ीं। ये बात सलमान को रास नहीं आई, और नतीजा यह रहा कि विवेक ओबेरॉय को काम मिलना बंद हो गया।

सूरज पंचोली

सूरज पंचोली भी प्यार कर पछता चुके हैं। अभिनेता पर गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री जिया खान को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। हालांकि, 10 साल बाद उनके ऊपर से यह इल्जाम हट गया। वहीं, इस इल्जाम की वजह से सूरज पंचोली को काम मिलना बंद हो गया था, जिस पर बात करते हुए सूरज और उनकी मां दोनों बेहद भावुक हो गए थे।

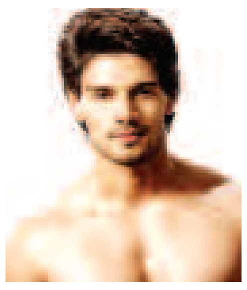

मोनिका बेदी

मोनिका बेदी कभी बॉलीवुड की बड़ी हीरोइन हुआ करती थीं। उनकी फिल्म प्यार इश्क और मोहब्बत और जोड़ी नंबर 1 बड़ी हिट थीं। मोनिका ने कुछ टीवी शो में भी काम किया। साथ ही मोनिका बिग बॉस 2 में भी नजर आ चुकी हैं। मोनिका का करियर ऊंचाइयों पर था लेकिन तभी उनका नाम अंडर वर्ल्ड डॉन से जुड़ गया। मोनिका बेदी का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन अबु सलेम से जुड़ा था। अबु सलेम 1993 के मुंबई में हुए बम ब्लास्ट का दोषी है। अबु सलेम से नाम जुड़ने के बाद मोनिका बेदी का फिल्मी करियर खत्म हो गया।

रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती को भी प्यार करना भारी पड़ा। रिया के एक्स बॉयफ्रेंड और अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2020 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अभिनेता के आत्महत्या करने के बाद अभिनेत्री पर कई गंभीर आरोप लगे। आरोपों के कारण रिया चक्रवर्ती को काम मिलना कम हो गया, और वह धीरे-धीरे पर्दे से गायब हो गईं।

मंदाकिनी

राम तेरी गंगा मैली फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं अभिनेत्री मंदाकिनी पर्दे पर आते ही लोगों के दिलों पर छा गई थीं। बला की खूबसूरत इस हीरोइन ने अपनी सुंदरता और अभिनय से सभी के दिल में जगह बना ली थी। इस फिल्म के जरिए वह रातोंरात मशहूर हो गई थीं। उनकी सुंदरता के चर्चे दूर-दूर तक थे। सभी निर्माता और निर्देशक उनको अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। मंदाकिनी की खूबसूरती का आलम ये था कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भी उनपर फिदा हो गया था। हालांकि, दाऊद के साथ नाम जुड़ना मंदाकिनी के लिए अभिशाप साबित हुआ। अभिनेत्री को काम मिलना कम होता गया, और वह धीरे-धीरे पर्दे से दूर हो गईं।

गद्दार का बेटा कहे जाने पर तिलमिलाए जावेद अख्तर

मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते है और हमेशा बड़ी बेबाकी के साथ अपनी बात लोगों के बीच रखते हैं। अब हाल ही में गीतकार ने खुद को गद्दार का बेटा कहे जाने पर सोशल मीडिया यूजर की फटकार लगाई। इसे लेकर एक बार फिर जावेद सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, एक्स पर एक यूजर ने जावेद अख्तर पर निशाना साधते हुए कहा, आपके पिता ने पाकिस्तान को सिर्फ मुसलमानों के लिए एक राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, फिर प्रगतिशील लेखक की आड़ में उन्होंने भारत में रहना चुना। आप गद्दार के बेटे हैं जिसने धर्म के आधार पर हमारे देश का विभाजन किया, अब आप कुछ भी कहें लेकिन ये सच है। यूजर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जावेद अख्तर ने लिखा, यह तय करना मुश्किल है कि आप अज्ञानी हैं या पूर्ण मूर्ख हैं। 1857 से मेरा परिवार स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल रहा है और जेल और काला पानी की सजा काट चुका है। जब संभवतः आपके बाप दादा अंग्रेज सरकार के जूते चाट रहे थे। बता दें, यूजर और जावेद अख्तर के बीच यह बहस गीतकार के उस ट्वीट के बाद हुई, जिसमें उन्होंने अपनी तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से की थी। उन्होंने लिखा था, मैं एक गौरवान्वित भारतीय नागरिक हूं और अपनी आखिरी सांस तक ऐसा ही रहूंगा, लेकिन मेरे और जो बिडेन के बीच एक सामान्य तथ्य है। हम दोनों के पास संयुक्त राज्य अमेरिका का अगला राष्ट्रपति बनने की बिल्कुल समान संभावना है।

धक धक की असफलता पर सह निर्माताओं पर साधा निशाना

तापसी पन्नू अपनी बोल्ड फिल्म विकल्पों के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म धक धक के लिए एक निर्माता के रूप में अपनी यात्रा साझा की। 2022 में हॉरर थ्रिलर ब्लर के साथ एक निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत के बाद, पन्नू ने 2023 में तरुण डुडेजा द्वारा निर्देशित धक धक के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट में कदम रखा। हालांकि, अभिनेत्री ने इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है, जिसके कारण वह जबर्दस्त सुर्खियां बटोर रही हैं। एक हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने फिल्म धक धक के प्रदर्शन और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह बहुत हृदयविदारक था। मैं वैकल्पिक करियर बनाने के लिए निर्माता नहीं बनी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में बहुत अच्छा कर रही थी। पन्नू ने इस बात पर जोर दिया कि वह ऐसी फिल्में बनाना चाहती थीं जिनका वह सक्रिय रूप से हिस्सा नहीं थीं।

धक धक उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तापसी पन्नू ने सुझाव दिया कि धक धक के सह-निर्माताओं ने फिल्म का पूरा समर्थन नहीं किया। उन्होंने प्रमोशन और पर्याप्त नाटकीय रिलीज में निवेश की कमी पर निराशा व्यक्त की। अभिनेत्री ने अपनी बात में जोड़ा. अगर यह बड़े बजट की फिल्म नहीं है, तो स्टूडियो फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले पैसा वसूल लेते हैं। अब जब उन्होंने अपना पैसा कमा लिया है, तो वे केवल एक सांकेतिक रिलीज करते हैं। वे प्रिंट और विज्ञापन पर भी खर्च नहीं करना चाहते। प्रदर्शकों का मानना है कि चूंकि यह कोई सामूहिक मसाला फिल्म नहीं है, तो बिजली और पॉपकॉर्न पर खर्च क्यों करें? इसलिए वे हमें अजीब शो, थिएटर आदि देते हैं। फिर इसे सप्ताह के मध्य में अचानक हटा दिया जाता है।

तापसी यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा, उस समय मैं बहुत निराश हो गई थी। हमने फिल्म का ट्रेलर आने के चार से पांच दिन बाद फिल्म दिखाना शुरू किया। लोग हमारे पास आने लगे और कहने लगे कि वे इसे बढ़ावा देने में मदद करेंगे। लेकिन मेरे पास अभी भी निर्माता और सह-निर्माता के रूप में मेरे बगल में खड़े लोग नहीं थे जो कहते हों कि हम जितना कर सकते थे हमने उतना किया और बाकी दर्शकों पर छोड़ दिया। पन्नू के अनुसार, इस दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप फिल्म को सीमित और असुविधाजनक शोटाइम मिले, अंततः समय से पहले ही इसे सिनेमाघरों से हटा लिया गया। धक धक जो अक्तूबर 2023 में स्क्रीन पर आई, दर्शकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष करती दिखी। धक धक एक अनोखा रोड एडवेंचर ड्रामा है जिसमें रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख और संजना सांघी सहित शानदार महिला कलाकार शामिल हैं।

दुबई में पलक तिवारी का कातिलाना अवतार

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी भी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख चुकी हैं. उन्होंने बीते सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया था .हालांकि मूवी पर्दे पर ज्यादा कमाल नहीं कर पाई लेकिन पलक ने अच्छा काम किया था . इन दिनों पलक अपनी लेटेस्ट फोटोज को लेकर चर्चा में है. पलक प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं. एक्ट्रेस का नाम काफी वक्त से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान से जुड़ रहा है.

पलक सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन फोटोज शेयर करती हैं. इन दिनों अभिनेत्री दुबई में वेकेशन मना रही हैं, जिसकी एक झलक उन्होंने इंस्टा पर शेयर की है. श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को फैंस देसी काइली जेनर भी कहते हैं.पलक तिवारी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी वेकेशन की फोटोज साझा की है, जिसमें वो हमेशा की तरह ही काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं. काफी समय खबर है कि पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान को डेट कर रही हैं. हाल ही में एक्ट्रेस को इब्राहिम के घर से बाहर निकलते देखा गया था.

बुरे दौर से गुजर रहा है

हिन्दी सिनेमा: करण

बॉलीवुड पिछले कुछ सालों से बुरे दौर से गुजर रहा है। बड़े से बड़े सुपरस्टार और बजट की फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरने से नहीं रुक रही है। ऐसे में फिल्म मेकर करण जौहर ने इस मामले पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि इंडस्ट्री में गिने-चुने ही ढंग के अभिनेता हैं। इसके अलावा उन्होंने दावा किया है कि दर्शकों का टेस्ट अब बदल गया है।

फेय डिसूजा के यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में हिंदी फिल्मों की बुरी हालत पर करण जौहर ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा- सबसे पहले तो दर्शकों का टेस्ट बहुत लिमिटेड हो गया है। वे एक खास तरह का सिनेमा चाहते हैं और अगर आप एक लिमिटेड नंबर में काम करना चाहते हैं, तो आपकी फिल्म को ए, बी और सी सेंटर पर परफॉर्म करना होगा। सिर्फ मल्टीप्लेक्स काफी नहीं होंगे।

इन फिल्मों में रितेश करते हैं बिना पैसों के काम

रितेश देशमुख हिंदी और मराठी फिल्मों के जाने-माने कलाकार हैं। बॉलीवुड फिल्मों में वह ज्यादातर बार कॉमेडी करते दिखे हैं, जिसमें उन्हें काफी पसंद भी किया गया है। हालांकि, फिल्म एक विलेन में उनके खलनायक वाले अवतार ने लोगों को काफी प्रभावित किया था। अब एक बार फिर वह दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। इस वक्त वह अपनी पहली ओटीटी सीरीज पिल को लेकर व्यस्त हैं। उनकी यह सीरीज रिलीज को तैयार है। हाल में ही उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अभिनेताओं की फीस को लेकर बात की है।

रितेश जल्द ही ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वह जियो सिनेमा पर प्रसारित होने वाले सीरीज पिल में एक मेडिकल ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज का प्रीमियर बहुत जल्द होने वाला है। इसी सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने पीटीआई से बात की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभिनेता की फीस बढ़ने से फिल्म पर बोझ बढ़ता है। एक फिल्म निर्माता होने के तौर उन्होंने कहा कि जब वह खुद को कास्ट करते हैं, तो वह एक पैसा भी फीस के तौर पर नहीं लेते। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अभिनेता को किसी फिल्म पर अपनी फीस का बोझ नहीं डालना चाहिए, क्योंकि फिल्म का बेहतर बनना जरूरी है, अगर फिल्म बेहतर बनी रहती है, तब ही सभी बेहतर बने रहेंगे।

पिल के डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता और प्रोड्यूसर रोनी स्क्रूवाला ने भी रितेश से सहमत दिखे। राजकुमार गुप्ता ने कहा कि पैसे का सही जगह पर उपयोग करना चाहिए। इसके लिए स्टूडियो या निर्माता के तरफ से पारदर्शिता भी बनाए रखना चाहिए।

-साभार एजेंसी